RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net वर्ष 34 ■ अंक 225 ■ मुंबई, शुक्रवार 13 मार्च 2026 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 संरक्षक : आरएन सिंह

युद्ध को रोकने में नाकाम होती विश्व व्यवस्था

पेज-4

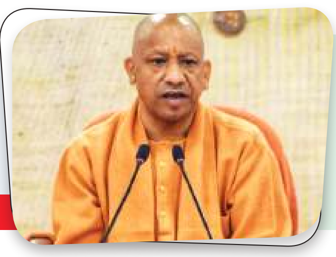

प्रदेश में जमीन के मुकदमों में आएगी भारी कमी!

पेज-6

वैवाहिक जीवन के रहस्य उजागर करती है हस्त रेखाएं

पेज-8

मोनालिसा ने मुस्लिम बॉयफ्रेंड फरमान खान से शादी की

पेज-10

देश में पर्याप्त पेट्रोल-डीजल और गैस : पुरी

लंबे समय तक हालात से निपटने को तैयार

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

देश में एलपीजी संकट पर लोकसभा में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत 40 देशों से क्रूड ऑयल ले रहा है। गैस-सिलेंडर पर पैनिक होने की कोई बात नहीं है। हरदीप सिंह पुरी ने लोकसभा में वेस्ट एशिया संकट पर कहा कि एनर्जी के इतिहास में दुनिया ने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। होर्मुज स्ट्रेट को इतिहास में पहली बार कमर्शियल शिपिंग के लिए बंद कर दिया गया। संघर्ष पैदा करने में कोई भूमिका नहीं है, भारत को इसके नतीजों से निपटना होगा। भारत की क्रूड ऑयल सप्लाई की स्थिति सुरक्षित है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पिछले पांच दिनों में रिफाइनरी के निर्देशों के जरिए LPG का प्रोडक्शन 28% बढ़ा दिया गया है और असल में आगे की खरीद चल रही है। मोदी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता यह है कि भारत के 33 करोड़ परिवारों, खासकर गरीबों और जरूरतमंदों की रसोई में किसी भी तरह की कमी न हो। घरेलू सप्लाई पूरी तरह से सुरक्षित है और डिलीवरी साइकिल में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि बड़े LNG कार्गो लगभग रोज दूसरे सप्लाई रास्तों से आ रहे हैं।

भारत के पास गैस प्रोडक्शन और सप्लाई के इतने इंतजाम हैं कि लंबे समय तक लड़ाई चलने पर भी यह स्थिति बनी रहेगी। हर घर और इंडस्ट्री के लिए बिजली का प्रोडक्शन पूरी तरह से सुरक्षित है। अब प्रोक्योरमेंट को एक्टिवली डायवर्सिफाई किया गया है और कार्गो को यूनाइटेड स्टेट्स, नॉर्वे, कनाडा, अल्जीरिया और रूस से मंगाया जा रहा है।

ईरान की मिसाइलों से बचकर मुंबई पहुंचा तेल से भरा जहाज

मध्य पूर्व में युद्ध की आग भड़कने के बाद पहली बार सऊदी अरब से कच्चा तेल लाने वाला जहाज मुंबई बंदरगाह पर लंगर डाल चुका है। यह घटना भारत के लिए बड़ी राहत की खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और हमलों के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति ठप होने की कगार पर पहुंच गई थी। लाइबेरिया ध्वज वाला शेनलॉन्ग नाम का सुएजमैक्स टैंकर 1,35,335 मीट्रिक टन से ज्यादा सऊदी क्रूड ऑयल लेकर बुधवार को मुंबई पहुंचा है। यह जहाज दो हफ्ते से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष के बाद होर्मुज से गुजरकर भारत पहुंचने वाला पहला बड़ा क्रूड टैंकर है। इसके आने से देश में तेल की कमी और एलपीजी सिलेंडर की किल्लत पर लगाम लगने की उम्मीद जगी है।

'जहाजों की सुरक्षा पर ईरान से तीन बार हुई बात'

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री के बीच हाल के दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। पिछली बातचीत में शिपिंग की सेफ्टी और इंडिया की एनर्जी

सिक्योरिटी से जुड़े मुद्दों पर बात हुई थी। इसके अलावा मेरे लिए कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। जायसवाल ने कहा कि हमारे विदेश मंत्री अपने ईरानी काउंटरपार्ट से बात कर रहे हैं और पिछले कुछ दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। जहां तक युद्ध के असर की बात है, तो यह सबके सामने है कि आस-पास क्या हो रहा है। इसका असर सिर्फ हमारी ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के लोगों और देशों पर इसका असर पड़ा है।

ईरान ने भारतीय टैंकर्स को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने की दी मंजूरी

दुनिया भर में गैस और तेल के संकट के बीच ईरान ने भारतीय जहाज को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है। इजरायल और अमेरिका से जंग के बीच ईरान ने इस रास्ते पर रोक लगा दी थी और चेतावनी दी थी कि कोई जहाज इधर से गुजरेगा तो उसे खामियाजा भुगतना पड़ेगा। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ईरान ने भारतीय जहाजों को सुरक्षित निकलने का भरोसा दिया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान के अपने समकक्ष अराघची से बात के बाद ईरान ने भारतीय तेल टैंकरों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी है। दोनों देशों के विदेश मंत्री की बातचीत का मकसद गैस और तेल की प्रभावित कीमतों और उपलब्धता को स्थिर रखना है।

शहर में 25, गांव में 45 दिन में सिलेंडर

सुजाता शर्मा ने बताया कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों की कोई कमी नहीं है। राज्यों को कमर्शियल गैस सिलेंडर और 48,000 लीटर केरोसिन मुहैया कराया जाएगा, साथ ही कोयले की आपूर्ति भी बढ़ाई गई है। सुजाता शर्मा ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में लोगों को 45 दिनों में गैस सिलेंडर मिलेगा। वहीं शहरवासियों के लिए थोड़ी राहत की खबर है। शहरवासियों के लिए 25 दिन की अवधि तय की गई है।

■ मोजतबा खामेनेई की अमेरिका को धमकी

बच्चों की मौत का लेंगे बदला, हमले जारी रहेंगे

महानगर नेटवर्क

तेहरान

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध अब एक निर्णायक और विनाशकारी मोड़ पर पहुंच गया है। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने पद संभालने के बाद अपने पहले संबोधन में अमेरिका और इजरायल को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ईरान अपने शहीदों, खासकर युद्ध में मारे गए बच्चों का बदला जरूर लेगा और क्षेत्र में अपने दुश्मनों के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाता रहेगा। हालांकि इस दौरान खामेनेई कैमरे पर नहीं दिखे।

इजरायली इंटेलिजेंस ने हाल ही में दावा किया था कि युद्ध की शुरुआती गोलाबारी में वह शायद घायल हो गए थे। मोजतबा खामेनेई ने अपने संदेश की शुरुआत अल्लाह के नाम से करते हुए कहा कि ईरान न्याय और शांति की राह पर चलता रहेगा, लेकिन अपने दुश्मनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद रखा जाना चाहिए। यह वही समुद्री मार्ग है, जहां से दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति गुजरती है, इसलिए इस बयान को वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

अपने संदेश में मोजतबा खामेनेई ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के हमलों में मारे गए लोगों का बदला लेना ईरान की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हम अपने शहीदों के खून को व्यर्थ नहीं जाने देंगे, खासकर मिनाब में शहीद हुए लोगों और बच्चों की शहादत का बदला जरूर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों (खाड़ी देशों) के साथ दोस्ताना संबंधों में विश्वास करता है, लेकिन जो सैन्य ठिकाने (खाड़ी देशों में अमेरिकी बेस) ईरान के खिलाफ इस्तेमाल हो रहे हैं, उन्हें निशाना बनाना जारी रहेगा।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बंद करने की मांग

नए सुप्रीम लीडर ने मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जरूरत पड़ी तो ईरान अपनी अन्य सैन्य और क्षेत्रीय क्षमताओं को भी सक्रिय करेगा। अपने संदेश में उन्होंने ईरानी सेना और सुरक्षा बलों का धन्यवाद किया और कहा कि देश की रक्षा के लिए उनके प्रयास सराहनीय हैं।

अमेरिका के न्यूक्लियर वॉरशिप गेराल्ड में लगी आग

ईरान वॉर में शामिल अमेरिका के सबसे बड़े युद्धपोत एयरक्राफ्ट कैरियर USS गेराल्ड आर. फोर्ड (CVN-78) में आग लग गई है। आग युद्धपोत के मुख्य लाउंड्री में लगी है। दुनिया के सबसे बड़े युद्धपोत में शामिल USS गेराल्ड आर. फोर्ड इस वक्त लाल सागर में खड़ा है। इस युद्धपोत को अमेरिकी सेना ईरान पर प्रहार करने के लिए बेस के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। अमेरिकी नेवी का दावा है कि जहाज के प्रोपल्शन प्लांट को कोई नुकसान नहीं हुआ है, और एयरक्राफ्ट कैरियर पूरी तरह से चालू है।

मीरा-भायंदर में एमएमआरडीए योजनाओं की होगी जांच

- ठेकेदार को ज्यादा किराया देने और काम में देरी की शिकायत
- अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में जांच

महानगर संवाददाता
मुंबई

मीरा-भायंदर क्षेत्र में मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की विभिन्न परियोजनाओं में ठेकेदार को अधिक किराया दिए जाने और काम में देरी की शिकायतों की जांच कराई जाएगी। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की जाएगी। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी नगर विकास राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने गुरुवार को विधानसभा में दी।

विधानसभा में भाजपा सदस्य नरेंद्र मेहता ने मीरा-भायंदर क्षेत्र में एमएमआरडीए की परियोजनाओं से जुड़ी जमीन के किराये में अनिश्चितता, फ्लाईओवर निर्माण में कथित नियमों के उल्लंघन और लंबित कार्यों को लेकर प्रश्न उठाया था। उन्होंने कहा कि मीरा-भायंदर इलाके में चार लेन का फ्लाईओवर अचानक दो लेन में बदलने के चलते इसके डिजाइन को लेकर खूब बहस चली थी। इस पर जवाब देते हुए राज्यमंत्री मिसाल ने बताया कि परियोजना के लिए ली गई जमीन के मामले में ठेकेदार को अपेक्षा से अधिक किराया दिए जाने की बात सामने आई है। साथ ही यह भी स्पष्ट नहीं है कि यह किराया रोज के आधार पर लिया जाना था या मासिक आधार पर, जिससे भ्रम की स्थिति बनी।

उन्होंने बताया कि फ्लाईओवर परियोजना की लागत में केवल 10.30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, इसलिए नई निविदा निकालने की आवश्यकता नहीं पड़ी। हालांकि दहिसर टोल नाका हटाने, एमएमआरडी की अनुमति और बिजली की लाइनों के स्थानांतरण जैसे तकनीकी कारणों से काम में देरी हुई और लागत बढ़ गई। राज्यमंत्री ने कहा कि कल्याण और मुंबई क्षेत्र की परियोजनाओं से जुड़ी शिकायतों को भी गंभीरता से लिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष के सुझाव के अनुसार इस मामले की एसआईटी से समयबद्ध जांच कराई जाएगी। जांच में यदि कोई अनियमितता पाई जाती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हाईकोर्ट पहुंचा सिलेंडर की सप्लाई का मामला, केंद्र को नोटिस जारी

मुंबई। ईरान-इजरायल के बीच युद्ध की वजह से पैदा हुए संकट के बीच बॉम्बे हाई कोर्ट ने रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति बढ़ाने संबंधी याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। गुरुवार (12 मार्च) को हाई कोर्ट ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और एक प्राइवेट कंपनी को नोटिस जारी किए। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि केंद्र के निर्देश के बावजूद नागपुर की 'कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड' घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति बढ़ाने में विफल रही है। केंद्र सरकार ने अपने निर्देश में घरेलू वितरण को प्राथमिकता देने को कहा था। वकील श्याम दीवानी और साहिल दीवानी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि ईरान युद्ध के चलते दुनियाभर में कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे एलपीजी उत्पादन भी बाधित है। इसके बाद पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी उत्पादन और आपूर्ति को प्राथमिकता देने के आदेश जारी किए थे। याचिका में कहा गया है कि एलपीजी निर्यात रोकने और घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ाने के लिए कंपनी को बार-बार दी गई जानकारी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि 'कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड' ने उन्हें सूचित किया कि उसकी निर्यात रणनीति के तहत अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग पूरी करनी होती है, इसलिए वह घरेलू बाजार को प्राथमिकता नहीं दे सकती। नागपुर बेंच के जस्टिस अनिल एस. किलोर और जस्टिस राज डी वाकोडे ने गुरुवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) और कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड को नोटिस जारी किये. कोर्ट ने इनसे सोमवार (16 मार्च) तक जवाब देने को कहा है। हाईकोर्ट की बेंच ने अंतरिम तौर पर कहा कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति को प्राथमिकता देने संबंधी सरकार की नीति का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

मीठी नदी की सफाई के लिए नहीं मिला ठेकेदार

मनपा को उठानी होगी सफाई की जिम्मेदारी

महानगर संवाददाता
मुंबई

मीठी नदी की सफाई के लिए बीएमसी ने निविदा निकली थी। मीठी नदी की सफाई के लिए कोई ठेकेदार आगे नहीं आया है। बीएमसी को अब मानसून के दौरान मीठी नदी की सफाई खुद करने पर मजबूर होना पड़ेगा।

बता दें कि मीठी नदी की सफाई में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद और एसआईटी से चल रही जांच में ठेकेदारों और मनपा अधिकारियों की गिरफ्तारी के बाद पिछले साल ठेकेदार ने सफाई का काम बीच में छोड़ दिया। बीएमसी ने आगे सफाई के लिए मुंबई सहित नवीमुंबई ठाणे के ठेकेदारों से सम्पर्क किया लेकिन कोई ठेकेदार आगे नहीं आया। बीएमसी ने मानसून के दौरान सफाई का एक साल के लिए टेंडर निकाला। बीएमसी ने पिछले साल की अपेक्षा इस साल मात्र 1 लाख 65 हजार मैट्रिक टन कीचड़ निकालने के लिए 29.5 करोड़ का टेंडर निकाला था,जबकि पिछले साल मीठी नदी की सफाई के लिए 48 करोड़ का टेंडर निकाला था। मानसून से पहले मिठी नदी से कीचड़ निकालने के लिए टेंडर जारी करने के बावजूद मनपा को कोई ठेकेदार नहीं मिला। बीएमसी ने ठेकेदार द्वारा टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ानी भी पड़ी थी। इसके बावजूद कोई ठेकेदार नहीं मिला। मीठी नदी की सफाई का कार्य तीन चरणों में किया जाता है,जिसमें फिल्टर पाडा से लेकर माहिम क्रीक तक का हिस्सा शामिल है। मानसून से पहले इस काम को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। मनपा अधिकारियों के अनुसार हर साल नदी में बड़ी मात्रा में कीचड़ जमा हो जाता है,जिससे उसकी जल वहन क्षमता कम हो जाती है और बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। इसी महीने की शुरुआत में मनपा के भीतर इस बात को लेकर चिंता जताई गई थी कि टेंडर में ठेकेदारों की दिलचस्पी कम रह सकती है खासकर मुंबई पुलिस आर्थिक अपराध शाखा द्वारा कथित मिठी नदी के कीचड़ घोटाले की चल रही जांच का कारण है।

जानलेवा स्पीड ब्रेकरों पर उपमहापौर सख्त

तत्काल सुधार की मांग

ठाणे। ठाणे शहर की सड़कों पर बने स्पीड ब्रेकर इन दिनों वाहन चालकों और नागरिकों के लिए बड़ी परेशानी बन गए हैं। अधिकांश जगहों पर इन्हें तकनीकी मानकों को नजरअंदाज कर गलत तरीके से बनाया गया है। इस गंभीर मुद्दे पर ठाणे के उपमहापौर कृष्णा दादू पाटील ने नगर आयुक्त और नगर अभियंता को पत्र लिखकर शहर के सभी स्पीड ब्रेकरों की तुरंत जांच और सुधार की मांग की है।

मुंबई हाईकोर्ट ने 'केबल सेमलानी बनाम बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त' (2005) मामले में स्पष्ट किया था कि राज्य में सभी स्पीड ब्रेकर 'इंडियन रोड्स कांग्रेस' (IRC: 99-1988) के दिशा-निर्देशों के अनुसार होने चाहिए। नियम के अनुसार स्पीड ब्रेकर की ऊंचाई 10 सेंटीमीटर और उसकी त्रिज्या 17 मीटर होनी चाहिए। लेकिन ठाणे में कई जगहों पर स्पीड ब्रेकर जरूरत से ज्यादा ऊंचे और तीखे बनाए गए हैं। इससे दोपहिया और चारपहिया चालकों को भारी दिक्कत हो रही है।

विधानभवन को बम से उड़ाने की धमकी

पूरे परिसर में मचा हड़कंप, सुरक्षाकर्मियों ने की जांच

मुंबई। बीते 23 फरवरी से महाराष्ट्र विधानमंडल का बजट सत्र शुरू है। इस बीच गुरुवार को विधानभवन को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसे लेकर पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। मिसाइल और बम की धमकी वाले एक ईमेल के बाद सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया। विधानसभा परिसर में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। विधान परिषद के सभापति राम शिंदे ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि विधानमंडल के आधिकारिक ईमेल पर विधान भवन के अलावा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई हाईकोर्ट, मुंबई मेट्रो और एक बैंक पर संभावित हमले का जिक्र था। उन्होंने कहा कि शुरुआती तौर पर यह भी आशंका जताई जा रही है कि धमकी देने वालों का संबंध खालिस्तान समर्थक समूहों से हो सकता है, हालांकि इस बारे में अभी कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। सभापति शिंदे ने बताया कि कई घंटों तक चली जांच के बाद पुलिस ने बताया कि परिसर में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। प्रारंभिक जांच से यह संकेत मिला है कि धमकी झूठी हो सकती है। बम निरोधक दस्ते ने तलाशी के बाद विधान भवन परिसर को सुरक्षित घोषित कर दिया।

इस घटना के बीच उद्धव बालासाहेब ठाकरे के सदस्य मिलिंद नार्वेकर ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करने और पूरे परिसर की गहन जांच कराने की मांग की। वहीं शिवसेना (उबाठा) के विधायक अनिल परब ने भी सदन में मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार को इस मामले पर स्पष्ट बयान देना चाहिए। इस पर राम शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री इस पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और जांच एजेंसियों को धमकी भरा ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सरकार से इस मामले पर विस्तृत जानकारी देने को भी कहा है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां ईमेल के स्रोत का पता लगाने और मामले की गहन जांच में जुटी हुई हैं। गुरुवार को विधानसभा के आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक अनजान व्यक्ति का धमकी भरा संदेश आया ।

अवैध खनन पर सरकार का सख्त वार

31 मार्च तक जुर्माना वसूली के आदेश

ठाणे। महाराष्ट्र में अवैध गौण खनिज के उत्खनन, परिवहन और भंडारण करने वालों पर अब सरकार ने सख्त कार्रवाई का फैसला किया है। राज्य के राजस्व व वन विभाग ने 11 मार्च 2026 को जारी परिपत्रक में सभी संभागीय आयुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि लंबित दंडात्मक राशि की वसूली 31 मार्च 2026 तक हर हाल में पूरी की जाए। महाराष्ट्र भूमि राजस्व संहिता 1966 की धारा 48(7) और 48(8) के तहत अवैध उत्खनन और परिवहन में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी और वाहनों को जब्त कर जुर्माना लगाने का प्रावधान है। सरकार के संज्ञान में आया था कि कई मामलों में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जुर्माना तय किए जाने के बावजूद, उच्च स्तर से कोई स्थगन आदेश न होने पर भी वसूली नहीं हो सकी है।

वसई-विरार में अंतरराज्यीय अवैध 'स्पर्म बैंक' का भंडाफोड़

दिल्ली-पटना से जुड़े तार

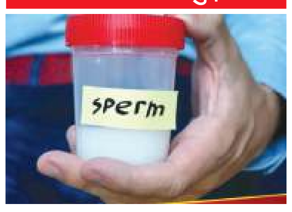

विरार। वसई विरार में फर्जी डॉक्टरों और अवैध लैब के बाद अब वसई-विरार में एक और बड़े काले कारोबार का पर्दाफाश हुआ है। विरार पुलिस और महापालिका के स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मनवेलपाड़ा इलाके में चल रहे एक अवैध सीमेन बैंक पर छापा मारा है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

मशीन पुर्जों की आड़ में 'मानव अंगों' की तस्करी

विरार पूर्व स्थित पद्मीबाई टावर में 'जीवदानी साइंटिफिक' नाम की कंपनी संचालित हो रही थी। कागजों पर यह कंपनी IVF मशीनों के स्पेयर पार्ट्स बनाने का दावा करती थी,लेकिन असलियत में यहां मानव शुक्राणुओं और भ्रूणों का अवैध व्यापार हो रहा था। छापेमारी के दौरान स्टोर रूम से 45 सीमेन सैंपल्स और फीमेल एग्स (अंडे) बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि ये सैंपल्स दिल्ली, पटना और रांची जैसे शहरों से मंगाए जाते थे। पुलिस ने मयूर संखे (49) और कमलेश खाटू (48) को हिरासत में लिया है।

नालासोपारा हत्याकांड
मुख्य आरोपी समेत छह गिरफ्तार

नालासोपारा । नालासोपारा इलाके में पिछले महीने हुई शुभम मिश्रा उर्फ बाबा की हत्या की गुत्थी को विरार क्राइम ब्रांच (यूनिट 3) ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी सहित कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से कई अन्य पुलिस स्टेशनों में हत्या के प्रयास और गंभीर अपराधों में वांछित थे। 20 फरवरी की रात करीब 11:30 बजे, नालासोपारा (पश्चिम) स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास 30 वर्षीय शुभम मिश्रा पर जानलेवा हमला हुआ था। आपसी रंजिश के चलते आरोपी रोशन उर्फ पीयूष सिंह, जगन पताकटियार, सुनील मालुसारे और उनके साथियों ने शुभम को घेर लिया। हमलावरों ने लातों, धारदार चाकू और पत्थरों से शुभम को बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। नालासोपारा पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) के तहत केस दर्ज किया था।

क्राइम ब्रांच की दबिश और गिरफ्तारियां

मामले की गंभीरता को देखते हुए नालासोपारा क्राइम ब्रांच यूनिट 3 की टीम ने समानांतर जांच शुरू की। पुलिस निरीक्षक शाहूराज रनवारे और सहायक निरीक्षक सुहास कांबले के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाकर सबसे पहले मुख्य आरोपियों को धर दबोचा । जगन मायांडी पटकटियार (मुख्य आरोपी), सुनील मालुसारे उर्फ बिगशो (28), शरण मुरुगन (25), अन्य वांछित अपराधी भी चढ़े हत्थे जांच के दौरान क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता तब मिली जब उन्होंने हत्या के इस मामले के साथ-साथ अचोले और वालिव पुलिस स्टेशन की सीमा में सक्रिय अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। पकड़े गए अन्य आरोपियों में अजय अमोद मिश्रा (26), प्रिशित उर्फ दीपक पाल (27) और सनी उर्फ अभिषेक टाक (26) शामिल हैं। ये तीनों हत्या के प्रयास जैसे कई अन्य मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे थे।

लड़के के यौन उत्पीड़न में दोषी व्यक्ति को 10 साल की कैद

ठाणे। ठाणे जिले की एक त्वरित अदालत ने लगभग सात साल पहले 13 वर्षीय लड़के का यौन उत्पीड़न करने वाले व्यक्ति को दोषी करार देते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत द्वारा सात मार्च को दिए आदेश, जिसकी एक प्रति बृहस्पतिवार को उपलब्ध कराई गई, में न्यायाधीश वी ए पत्रावले ने विक्की उर्फ गुडया दत्ता थोराट (34) पर 31,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। विशेष लोक अभियोजक कादंबिनी खंडाग ले के अनुसार, यह घटना आठ सितंबर 2018 को हुई थी, जब थोराट ने उल्हासनगर क्षेत्र के एक सार्वजनिक शौचालय में नाबालिग का यौन उत्पीड़न किया था।

एग्री-कोली समुदाय की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़

वीडियो बनाने वाले दो नाबालिग गिरफ्तार

महानगर संवाददाता
नवी मुंबई

नवी मुंबई में एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है,जहां स्थानीय एग्री-कोली समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में दो नाबालिगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। यह घटना वाशी क्षेत्र के सेक्टर 10 की है, जहां नवी मुंबई नगर निगम द्वारा स्थापित एग्री-कोली समुदाय (किसान और मछुआरे) का प्रतिनिधित्व करने वाली एक प्रतिमा को कथित तौर पर क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

सोशल मीडिया वीडियो से हुआ खुलासा

हैरानी की बात यह है कि इस तोड़फोड़ की जानकारी तब मिली जब आरोपियों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल कर दिया। वीडियो के प्रसारित होते ही स्थानीय समुदाय में भारी रोष फैला। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच दल का गठन किया।

मानखुर्द से हुई गिरफ्तारी

वाशी डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) आदिनाथ बुधवंत ने जानकारी दी कि पुलिस ने तकनीकी जांच और खुफिया जानकारी के आधार पर मुंबई के मानखुर्द इलाके से दो नाबालिगों को पकड़ा। पुलिस ने उस मोबाइल फोन को भी जब्त कर लिया है, जिसका इस्तेमाल इस घृणित कृत्य को रिकॉर्ड करने और इंटरनेट पर अपलोड करने के लिए किया गया था।

एलपीजी गैस की कमी से नवी मुंबई की खानावलियों पर संकट

पीजी छात्रों और कर्मचारियों को भोजन के लिए जूझना पड़ रहा

ठाणे। शहर में एलपीजी गैस की कमी का असर अब खानावलियों (मेस) पर साफ दिखाई देने लगा है। ऐरोली, कोपरखैरने और घणसोली इलाके की कई खानावलियों में गैस की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाने के कारण कुछ जगहों पर मेस अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ी है। इससे पीजी में रहने वाले छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को भोजन की व्यवस्था करने में भारी परेशानी हो रही है। नवी मुंबई के आईटी और औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने के लिए बड़ी संख्या में युवक-युवतियां बाहर से आते हैं। वहीं शिक्षा के लिए भी कई छात्र शहर में रह रहे हैं। इन लोगों की जरूरतों को देखते हुए ऐरोली, कोपरखैरने और घणसोली में बड़ी संख्या में पीजी और खानावलियां संचालित होती हैं। यहां रहने वाले अधिकांश छात्र और कर्मचारी रोजाना भोजन के लिए इन्हीं खानावलियों पर निर्भर रहते हैं।

गैस सिलेंडर महंगाई के खिलाफ कल्याण में कांग्रेस का प्रदर्शन

कल्याण। एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई वृद्धि को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता आक्रामक हो गए हैं। गुरुवार को कल्याण में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कल्याण तहसीलदार कार्यालय के मुख्य प्रवेशद्वार के सामने चूल्हा जलाकर रोटी बनाते हुए बढ़ती गैस कीमतों का विरोध जताया।

बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे तनाव के कारण भारत में घरेलू एलपीजी गैस की कीमतों में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। वहीं कई शहरों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की किल्लत भी देखी जा रही है और उनके दामों में करीब 115 रुपए की वृद्धि हुई है। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोर्चा निकालकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस आंदोलन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजाभाऊ पातकर, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रकाश (मामा) पगारे, प्रदेश सचिव नवीन सिंह, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष जपजीत सिंह, नगरसेविका कांचन कुलकर्णी और राजेश वाघमारे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजाभाऊ पातकर ने गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि एक ओर सरकार देश में एलपीजी गैस का पर्याप्त स्टॉक होने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर कीमतें बढ़ाकर आम जनता के साथ विश्वासघात कर रही है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई से आम लोगों का घरेलू बजट बिगड़ गया है और सरकार को तुरंत गैस की कीमतों में राहत देनी चाहिए।

चूल्हे पर रोटी बनाकर जताया विरोध

नालासोपारा में भी 'सिलेंडर' प्रदर्शन

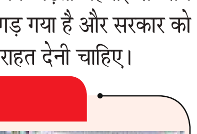

बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडरों के आसमान छूते दामों के खिलाफ नालासोपारा में कांग्रेस पार्टी ने जोरदार बिगुल फूंका। स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का मुख्य केंद्र रहे घरेलू और व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों के बढ़ते दाम, जिन्हें लेकर आम जनता में भारी आक्रोश देखा जा रहा है ।कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि सरकार की नीतियां आम आदमी की जेब पर डाका डाल रही हैं। रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी ने घर का बजट बिगाड़ दिया है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने खाली सिलेंडर दिखाकर अपना विरोध दर्ज कराया ।व्यावसायिक सिलेंडरों के दाम बढ़ने से होटल, ढाबा और रेहड़ी-पटरी वालों का धंधा चौपट होने की कगार पर है।

गृह कर और पानी बील बकाया जूर्माने पर 50% छूट देने की योजना शुरू करने की मांग

भायंदर। मीरा - भायंदर महानगरपालिका में गृह कर और पानी के बकाया बिलों पर लगने वाले दंड (पेनल्टी) में 50 प्रतिशत छूट देने के लिए विशेष योजना शुरू करने की मांग की गई है। शिवसेना उप जिला प्रमुख रामभवन शर्मा ने परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक , मनपा आयुक्त राधा बिनोद शर्मा , महापौर डिंपल मेहता एवं उप महापौर ध्रुव किशोर पाटिल को निवेदन देकर यह मांग की है। उन्होंने यह प्रस्ताव नवी मुंबई महानगरपालिका की तर्ज पर लागू करने की बात कही गई है। बताया गया है कि शहर के कई रहिवासियों की गृह कर और पानी बील की रकम कई वर्षों से बकाया है। इस बकाया राशि पर अधिक ब्याज और दंड लगने के कारण नागरिकों को एकमुश्त भुगतान करना आर्थिक रूप से कठिन हो रहा है।

महिला दिवस पर टोरेंट पावर की महिला कर्मचारियों का 'गिव टू गेन' सेवा अभियान

भिवंडी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर टोरेंट पावर लिमिटेड की महिला कर्मचारियों ने समाज के प्रति अपनी संवेदनशीलता और सेवा भावना का परिचय देते हुए "गिव टू गेन" थीम के तहत एक विशेष सामुदायिक सेवा अभियान चलाया। इस पहल के अंतर्गत महिला टोरेंटियनों ने विभिन्न वृद्धाश्रमों और एक बालिका आश्रम का दौरा कर वहां के निवासियों के साथ समय बिताया और उन्हें आत्मीयता व अपनत्व का अनुभव कराया। कार्यक्रम के तहत महिला कर्मचारियों ने कई सामाजिक संस्थानों का दौरा किया, जिनमें वनप्रस्थी आश्रम (आंगांव), मातोश्री वृद्धाश्रम (खडवली), स्वामी शांति प्रकाश वृद्धाश्रम (उल्हासनगर), उपवन ओल्ड एज होम (ठाणे),

श्री साईधाम वृद्धाश्रम (खिडकाली) और बालिकाश्रम आंगांव शामिल हैं। इस दौरान आश्रमों में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों और बालिकाओं के साथ संवाद, खेल, संगीत और अन्य मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से सभी प्रतिभागियों के बीच एक गर्मजोशी भरा और आनंदमय वातावरण बना, जहां बातचीत और सहभागिता के जरिए भावनात्मक जुड़ाव के कई यादगार पल बने। यह पहल "गिव टू गेन" की भावना को साकार करती है। महिला कर्मचारियों ने अपना समय, साथ और स्नेह देकर जहाँ आश्रम के निवासियों के चेहरों पर मुस्कान लाई, वहीं बदले में उन्हें बुजुर्गों का आशीर्वाद, जीवन के अनुभवों से मिली सीख और समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता भी प्राप्त हुई। साथ ही यह कार्यक्रम महिला कर्मचारियों के व्यक्तित्व विकास और सशक्तिकरण का भी महत्वपूर्ण मंच बना। कार्यक्रम की योजना, समन्वय, संवाद और नेतृत्व जैसे विभिन्न पहलुओं में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी संगठनात्मक और पारस्परिक कौशल को मजबूत करने का अवसर मिला।

यशवंतराव चव्हाण जयंती पर भिवंडी निजामपुर मनपा में अभिवादन कार्यक्रम

महानगर संवाददाता
भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका मुख्यालय में बुधवार को यशवंतराव चव्हाण की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर महानगरपालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार किया गया। महानगरपालिका मुख्यालय के भूतल पर आयोजित समारोह में अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके ने यशवंतराव चव्हाण के चित्र पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें अभिवादन किया। इस अवसर पर उपायुक्त (आस्थापना) सपना वसावा, सहायक आयुक्त (निवडणूक) नितीन पाटील, महापौर के विशेष कार्य अधिकारी अजित महाडीक तथा समाजकल्याण विभाग प्रमुख मिलींद पळसुले सहित महानगरपालिका के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने यशवंतराव चव्हाण के कार्यों और उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पश्चिम रेलवे का गैर-किराया राजस्व दोगुना करने का लक्ष्य

महानगर संवाददाता
मुंबई

प्रधानमंत्री कार्यालय के भारतीय रेल के गैर-किराया राजस्व (NFR) को बढ़ाने के निर्देशों के अनुरूप, पश्चिम रेलवे ने गैर-किराया स्रोतों से अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि करने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक तरुण जैन ने गैर-किराया राजस्व बढ़ाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श के लिए पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधकों के साथ एक उच्चस्तरीय विचार-मंथन बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान तरुण जैन ने कहा कि "हमारा उद्देश्य यात्रियों को मूल्यवर्धित सेवाएं प्रदान करना है। हमारे डिजिटल लाउंज और मिनी मॉल की सफलता यह स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि यात्री अब आधुनिक, प्रौद्योगिकी आधारित तथा गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। गैर-किराया राजस्व को दोगुना कर हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पश्चिम रेलवे अपने वाणिज्यिक परिसंपत्तियों की राजस्व क्षमता को नए दृष्टिकोण से देखे।"

चालू वित्तीय वर्ष में फरवरी 2026 तक पश्चिम रेलवे ने गैर-किराया राजस्व के रूप में 117 करोड़ अर्जित किए हैं, जिससे पश्चिम रेलवे बेहतर प्रदर्शन करने वाले जोनों में शामिल हो गया है। भारतीय रेल के गैर-किराया राजस्व को 750 करोड़ से बढ़ाकर 1,500 करोड़ करने के राष्ट्रीय निर्देश के अनुरूप, पश्चिम रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 239 .24 करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया है। तरुण जैन ने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुंबई सेंट्रल स्थित डिजिटल लाउंज, रतलाम स्टेशन पर मिनी मॉल तथा अहमदाबाद में एसी सह डिजिटल लाउंज जैसे सफल नवाचार पहलों को दोहराने की आवश्यकता होगी, जिन्हें सराहना मिल चुकी है। ये पहल यात्रियों की सुविधा और आराम को अधिकतम करने के उद्देश्य से की गई हैं।

ट्रैफिक जाम से जल्द मिलेगी मुक्ति!

उल्हासनगर। शहर के कैंप नंबर 4 के ओ.टी. सेक्शन से विनस चौक तक मुख्य बाजारपेठ में होने वाले भारी ट्रैफिक जाम को देखते हुए, सार्वजनिक निर्माण विभाग ने इस सड़क को विकास योजना के अनुसार चौड़ा करने का निर्णय लिया है। इस कदम से स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को बड़ी राहत मिलने की संभावना है,उल्हासनगर नगर निगम के नए विकास योजना के अनुसार, यह सड़क 18 मीटर (लगभग 60 फीट) चौड़ी प्रस्तावित है,हालांकि, पिछले कई वर्षों में हुए बड़े पैमाने पर अतिक्रमण के कारण, यह सड़क वर्तमान में सिमटकर केवल 30 फीट रह गई है। संकरी सड़क के कारण यहाँ दिनभर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं,जिससे कैंप नंबर 4 और 5 के लोगों को काफी परेशानी होती है, ट्रैफिक जाम के कारण क्षेत्र में वायु और ध्वनि प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है, कई दुकानदारों ने लोहे की जालियां लगाकर फुटपाथों पर कब्जा कर लिया है, जिससे पैदल चलने वालों के लिए जगह नहीं बची है,चंद्रशेखर यादव (स्थानीय शिवसेना नगसेवक) का कहना है कि बाजार की स्थिति देखते हुए सड़क का 60 फीट चौड़ा होना अनिवार्य है, हालांकि, हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि इस प्रक्रिया में दुकानदारों का नुकसान न हो।

पहली मंजिल के झुग्गीवासी को बनाया जाए पात्र

एसआरए नियमों में बदलाव की मांग तेज

मुंबई। झोपड़पट्टी पुनर्वास योजना (एसआरए) के तहत झुग्गियों की पहली मंजिल पर रहने वाले लोगों को घर देने का प्रावधान मौजूदा नियमों में नहीं है,हालांकि अब इस नियम में बदलाव की मांग तेज हो गई है। राज्य सरकार ने संकेत दिया है कि इस विषय पर मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान शिवसेना यूबीटी विधायक सुनील प्रभु ने सरकार से पूछा कि मुंबई महानगर में अनेक लोग 1+1 अर्थात झोपड़ी के ऊपर बने घरों में रहते हैं,उनके पार राशनकार्ड, मतदाता पहचान पत्र,बिजली बिल सहित सभी सबूत हैं, लेकिन उन्हें झोपड़पट्टी पुनर्वास योजना में पात्र नहीं ठहराया जाता? इस सवाल के जवाब में मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि वर्तमान नियमों के अनुसार केवल जमीन से सटे ढांचे को ही क्रमांक देकर एनेक्सचर-2 में शामिल किया जा सकता है,इसलिए पहली मंजिल या ऊपरी हिस्सों में रहने वाले लोगों को पुनर्वास के तहत घर देना फिलहाल संभव नहीं है। चर्चा में भाग लेते हुए शिवसेना यूबीटी विधायक वरुण सरदेसाई तथा कांग्रेस के विधायक असलम शेख सहित कई सदस्यों ने सरकार से मांग की कि वास्तविक स्थिति को देखते हुए नियमों में बदलाव किया जाए ताकि ऊपरी मंजिल पर रहने वाले परिवारों को भी पुनर्वास का लाभ मिल सके। चर्चा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने भी महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर मुंबई को वास्तव में झोपड़पट्टी मुक्त बनाना है तो केवल निचली मंजिल के निवासियों को घर देना पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने कहा कि निचली मंजिल तोड़े जाने के बाद ऊपरी मंजिल पर रहने वाले लोगों को घर नहीं मिला तो वे कहीं और झुग्गियां बनाकर रहने लगेंगे, जिससे समस्या और बढ़ेगी। नार्वेकर ने सुझाव दिया कि जिन लोगों के पास वर्ष 2011 से पहले वहां रहने के प्रमाण हैं, उन्हें पुनर्वास के तहत घर देने के विकल्प पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

राज्य में 44,710 करोड़ का निवेश

आठ कंपनियों से समझौता, सात हजार से अधिक रोजगार

महानगर संवाददाता
मुंबई

महाराष्ट्र में विकास को नई गति देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने आठ प्रमुख कंपनियों के साथ सामंजस्य करार (MoU) किए हैं। इन समझौतों के तहत राज्य में करीब 44,710 करोड़ रुपए का निवेश होगा और 7,030 से अधिक रोजगार के अवसर की संभावना है। ये करार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उद्योग मंत्री उदय सामंत की मौजूदगी में विधानभवन में संपन्न हुए। कार्यक्रम में उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2025 और 2026 में दुनिया की कई बड़ी कंपनियों के साथ निवेश को लेकर चर्चा हुई थी। अब उन समझौतों को जमीन पर उतारने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार ने निवेशकों के लिए आवश्यक व्यवस्था विकसित की है। महाराष्ट्र में सरकार और उद्योग जगत मिलकर विकास कर सकते हैं, इसका अनुभव पहले भी सफल रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि किसी भी स्तर पर प्रशासनिक अड़चन आती है तो सरकार निवेशकों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। यह करार एरोस्पेस, डेटा सेंटर, स्टील,ग्रीन इनिशिएटिव, हाइड्रोजन और प्राकृतिक गैस स्टोरेज सिस्टम, तथा फाइबर उत्पादन जैसे उभरते और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किए गए हैं।

किन क्षेत्रों में होगा निवेश

- एरोस्पेस
- डेटा सेंटर
- स्टील उद्योग
- ग्रीन इनिशिएटिव

हाइड्रोजन और प्राकृतिक गैस स्टोरेज सिस्टम

फाइबर उत्पादन: इन परियोजनाओं से राज्य के कई क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिनमें प्रमुख रूप से नादेंड, नासिक, पुणे, नागपुर, छत्रपति संभाजीनगर नगर,अहिल्या नगर और अमरावती जिले का नाम शामिल हैं।

किन कंपनियों से हुआ समझौता और कितना निवेश

- रेटाविया प्रा. लि. (नांदेड) – हेलिप्लांट प्रोजेक्ट – 4,250 करोड़ रुपए
- एसीई गॅसेस टेक्नॉलॉजीज प्रा. लि. (दिंडोरी, नाशिक)–लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्रोजेक्ट – 750 करोड़ रुपए
- टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड – एरोस्पेस और रक्षा से जुड़ा मटेरियल प्रोजेक्ट – 4,800 करोड़
- जेके इन्फोटेक (हिंजवडी, पुणे) – डेटा सेंटर ग्रीन इनिशिएटिव – 1,000 करोड़ रुपए
- एस.एम. स्टील्स एंड पावर लिमिटेड (सलोरी, चंद्रपूर) – इंटीग्रेटेड स्टील व स्पेशल स्टील कॉम्प्लेक्स – 20,000 करोड़ रुपए
- कोनार्क सॉफ्टकोर सोल्यूशन्स प्रा. लि. (हिंजवडी, पुणे) – डेटा सेंटर – 1,600 करोड़
- एडवांटेक फ्यूल सिस्टम प्रा. लि. (सुपा-पारनेर MIDC, अहिल्यानगर) – हाइड्रोजन और प्राकृतिक गैस स्टोरेज सिस्टम – 400 करोड़
- इन्फिनिटीटेड फाइबर कंपनी (PM MITRA पार्क, अमरावती)– सर्कुलर फाइबर सेंटर –11,910 करोड़ रुपए

कुल मिलाकर इन आठ समझौतों के माध्यम से महाराष्ट्र में 44,710 करोड़ रुपए का निवेश आएगा और हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

क्लास छह की बच्ची से चेक कराए जा रहे 10वीं के पेपर

मुंबई। महाराष्ट्र बोर्ड परीक्षा फरवरी - मार्च 2026 में आयोजित की जा रही हैं। एसएससी (कक्षा 10वीं) और एचएससी (कक्षा 12वीं) की बोर्ड परीक्षाएं 18 मार्च को समाप्त होंगी, जिसमें करीब 30 लाख स्टूडेंट्स बैठ रहे हैं। बोर्ड परीक्षा के बीच सतारा जिले से स्टूडेंट्स और उनके पेरेंट्स को परेशान करने वाला मामला सामने आया है। यहां छठी क्लास की बच्ची से 10वीं बोर्ड परीक्षा के पेपर चेक कराए जा रहे हैं। इससे राज्य बोर्ड परीक्षा की मूल्यांकन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सतारा जिले की फलटन तहसील की घटना

महाराष्ट्र 10वीं बोर्ड परीक्षा का एक पेपर क्लास छह की छात्राओं से चेक कराने का मामला सामने आया है। यह घटना सतारा जिले की फलटन तहसील की बताई जा रही है। जहां विदानी स्थित उत्तरेश्वर हाईस्कूल के एक टीचर पर क्लास छठीं की छात्राओं से 10वीं का पेपर चेक करने का आरोप लगा है। कोल्हापूर विभागीय एसएससी बोर्ड के अध्यक्ष राजेश क्षीरसागर ने इस घटना की पुष्टि की है।

बोर्ड अधिकारी ने दी अहम जानकारी

एसएससी बोर्ड कोल्हापूर अध्यक्ष राजेश क्षीरसागर ने बताया कि हाईस्कूल के एक टीचर पर आरोप लगा थे कि टीचर ने छोटी क्लास की छात्राओं से 10 वीं मराठी के पेपर चेक कराए हैं। शुरुआती जांच के बाद आरोप सही साबित हुआ। घटना का सीसीटीवी वीडियो बोर्ड के पास पहुंच गया है। टीचर का नाम वैभव शेंडे बताया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज में टीचर वैभव छात्राओं के साथ बैठे और आंसर शीट्स की जांच करते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटना के बाद टीचर के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की जा रही है। विभागीय बोर्ड ने मामले का संज्ञान लिया है, जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी। हालांकि स्कूल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ऑफिशियल बयान जारी नहीं किया गया है।

'सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बाहर से दवाइयां लिखने पर होगी कड़ी कार्रवाई'

मुंबई। सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में दवाइयों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। यदि किसी मरीज को बाहर से दवाइयां लिखकर दी जाती हैं, तो संबंधित अधिकारियों और डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने विधान परिषद में प्रश्नोत्तर के दौरान दी। गुरुवार को राकांपा सदस्य अमोल मिटकरी ने सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए बाहर से दवाइयों लेकर प्रश्न उठाया था। इसके जवाब में मंत्री हसन मुश्रीफ ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए आते हैं। इन मरीजों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए अस्पतालों में पर्याप्त दवाइयों का भंडार रखा जा रहा है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दवा खरीदने की एक निर्धारित प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि दवा खरीद के लिए मिलने वाले कुल निधि में से लगभग 70 प्रतिशत दवाइयाँ मेडिकल सर्विसेज प्रोक्योरमेंट अथॉरिटी के माध्यम से खरीदी जाती हैं, जबकि शेष 30 प्रतिशत राशि संबंधित संस्थाओं द्वारा खर्च की जाती है। इसके अलावा जिला नियोजन समिति से प्राप्त निधि से भी आवश्यक दवाइयों की खरीद की जाती है। मंत्री मुश्रीफ ने आगे कहा कि सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से संबंधित उठाए गए मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से जांच कराकर रिपोर्ट मंगवाई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस अस्पताल में बड़ी संख्या में एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी जांचें की जा रही हैं। साथ ही, सरकारी अस्पतालों में पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) के आधार पर नई चिकित्सा सुविधाएं और मशीनें स्थापित करने का निर्णय भी सरकार ने लिया है।

खाद्य पदार्थ विक्रेताओं पर बड़ी कार्रवाई

12,693 जांच और 75 लाख से अधिक जुर्माना, 167 लाइसेंस निलंबित, एक पंजीकरण रद्द

महानगर संवाददाता
मुंबई

राज्य में खाद्य पदार्थ विक्रेताओं के खिलाफ खाद्य एवं औषध प्रशासन विभाग ने व्यापक स्तर पर कार्रवाई की है। इस दौरान कुल 12,693 जांच की गईं। इनमें 5,776 मामलों में सुधार के निर्देश दिए गए, जबकि 167 लाइसेंस निलंबित किए गए और एक पंजीकरण रद्द कर दिया गया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरी झिरवाल ने गुरुवार को विधानसभा में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 840 मामलों का समझौते के आधार पर निपटारा किया गया और संबंधित लोगों पर कुल 75 लाख 34 हजार 400 रुपए का जुर्माना लगाया गया।

यह मुद्दा विधायक सुनील कांबले ने उठाया था। इस पर हुई चर्चा में सिद्धार्थ शिरोले, योगेश सागर, मनीषा चौधरी और सुरेश धस ने भी भाग लिया। मंत्री झिरवाल ने कहा कि पनीर, दूध और मावा जैसे खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर चिंता व्यक्त की गई है। इसे रोकने के लिए ठोस उपाय किए जा रहे हैं और वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति में बैठक कर आगे के निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पहले फूड सेफ्टी ऑफिसर (एफएसओ) की संख्या कम होने के कारण जांच सीमित रहती थी, लेकिन अब 197 अधिकारियों की भर्ती के बाद जांच व्यवस्था मजबूत हुई है और अगले तीन महीनों में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

मंत्री ने यह भी बताया कि खाद्य जांच प्रयोगशालाओं की सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं और पुणे व नाशिक में नई प्रयोगशालाएं शुरू करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। शहरों में खासकर चाइनीज फूड बेचने वाली गाड़ियों की भी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि खाद्य मिलावट रोकने के लिए कड़े कानून का मसौदा तैयार किया गया है, जो फिलहाल विधि एवं न्याय विभाग के विचाराधीन है।

मुंबई में गर्मी बढ़ने की चेतावनी

मुंबई। मौसम विभाग ने मुंबई में अगले दो दिन और गर्मी रहने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने 13 और 14 मार्च के लिए मुंबई के कुछ हिस्सों में हीटवेव की नई चेतावनी जारी की है। इसके अनुसार अगले दो दिनों में शहर में तेज गर्मी का एक और दौर देखने को मिल सकता है। पिछले 12 दिनों में शहर में 5, 9 और 10 मार्च को तीन दिन तक हीटवेव जैसी स्थिति दर्ज की जा चुकी है। ताजा चेतावनी से संकेत मिल रहा है कि मुंबई महानगर क्षेत्र में तापमान फिर से बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने शुक्रवार और शनिवार को मुंबई शहर में भारी गर्मी की चेतावनी दी है,जिसके अनुसार तापमान 40 के पार जा सकता है। हालांकि गुरुवार को शहर के अधिकांश हिस्सों में मौसम अपेक्षाकृत सामान्य रहा और शुष्क मौसम के कारण लोगों को पिछले कुछ दिनों की तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिली। 10 मार्च को शहर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.-JHS/Commercial/e-Auction/25/171 दिनांक-11.03.2026

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)- झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई -नीलामी आमंत्रित की जाती है :-

श्रेणी : प्रचार	केटलोग संख्या : JHS-NFR-MIX-47

एसेट्स डिटेल्स

E-auction के माध्यम से मिस्लेनियस स्टेटिक पालिसी के तहत निम्न रेलवे स्टेशनों पर ठेको का आवंटन :-

1. Commercial Advertisement Rights through installation and operation of **STANDALONE DIGITAL DISPLAY** at PF area waiting area, entry/exit gate, Fob & in circulating area of **VGLJ, BNDA,LAR,MRA, ORAI, MBA,** railway stations & **BIX,TKMG, ATE, MRPR, MCSC&DBA** railway stations.
2. (i) E-auction for advertisement right through RDN non digital media at plateform at WALL PAITING inside **MRPR, MRA, ORAI, MBA, MCSC, ATE, BNDA, BIX, DBA & LAR** railway station (ii) E-auction for advertisement right through RDN non digital media at plateform at WATER TANK inside **VGLJ, DBA, MBA, BNDA, ATE, CKTD, ORAI, KURJ, MRPR, TKMG, MCSC & BIX** railway station.
3. E-auction for Advertisement right through RDN Non digital media at **YATRI SHED OF VIRANGANA LAKSHMIBAI JHANSI** railway station,
4. PROVISION FOR INSTALLATION OF DRINKS VENDING MACHINES AT **LALITPUR-TIKAMGARH** RAILWAY STATION,
5. E-Auction For to install and operate STATIC GENERAL outlet at **CKTD, MCSC, ORAI, TKMG, BIX** railway station,
6. Contract for installation, maintenance, operation and management of PREMIUM STALL (phase-2) at **chitra chauraha to railway station road Jhansi.**

ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समय : दिनांकः-23.03.2026 को समयः - 11:00 से
ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समय : दिनांकः-23.03.2026 को समयः - 12:30 तक

नोटः- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के e-auction module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है।

548/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

नियम तोड़ने वाले आरएमसी सीमेंट प्लांटों पर होगी कार्रवाई

मानखुर्द का एसएमएस प्रोजेक्ट 21 महीने में अंबरनाथ शिफ्ट होगा

मुंबई। मानखुर्द और शिवाजी नगर क्षेत्र के नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मानखुर्द स्थित एसएमएस एन्वोक्लीन कंपनी का कचरा भस्मीकरण (इंसीनरेशन) प्रोजेक्ट अगले 21 महीनों के भीतर अंबरनाथ औद्योगिक क्षेत्र में स्थानांतरित किया जाएगा। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले आरएमसी (रेडी मिक्स क्रांक्रीट) सीमेंट प्लांटों पर दंडात्मक कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफ मामले दर्ज किए जाएंगे। यह जानकारी पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने गुरुवार को विधानसभा में दी। मानखुर्द-शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र में एसएमएस एन्वोक्लीन कंपनी के कचरा जलाने और आरएमसी सीमेंट प्लांट के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे असर को लेकर विधायक अबू आजमी ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव रखा था। मंत्री पंकजा मुंडे ने बताया कि इस मुद्दे पर संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई थी,जिसमें अबू आजमी भी मौजूद थे। गोवंडी इलाके के डंपिंग ग्राउंड को लेकर कुछ संस्थाओं ने अदालत और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) में याचिका भी दायर की है। इसके बाद प्रोजेक्ट को मौजूदा स्थान से हटाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय नागरिकों को दुर्गंध और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था,इसलिए उनकी शिकायतों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। मंत्री मुंडे ने बताया कि इस क्षेत्र में मौजूद 8 आरएमसी प्लांट में से 4 को नियमों का पालन न करने के कारण बंद करने के आदेश दिए गए हैं,जबकि फिलहाल केवल 4 प्लांट ही चालू हैं। यदि आगे भी नियमों का उल्लंघन किया गया तो संबंधित प्लांट पर जुर्माना लगाने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि भस्मीकरण प्रोजेक्ट के लिए पहले पातालगंगा और खालापुर क्षेत्रों पर विचार किया गया था, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के कारण यह संभव नहीं हो पाया।

ऊंची इमारतों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी

मुंबई। मुंबई में तेजी से बढ़ रही ऊंची इमारतों और गगनचुंबी इमारतों को देखते हुए अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। गुरुवार को विधान परिषद में यह जानकारी उद्योग मंत्री उदय सामंत ने दी। नियम 92 के तहत हुई आधे घंटे की चर्चा के दौरान भाजपा सदस्य प्रवीण दरेकर ने इस विषय पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। इसी पर जवाब देते हुए मंत्री उदय सामंत ने कहा कि मुंबई और आस -पास में ऊंची इमारतों की संख्या लगातार बढ़ रही है,इसलिए उनमें आधुनिक और अत्याधुनिक अग्नि सुरक्षा प्रणालियों को अनिवार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि किसी भी ऊंची इमारत को अंतिम अनुमति देने से पहले उसमें कई तरह की सुरक्षा व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाती हैं। इनमें फायर स्टेयरकेस (आग से बचाव के लिए विशेष सीढ़ियां), फायर लिफ्ट, स्वचालित स्प्रिंकलर प्रणाली, अग्नि अलार्म प्रणाली और आपातकालीन फायर एस्केप जैसी सुविधाएं शामिल होती हैं। इन सभी व्यवस्थाओं के पूर्ण होने और उनकी जांच के बाद ही महानगरपालिका तथा अग्निशमन विभाग द्वारा संबंधित इमारत को अंतिम स्वीकृति प्रदान की जाती है। मंत्री सामंत ने आगे बताया कि वर्तमान में मुंबई अग्निशमन दल के पास लगभग 94 फुट ऊंचाई तक पहुंचने वाली अग्निशमन सीढ़ियां उपलब्ध हैं। लेकिन मुंबई जैसे अंतरराष्ट्रीय शहर के लिए इससे अधिक ऊंचाई तक पहुंचने वाली और अत्याधुनिक तकनीक से लैस सीढ़ियों की आवश्यकता है।

MAHATRANSCO
Maharashtra State Electricity Transmission Co. Ltd.

SRM E-TENDER NOTICE

EE /400kV/R.S/O&M/DIV/Lonikand II/94 **Date: 11.03.2026**

MSETCL invites online bids (SRM E-Tender) from registered contractors / agencies on Mahatransco E-Tendering website **https://srmetender.mahatransco.in**. All eligible interested contractors are mandated to get enrolled on E-Tendering portal for following works,

Tender No.	SRM RFX No.	Work description	Amount	Bid Submission Period
EE/400kV/RS/Div/Lonikand-II/SRM/E-Tender-16/2025-26	**7000039263**	AMC of AC including providing, fixing & repairing of 2T AC at 400kV Lonikand-II S/stn under 400kV R.S. Division, Lonikand-II-3rd call	Rs. 5,14,996/- (Including GST)	12.03.2026 at 00:00 Hrs to 22.03.2026 at 23:59 Hrs

Note: Contact Person: The Executive Engineer mob no 8208454909

1. Relevant portions of the E-Tender which the tenderers have to fill online would be available on aforesaid web site.

Sd/-
Executive Engineer,
400KV R.S. Division Lonikand II

वसई में 30 प्रतिशत होटल बंद!

वसई। वसई-विरार इलाके में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत ने कोहराम मचा दिया है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि गैस की सप्लाई ठप्प होने के कारण अब तक 30 प्रतिशत होटलों पर ताले लटक गए हैं। होटल मालिकों का कहना है कि अगर सप्लाई जल्द बहाल नहीं हुई, तो बाकी बचे होटल भी चंद दिनों में बंद हों जाएंगे।

युद्ध की मार, वसई बेहाल

वसई-विरार में करीब 350 से ज्यादा बार और रेस्टोरेंट हैं, जहाँ रोजाना भारी मात्रा में एलपीजी (LPG) की खपत होती है। इस संकट की जड़ें सात समंदर पार ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच चल रहे तनाव से जुड़ी बताई जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय युद्ध के कारण गैस की चेन प्रभावित हुई है, जिसका सीधा असर अब वसई के तंदूर और किचन पर दिख रहा है।

असोसिएशन की चेतावनी: '60% होटल बंद होने की कगार पर'

गुरुवार को 'वसई तालुका बार एंड रेस्टोरेंट असोसिएशन' ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी आपबीती सुनाई। असोसिएशन के अध्यक्ष मोहन शेट्टी ने सीधे शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा गैस की किल्लत की वजह से हमारे हाथ-पांव फूल गए हैं। फिलहाल 30 फीसदी होटल बंद हो चुके हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

क्र. उप मु. अभि. (ओ एंड एम)/ईटी 55/एसडब्ल्यूडी दिनांकः 12.03.2026

बृहन्मुंबई महानगरपालिका	
विभाग	मुख्य अभियंता (एसडब्ल्यूडी)
उप विभाग	उप मुख्य अभियंता (ओ एंड एम) एसडब्ल्यूडी
विषय	1. वर्ष 2026 में उप मुख्य अभियंता (ओ एंड एम) एसडब्ल्यूडी के अंतर्गत 'ए' विभाग में जी.डी. सोमानी आउटफॉल की सफाई का कार्य. निविदा आईडीः 2026-एमसीजीएम-1286262 2. वर्ष 2026 के मानसून काल में उप मुख्य अभियंता (ओ एंड एम) एसडब्ल्यूडी के अंतर्गत ए विभाग में एसडब्ल्यूडी के 10 आउटफॉल की सफाई तथा प्रवाह बनाए रखने का कार्य. निविदा आईडीः 2026-एमसीजीएम-1286256
ई-निविदा बिक्री	दिनांकः 13.03.2026 समयः 12.00 बजे से
ई-निविदा देय	दिनांकः 23.03.2026 समयः 16.00 बजे
वेबसाइट	http://mahatender.gov.in
संबंधित अधिकारी	
नाम	श्रीमती वनीता कोकाटे कार्यकारी अभियंता (ओ एंड एम) यांत्रिक एसडब्ल्यूडी
कार्यालय दूरभाष क्रमांक	022-24309817 022-24309472
मोबाइल क्रमांक	9833539029
ई-मेल पता	eeomcity01.swd@mcgm.gov.in

हस्ता./-
पीआरओ/ 3272 /विज्ञा./2025-26 कार्य. अभि. (ओ एंड एम) यांत्रिक एसडब्ल्यूडी

अगर महसूस हो बुखार और कंपकंपी, तो जांच करायें अपने खून की

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग काम

ई-निविदा सूचना संख्या 27 वर्ष 2025-26 दिनांक : 11.03.2026

सं	ई-निविदा संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	EMD राशि
1	DRM-ADI-208-2025-26	वीरमगाम – सामख्याली सेक्शन: वरिष्ठ मंडल अभियंता (पश्चिम) अहमदाबाद के अधिकार क्षेत्र में लघु पुलों (09 संख्या) 82 DN, 170 UP एवं DN, 175 UP, 185 UP, 93 UP, 103 UP, 145 UP, 164 UP का पुनर्निर्माण।	20,43,98,858.17	11,72,000.00
2	DRM-ADI-209-2025-26	डिविजनल इंजीनियर (उत्तर) – अहमदाबाद के अधिकार क्षेत्र में 60 किग्रा/60 किग्रा E-1 R-260 ग्रेड रेल एवं 52 किग्रा 90 UTS रेलों की साइट पर सिंगल शॉट क्रूसिबल फिटिंग के साथ वेल्डिंग की आपूर्ति एवं निष्पादन तथा सभी सहायक उपकरणों सहित वेल्डिंग उपकरणों की आपूर्ति।	3,48,48,870.46	3,24,300.00
3	DRM-ADI-210-2025-26	ADEN–पालनपुर के अधिकार क्षेत्र में पालनपुर में टाइप-II के 18 आवासीय क्वार्टर एवं टाइप-IV का 01 स्टाफ क्वार्टर का निर्माण। (संयुक्त निविदा)	6,18,99,580.30	4,59,500.00
4	DRM-ADI-211-2025-26	डिविजनल इंजीनियर (उत्तर) – अहमदाबाद के अधिकार क्षेत्र में SSE (वर्क्स) – पालनपुर तथा SSE (P.Way) – पालनपुर के कार्यालयों का निर्माण। (संयुक्त निविदा)	4,54,34,742.42	3,77,200.00
5	DRM-ADI-212-2025-26	Sr. DEN (NW) – अहमदाबाद के अधिकार क्षेत्र में सामख्याली – गांधीधाम सेक्शन के बीच लेवल क्रॉसिंग संख्या 202 एवं 206 को रोड अंडर ब्रिज प्रदान कर समाप्त करना।	34,13,45,674.95	18,56,700.00
6	DRM-ADI-213-2025-26	Sr. DEN (NW) – अहमदाबाद के अधिकार क्षेत्र में पालनपुर – सामख्याली सेक्शन के बीच लेवल क्रॉसिंग संख्या 144 (167/7-8), 146 (169/6-7) एवं 150 (176/0-1) को रोड अंडर ब्रिज प्रदान कर समाप्त करना।	32,50,67,367.98	17,75,300.00

ई-निविदा बंद होने की तिथि: दिनांक 07/04/2026 समय 15:00 बजे **कार्यालय का पता:** वरि. मंडल इंजीनियर (सम.)-अहमदाबाद, डी. आर.एम. ऑफिस, चामुंडा ब्रिज के पास, नई स्वदेशी मिल के सामने, नरोडा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद- 382345 **ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेबसाइट:** www.ireps.gov.in

ADI 307

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

खतरा होने पर तेंदुए को मारने वालों को कानूनी कार्रवाई से छूट देने के प्रस्ताव को मंजूरी: मंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाइक ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने तेंदुओं को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची दो में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिससे मानव बस्तियों में प्रवेश करने वाले इस जानवर को मारने वाले लोगों को कानूनी कार्रवाई से बचाया जा सकेगा। विधायक सत्यजीत देशमुख द्वारा लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए नाइक ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार इस कदम के लिए केंद्र से मंजूरी मांगेगी। मंत्री ने कहा कि तेंदुओं द्वारा मानव बस्तियों में प्रवेश करने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि एक बार जब तेंदुओं को वन्यजीव संरक्षण ढांचे की अनुसूची एक से अनुसूची दो में स्थानांतरित कर दिया जाएगा तो यदि मानव बस्तियों में प्रवेश करने वाले और खतरा पैदा करने वाले किसी तेंदुए को कोई व्यक्ति मारता है तो उसे कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा।

जदयू में निशांत की सियासी एंट्री के होंगे दूरगामी असर

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अविवाहित इंजीनियर पुत्र निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी लॉन्चिंग से बिहार की राजनीति में दूरगामी असर पड़ना लाजिमी है। चूंकि वह अपने प्रगतिशील और यशस्वी पिता की प्रगतिशील समाजवादी सियासत को संभालेंगे, इसलिए कुछ बातें स्पष्ट हैं। वह यह कि अब तीन बड़े स्तरों पर इस पूरे घटनाक्रम का असर पड़ेगा– सत्ता संतुलन, जेडीयू की आंतरिक राजनीति और राज्य की व्यापक सियासी प्रतिस्पर्धा। इसके अलावा कुछ मौलिक सवाल भी उभरेंगे, जिनकी चर्चा पहले लाजिमी है। स्वाभाविक सवाल है कि क्या जदयू में निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी एंट्री के राजनीतिक असर दूरगामी होंगे? हालांकि इसका जवाब गुजशते वक्त की कोख में पल रहा है, जो समय के साथ स्पष्ट होता जाएगा। पहला यह कि उनके पिता नीतीश कुमार अब शारीरिक रूप से अस्वस्थ होकर 'विलासितापूर्ण' सदन राज्यसभा की ओर रुखसत हो चुके हैं, जबकि बिहार के पुनर्निर्माण के उनके सपने अभी भली भांति पूर्वक जवान भी नहीं हो पाए हैं। इसलिए उन्हें उचित नीतिगत पोषण प्रदान करते हुए जवान करने की जिम्मेदारी अब टीम निशांत कुमार की होगी। कहना न होगा कि पहले 20 साल तक यानी 1985 से 2025 तक नीतीश कुमार ने व्यक्तिगत संघर्ष की राजनीति की और बाद के 20 वर्षों तक यानी 2005 से 2025 उन्होंने सत्ता संघर्ष की राजनीति की। इसी कशमकश में बिहार के पुनर्निर्माण के उनके सपने वैचारिक कुपोषण, प्रशासनिक धूर्तता के शिकार हो गए और पूरी तरह से जवान नहीं हो पाए। दूसरा यह कि जनता दल यूनाइटेड की सहयोगी पार्टी भाजपा भले ही राष्ट्रीय समाजवादी राजनीति की तरह ही सूबाई समाजवादी राजनीति के प्रतिबिंब जदयू को पीछे धकेलते हुए आगे बढ़ चुकी है, लेकिन पुनः सियासी धोबिया पाट पर राजनीतिक चोट देते हुए जदयू को देश-प्रदेश में पुनः बड़े भाई का दर्जा दिलवाने के सारे दारोमदार अब निशांत कुमार के कंधे पर होंगे। संदेश स्पष्ट है कि बड़े सपने देखेंगे तो उड़ीसा के नवीन पटनायक की तरह सफलतापूर्वक भविष्य में राज करेंगे, अन्यथा चिराग पासवान की तरह बीजेपी के आगे सियासी दुम हिलाते नजर आएंगे। यदि ऐसा हुआ तो यही समझा जाएगा कि बिहार के चाणक्य नीतीश कुमार ने अपनी पुत्र को समुचित राजनीतिक शिक्षा दिए ही उनकी लॉन्चिंग करवा दी। कुछ ऐसे ही सवाल लोगों के जेहन में उठ भी रहे हैं। तीसरा यह कि जेडीयू और उसके सत्ता समीकरण पर इसका सीधा असर पड़ेगा। क्योंकि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और संभावित नेतृत्व परिवर्तन के साथ निशांत को डिप्टी सीएम/मुख्य चेहरा बनाने की तैयारी है, जिससे जेडीयू में नेतृत्व का खालीपन भरने की कोशिश होगी। यह कदम बीजेपी–जेडीयू गठबंधन में निरंतरता का संदेश देगा कि नीतीश भले पटना से दिल्ली शिफ्ट हों, पर "उनका आदमी/परिवार" सत्ता में रहेगा, जिससे अचानक अस्थिरता की संभावना घटेगी लेकिन इसके दूरगामी असर नकारात्मक भी हो सकते हैं। चौथा यह कि जेडीयू की आंतरिक राजनीति भी इस घटनाक्रम से प्रभावित होगी। ऐसा इसलिए कि जेडीयू के कई एमएलए–एमपी ने खुले तौर पर मांग की कि निशांत ही पार्टी को "एकजुट रख सकते हैं", जो यह दिखाता है कि नेतृत्व संकट से बचने के लिए संगठन परिवारवाद को स्वीकार कर चुका है। इससे पुराने कद्दावर नेताओं के बीच पद–प्रतिष्ठा को लेकर खींचतान बढ़ सकती है क्योंकि अचानक एक नए, राजनीतिक रूप से अनुभवहीन चेहरे को शीर्ष पर लाना वरिष्ठों की महत्वाकांक्षाओं से टकराएगा। पांचवां यह कि इस बड़े बदलाव से जदयू के वंशवाद बनाम सुशासन की छवि टकराएगी क्योंकि नीतीश लंबे समय से वंशवाद के खिलाफ बोलते रहे हैं; और अब बेटे की लॉन्चिंग से उनकी राजनीतिक व वैचारिक साख और "सुशासन बाबू बनाम पारिवारिक राजनीति" वाली नैरेटिव पर विपक्ष को मजबूत हमला करने का मौका मिलेगा। वहीं, आरजेडी–कांग्रेस सहित विपक्ष इसे "डबल स्टैंडर्ड" कहकर भुनाएगा, जिससे सामाजिक न्याय बनाम परिवारवाद की पुरानी बहस फिर तेज होगी और यादव–गैर लवकुश ओबीसी–अल्पसंख्यक वोटों की समीकरण राजनीति और ज्यादा आक्रामक हो सकती है, जिसकी धार नीतीश कुमार और भाजपा मिलकर कुंद कर चुकी हैं। छठा यह कि जदयू के इस घटनाक्रम का सूबाई युवा और सामाजिक आधार पर भी संभावित प्रभाव पड़ेगा। अब जदयू पार्टी के भीतर से यह तर्क दिया जा रहा है कि निशांत के आने से युवा वोटर और पढ़ा–लिखा मध्यवर्ग जुड़ सकता है, लेकिन यह तभी होगा जब वे जल्दी ज़मीनी राजनीति सीखकर स्वतंत्र छवि बना पाएं। अभी के लिए उनका पूरा राजनीतिक वैधता पूंजी "नीतीश के बेटे" होने से आती है; अगर प्रशासनिक या संगठनात्मक क्षमता जल्दी साबित न हुई तो वे सिर्फ प्रतीकात्मक वारिस बनकर रह सकते हैं जिससे जेडीयू की गिरती सामाजिक पकड़ नहीं रुक पाएगी। सातवां यह कि निशांत कुमार की लॉन्चिंग का बिहार की व्यापक सियासत में लंबी अवधि का असर पड़ेगा। निकट भविष्य में यह कदम बीजेपी–जेडीयू सरकार को स्थायित्व देगा, लेकिन मध्यम अवधि में यह तय करेगा कि नीतीश के बाद जेडीयू स्वतंत्र शक्ति बनी रहती है या भाजपा पर और अधिक निर्भर हो जाती है। ऐसा इसलिए कि यदि निशांत कुमार पार्टी के अंदर स्वीकार्यता बना लेते हैं और संगठन पर पकड़ मजबूत कर लेते हैं, तो वे आने वाले चुनावों में जेडीयू को "पोस्ट-नीतीश" दौर में भी प्रासंगिक रख सकते हैं; वहीं यदि असफल रहे तो बिहार की राजनीति और ज़्यादा द्विध्रुवीय (बीजेपी बनाम आरजेडी–कांग्रेस) हो सकती है और जेडीयू हाशिये पर जा सकता है। आठवां यह कि निशांत की एंट्री ने नीतीश कुमार के सालों पुराने एंटी-वंशवाद नैरेटिव को सीधे काट दिया और बिहार में लगभग सभी बड़े नेताओं के परिवारवाद को एक साथ एक्सपोज़ कर दिया। इससे यह साफ दिखने लगा कि 'वंशवाद विरोध' ज्यादातर नैतिकता नहीं, बल्कि अवसरवादी राजनीति की भाषा थी। इस मुद्दे पर नीतीश का यू-टर्न और नैतिकता का संकट खड़ा हो गया है। नीतीश खुद को कर्पूरी ठाकुर की परंपरा का मानते रहे, जो बेटे को राजनीति से दूर रख कर वंशवाद के खिलाफ उदाहरण बताए जाते हैं।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

गर्मी बढ़ती जा रही, कहां करें फरियाद
यूजीसी पर भानु भी, दिला रहा है याद
दिला रहा है याद, अरे वो खल के जाए
ऊर्जा और प्रकाश, बराबर ही सब पाए
कह सुरेश कविराय छोड़ दो ये बेशर्मी
वरना उन्तिस में उतार देंगे सब गर्मी

युद्ध को रोकने में नाकाम होती विश्व व्यवस्था

अमेरिका, इजरायल और ईरान युद्ध का असर अब पूरी दुनिया में दिखने लगा है। अब विश्व के कई देशों में ऊर्जा संकट गहराने लगा है। अब तो ऐसा लग रहा है कि ईरान का युद्ध अमेरिका और इजराइल से ज्यादा अरब देशों के खिलाफ हो गया है। ईरान अरब देशों की अर्थव्यवस्था खत्म करने में लगा हुआ है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया ने युद्धों से बचने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ का निर्माण किया था। अपनी स्थापना की शुरुआत में ये संगठन कुछ हद तक कामयाब होता दिखाई दे रहा था। वास्तव में यह शांति इस संगठन की वजह से नहीं थी बल्कि दो शक्तिशाली वैश्विक ध्रुवों के कारण थी। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका और सोवियत संघ दो सुपर पावर बन कर सामने आए। धीरे-धीरे विश्व इन दोनों शक्ति केंद्रों में बंट गया जिसके बाद इनके बीच सीधा युद्ध नहीं हुआ लेकिन एक संघर्ष चलता रहा जिसे दुनिया शीत-युद्ध के नाम से जानती है। संयुक्त राष्ट्र संघ में भी अमेरिका और सोवियत संघ के कारण एक संतुलन बना रहा लेकिन 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका एकमात्र विश्वशक्ति बन गया। तब से लेकर अमेरिका पूरी दुनिया को अपने तरीके से चला रहा है। अमेरिका और उसके सहयोगी पश्चिमी देश मिलकर पूरी वैश्विक व्यवस्था को चला रहे हैं। अमेरिका की दादागिरी इतनी ज्यादा हो गई है कि वो संयुक्त राष्ट्र संघ को अपने उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने लगा है। देखा जाए तो बात केवल संयुक्त राष्ट्र संघ की भी नहीं है, अमेरिका ने लगभग विश्व की सभी संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। इसके कारण ही कई देशों ने अलग से अंतरराष्ट्रीय संगठन और मंचों का निर्माण किया है। विभिन्न देशों द्वारा यूएनओ के विकल्प के रूप में बनाये गए संगठन क्या अपनी कोई भूमिका वैश्विक व्यवस्था में निभा रहे हैं। यह सवाल इसलिए खड़ा हुआ है क्योंकि अमेरिका-इजराइल और ईरान के युद्ध ने पूरी दुनिया के लिए संकट खड़ा कर दिया है। इस संकट के समय यूएनओ तो गायब है ही लेकिन दूसरे संगठन भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। इस युद्ध के कारण पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट आने वाला है और सिर्फ इसका इंतजार किया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि कोई वैश्विक व्यवस्था बची ही नहीं है, जिसकी जो मर्जी है, वो कर रहा है। दोनों पक्ष अपनी ताकत का पूरा इस्तेमाल कर रहे हैं, इसका दुनिया पर क्या असर होगा, इसकी कोई परवाह नहीं कर रहे हैं। देखा जाए तो दुनिया एक जंगल बन चुकी है, 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली व्यवस्था काम कर रही है। अगर अन्य संगठनों की बात करें तो मुख्य रूप से ब्रिक्स, एससीओ, जी-20 और ओआईसी ताकतवर संगठनों के रूप में सामने आते हैं। इस युद्ध को रोकने की बात तो दूर, इससे होने वाले दुष्प्रभावों को कम करने की कोशिश भी कहीं दिखाई नहीं दे रही है। ब्रिक्स और एससीओ में रूस, चीन और भारत जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हैं लेकिन युद्ध को रोकने के लिए दोनों मंचों से कोई आवाज नहीं आयी है। जी-20 देशों में तो लगभग सभी शक्तिशाली देश शामिल हैं लेकिन वो भी चुप है। सबसे बड़ी बात ये है कि लगभग पूरा मिडल ईस्ट खतरे में आ गया है लेकिन ओआईसी की एक बैठक तक बुलाई नहीं गयी है। जब तक युद्ध शुरू नहीं हुआ था, तब तक तो इस संगठन का चुप रहना समझ आता था, लेकिन इस युद्ध ने जो रूप ले लिया है, इसके बाद भी ये संगठन निष्क्रिय है, ये समझना बहुत मुश्किल है। इस संगठन में दुनिया के लगभग सभी मुस्लिम देश शामिल हैं लेकिन इन्होंने खामनेई और उनके सहयोगियों की हत्या का विरोध नहीं किया है। अब तो ऐसा लग रहा है कि ईरान का युद्ध अमेरिका और इजराइल से ज्यादा अरब देशों के खिलाफ हो गया है। ईरान अरब देशों की अर्थव्यवस्था खत्म करने में लगा हुआ है। जब तक ईरान अरब देशों के अमेरिकी अड्डों पर हमले कर रहा था, तब तक तो फिर भी ठीक था, लेकिन अब ईरान इन देशों के नागरिक ठिकानों को निशाना बना रहा है, ऐसे में ओआईसी का चुप रहना अचंभित करता है। जिस तरह से ईरानी नेतृत्व क्रूड ऑयल का दाम 200 डॉलर तक ले जाने का दावा कर रहा है, ये मुस्लिम देशों की बड़ी समस्या बन जाएगा। ईरान की रणनीति अमेरिका को झुकाने की है। वो अपनी जगह सही हो सकता है लेकिन इसके असर से दुनिया में आने वाली बर्बादी से कौन तबाह होगा, इस पर भी तो विचार करने की जरूरत है। ओआईसी मुस्लिम हितों के लिए बनाया गया संगठन है और इस युद्ध से मुस्लिम हितों को बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। वास्तव में मुस्लिम नेतृत्व ज्यादातर अमेरिका के पक्ष में है लेकिन मुस्लिम समुदाय ईरान के पक्ष में है। इसकी वजह यह है कि ईरान पर हमला किया गया है, इसलिए वो पीड़ित दिखाई दे रहा है। ईरान जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ लड़ रहा है, उससे पूरे मुस्लिम समुदाय में गर्व की भावना पैदा हो गई है। अमेरिका के झुकने से मुस्लिम समुदाय को आत्मिक शांति मिल सकती है, लेकिन तेल की कमी से पैदा होने वाली समस्याओं की मार सबसे गरीब देशों पर पड़ने वाली है और ज्यादातर मुस्लिम देश पहले ही गरीबी की मार झेल रहे हैं। यूएनओ धीरे-धीरे अपना महत्व खोता जा रहा है क्योंकि वहां वही होता है, जो अमेरिका चाहता है लेकिन इसके विकल्प में बने संगठनों का क्या महत्व रह गया है। क्या ये संगठन सिर्फ बड़े-बड़े आयोजन करने के लिए ही हैं, या जमीन पर भी कुछ असर है। इस युद्ध की मार पूरी दुनिया पर पड़ने वाली है, इसलिए सबको अपना काम करना चाहिए। ब्रिक्स और एससीओ में चीन और रूस शामिल हैं, ये दोनों अपने प्रभाव का इस्तेमाल ईरान को रोकने में कर सकते हैं, वैसे भी ईरान इनका सहयोगी देश है। इस युद्ध में अप्रत्यक्ष रूप में चीन और रूस ईरान की मदद कर रहे हैं, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। ईरान की रक्षा करने तक तो ठीक है, लेकिन वो जिस तरह से अन्य देशों को इस युद्ध में घसीट रहा है, उसे तो रोका जाना चाहिए। बेशक अमेरिका से रूस और चीन की दुश्मनी हो, लेकिन अरब देशों के साथ तो ऐसा नहीं है। तेल महंगा होने से रूस को तो फायदा होगा लेकिन चीन के लिए तो ये बड़ी समस्या होने वाली है। अगर एससीओ, ब्रिक्स और ओआईसी मिलकर काम करें तो ईरान और अरब देशों को इस युद्ध से होने वाले नुकसान से बचाने की कोशिश की जा सकती है। ईरान ने अमेरिका की सारी हेकड़ी निकाल दी है, लेकिन वो खुद भी बर्बाद हो रहा है। कुछ भी हो जाये, ईरान युद्ध जीतने वाला नहीं है। वो सिर्फ इजराइल को नुकसान पहुंचा सकता है। ईरान अमेरिकी हितों पर चोट कर सकता है। लेकिन अमेरिका पर हमला नहीं कर सकता। ईरान ने हेम्रुज स्ट्रेट को बंद कर दिया है जिससे दुनिया में तेल का संकट पैदा हो गया है। इस संकट की मार अमेरिका और इजराइल से ज्यादा भारत, चीन और दूसरे देशों पर पड़ने वाली है। तेल की कमी से पाकिस्तान में हाहाकार मचा हुआ है। ये पूरी दुनिया में होने वाला है। देखा जाए तो ये युद्ध सिर्फ अमेरिका, इजराइल और ईरान का नहीं रह गया है, ये पूरी दुनिया का युद्ध बन चुका है। अमेरिका को हम कितना भी कोस ले, लेकिन इससे समस्या खत्म होने वाली नहीं है। ब्रिक्स, एससीओ और ओआईसी आर्थिक और राजनीतिक सहयोगी मंच हैं, इसलिए इनसे सैन्य दखल की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इन संगठनों पर अमेरिका और पश्चिमी देशों का प्रभाव नहीं है, इसलिए इनका चुप रहना सही नहीं है।

■ राजेश कुमार पासी

नाना फड़नवीस : मराठा कूटनीति का चाणक्य

मराठा साम्राज्य का संदर्भ आते ही आंखों के सम्मुख छत्रपति शिवाजी महाराज की छवि उभरती है, जिन्होंने मुगलों के काल में भारत में मराठा साम्राज्य को न केवल एक शक्ति के रूप में स्थापित किया बल्कि राजनीति, कूटनीति, प्रशासन एवं युद्धशैली को नवल अर्थ भी दिए। किंतु शिवाजी महाराज के अवसान के पश्चात् सुयोग्य एवं दूरदर्शी नेतृत्व के अभाव में मराठा शक्ति क्षीणतर होती गई और राज्य संचालन एवं प्रशासन के सूत्र पेशवा (प्रधानमंत्री) के हाथों में स्थानांतरित होते गये। छत्रपति शाहूजी महाराज ने बालाजी विश्वनाथ भट्ट को प्रथम पेशवा (प्रधानमंत्री) के रूप में नामित किया था। छत्रपति शाहूजी महाराज के द्वारा मनोनीत पेशवा पद वंशानुगत हो गया और कालांतर में पेशवा ही मराठा शासक के रूप में स्थापित हो गये। नाना फडनवीस पेशवा के अधीन एक राजनीतिज्ञ, कूटनीतिज्ञ के साथ ही कुशल युद्धनीतिज्ञ, दूरदर्शी, स्वामिभक्त, चतुर प्रशासक और मराठा साम्राज्य के हितैषी थे। उन्होंने पानीपत के तृतीय युद्ध की पराजय से बिखरी मराठा सैन्य शक्ति, कमजोर आर्थिक स्थिति और निरंकुश प्रशासन को अपनी कार्य कुशलता से पुनः स्थापित किया। इतिहासकारों ने नाना फड़नवीस को मराठा साम्राज्य का चाणक्य और मैकियावेली कहा। वह निःस्वार्थ सेवा-साधना, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के अनुपम उदाहरण बन गये। नाना फड़नवीस का जन्म सह्याद्रि पर्वत श्रृंखला क्षेत्र में प्रवाहित कृष्णा नदी के तट पर अवस्थित मराठा शक्ति केन्द्र सतारा में 13 फरवरी, 1742 को हुआ था। इनका मूल नाम बालाजी जनार्दन भानु था, किंतु नाना फड़नवीस के नाम से

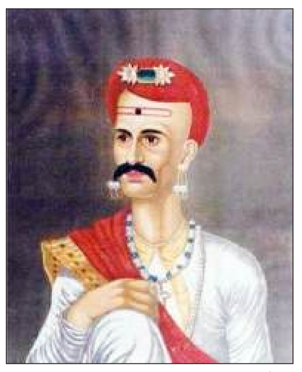

कीर्ति पताका अद्यावधि फहर रही है। छत्रपति शाहूजी महाराज ने 1713 में बालाजी विश्वनाथ भट्ट को पेशवा नियुक्त किया जो 1720 तक पदासीन रहे। नाना फड़नवीस के दादा बालाजी महादजी भानु पेशवा के मित्र और मराठा साम्राज्य सेवा में कार्यरत थे। मुगलों द्वारा पेशवा बालाजी विश्वनाथ की हत्या की रची गई साज़िश का पर्दाफाश कर पेशवा की प्राण रक्षा करने पर नाना फड़नवीस के दादा को फडनवीस की उपाधि प्रदान की गई थी, जो आगे चलकर उनके वंश की पहचान बन गई। 1720 से 1740 तक बाजीराव प्रथम पेशवा रहे, जो कभी कोई युद्ध नहीं हारे और मराठा साम्राज्य को शिखर पर पहुंचाया। 1740 से 1761 तक बालाजी बाजीराव पेशवा का कार्यकाल रहा, जिनके सेनापति थे सदाशिवराव भाऊ। नाना फड़नवीस इन्हीं सदाशिवराव भाऊ के सचिव थे। पेशवा बालाजी बाजीराव के तीन पुत्र थे विश्वासराव, माधवराव और नारायण राव। वर्ष 1761 में पानीपत का तृतीय युद्ध अहमदशाह अब्दाली और पेशवा के बीच हुआ। इस भयंकर युद्ध में मराठों की करारी हार हुई, शक्ति छिन्न-भिन्न हो गई और आर्थिक स्थिति बदतर हो गई। युद्ध में राजकुमार विश्वासराव, सेनापति सदाशिवराव भाऊ सहित हजारों मराठा वीर योद्धा वीरगति को प्राप्त हुए। नाना फड़नवीस सहित सीमित संख्या में मराठा नायक ही शेष बचे थे। आगे युद्ध की हार और पुत्र वियोग में पेशवा बालाजी बाजीराव ने एक मंदिर में शोकावस्था में प्राण त्याग दिए। तब 1761 में बालाजी के 17 वर्षीय द्वितीय पुत्र माधवराव पेशवा पद पर आरूढ़ हुए। नाना फड़नवीस के परामर्श से पेशवा माधवराव मराठा साम्राज्य की गिरती साख को न केवल संभाल पाये बल्कि राज-काज को सुव्यवस्थित कर राज्य की बदहाली को दूर कर राजकोष को समृद्ध किया। इसी दौरान नाना फड़नवीस के नेतृत्व में निजाम को पराजित कर एक बड़ा क्षेत्र मराठा राज्य में मिला लिया। फड़नवीस की राह फूलों भरी नहीं, बल्कि कंटकमय थी। पेशवा माधवराव का सगा चाचा रघुनाथ राव राघोबा स्वयं पेशवा बनने की इच्छा पाले हुए था, और कुचक्र रच रहा था। किंतु नाना फड़नवीस की बुद्धिमत्ता, राजनीतिक समझ और प्रशासन पर सख्त पकड़ के चलते विरोधी सफल नहीं हो पा रहे थे। नाना ने अपनी मेधा से एक बहुत चतुर गुप्तचर विभाग स्थापित किया था, जो राज्य के किसी भी कोने में पेशवा के विरुद्ध रची जा रही दुरभिसंधि की सूचना नाना फड़नवीस को यथाशीघ्र पहुंचा देता था। मराठा राज्य विकास के पथ पर बढ़ रहा था पर नियति ने खेल खेला, पेशवा माधवराव का 1772 में निधन हो गया। छोटे भाई नारायणराव अब पेशवा बने, किंतु इनमें न राजकाज की पर्याप्त समझ थी और न ही राजनीतिक परिपक्वता। रघुनाथराव की पेशवा बनने की स्वप्न-बेल अब पुष्पित हो फलित होने को थी। अगस्त 1773 में अंगरक्षकों ने ही महल के अंदर नारायणराव की हत्या कर दी, और अंततः महत्वाकांक्षी रघुनाथराव पेशवा की गद्दी पर बैठा गया। नाना फड़नवीस के लिए यह असहनीय था। उन्होंने सिंधिया, होल्कर, गायकवाड़, भोसले मराठा शक्ति का संघ बनाया और तुकोजीराव होल्कर, महादजी सिंधिया, हरिपंत फड़के, फलंटकर, भगवान राव प्रतिनिधि, सखारामबापू बोकिल, त्रिम्बकराम पेठे, सरदारजी रस्ते, बाबूजी नायक, मोलोजी घोरपड़े और मोरोबा फड़नीस आदि मंत्रियों की बाराभाई परिषद की रचना की। परिषद के साथ मिलकर रघुनाथराव को पदच्युत कर नारायणराव के 40 दिन के शिशु सवाई माधवराव को पेशवा पद पर आसीन करा स्वयं मुख्यमंत्री बन मराठा राज्य संभाल लिया। पर रघुनाथराव भाग कर ईस्ट इंडिया कंपनी से मदद मांगने चला गया और सूरत की संधि पर हस्ताक्षर कर कुछ महत्वपूर्ण मराठा क्षेत्र अंग्रेजों को सौंप दिए, अंग्रेजों ने उसकी सैन्य मदद की। तभी इस संधि की काट के लिए कूटनीति से काम ले नाना फड़नवीस ने ईस्ट इंडिया कंपनी की कलकत्ता परिषद के साथ पुरंदर की संधि कर ली, कंपनी रघुनाथ राव को पेंशन देने पर सहमत हुई। आगे अंग्रेजों से खतरा भांपते हुए 1777 में फड़नवीस ने पश्चिमी तट पर फ्रांसीसी सेना को बंदरगाह प्रदान किया। फलतः अंग्रेजों से मराठाओं का युद्ध हुआ। मराठे जीते और कंपनी द्वारा 1773 से जीते गये सभी क्षेत्र वापस ले लिए। आगे 1783 में पुनः अंग्रेजों को पराजित कर ग्वालियर के निकट सालबाई स्थान पर संधिपत्र पर हस्ताक्षर हुए। कंपनी ने रघुनाथ राव का समर्थन छोड़ दिया और मराठों की प्रभुता स्वीकार कर ली।

क्रिकेट में विश्व विजेता भारत

भारतीय क्रिकेट टीम की हालिया टी-20 विश्व कप में शानदार जीत पर क्रिकेट मैच की एक सुंदर प्रस्तुति को संक्षेप में जानेंगे। टी-20 में वर्ष 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पहली बार विश्व कप विजेता बनने के बाद, 2024 के रोहित शर्मा के कप्तानी में दूसरी और वर्ष 2026 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता। टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब किसी टीम ने तीन बार खिताब जीता हो और लगातार खिताब जितने वाली भी पहली टीम बन गई है। यह भारत के लिए सबसे बड़ी गर्व की बात है कि आज हम विश्व में सबसे प्रथम स्थान और प्रसिद्ध मैच में जाने जाते आ रहे हैं टीम इंडिया

शुरुआत से ही भारतीय टीम ने पकड़ बनाकर रखी। टॉस हारने के बाद पहली बारी में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की 255 रन 5 विकेट का नुकसान एक विशाल स्कोर खड़ा किया, संजू सैमसंग ने एक बार फिर मैच विनिंग पारी खेली है 46 गेंद में 193 बेहतरीन स्ट्राइक 89 रन बनाए। इतने बड़े स्कोर का पीछा करते हुए। न्यू जीलैंड प्रेशर में आ गई 20 ओवर मे 159 पर ऑल आउट हो गई। इसी के साथ टीम इंडिया ने 96 रनों के बड़े अंतर से मैच जीता और अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खिताब रच दिया। गेंदबाज की बात करें तो जसप्रीत मुंब्रा ने गेंदबाजी का कमाल दिखा दिया 15 रन देकर चार विकेट चटकाए पूरा मैच एक तरफ कर दिया। जसप्रीत मुंब्रा के अलावा अक्षर पटेल ने तीन विकेट चटकाए और बाकी सभी गेंदबाजों ने खिफायती गेंदबाजी की भारत की जीत में सभी ने अहम योगदान निभाया साथी टीम इंडिया की जीत का जश्न स्टेडियम में पटाखों से छाया हुआ और जश्न का माहौल दिखाई दिया और आज यही भारत का मैच पूरे विश्व में इसलिए प्रसिद्ध है और सबसे बड़ी बात तब हुई जब न्यूजीलैंड की टीम हारने के बाद यह घोषणा की कि हम विश्व के सबसे बड़े टीम के साथ हारे हैं टीम इंडिया की जीत भारत के तिरंगे को विश्व में लहराते और भारत की गरिमा पर ताज रखने के बराबर है। और आज यही कारण है जब इंडिया का मैच होता है तब सभी भारतीय एकजुट होकर मैच का आनंद लेते हैं और देश प्रदेश विश्व में भारतीय तिरंगे की लहर उमड़ उठती है। यही भारतीय जनता के प्रेम को एकजुट कर देता है और भारत की अखंडता प्रेम उल्लास हर्ष में रूपांतरित हो जाती है। यही कामना भारतीय जनता से है कि जिस तरह मैच में आपका प्रेम की परिभाषा नहीं दिखती। इस तरह आप देश के हर कार्य क्षेत्र में समस्या, विपत्ति, खुशी, राजनीति, धर्म नीति, सुरक्षा, रक्षा में भी अपना सहयोग बनाए रखें और देश के साथ प्रेम उल्लास हर्ष में बन रहे और देश के तिरंगे की लहर हर घर में गूंजे जय हिंद जय भारत।।

■ डॉ. दीपा मिश्रा

आज का कार्टून

साभार

विरासत संयोजन के साथ नवसृजन पर प्रधानमंत्री मोदी का जोर

देश की विरासत को संजोने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार लगातार सराहनीय कार्य कर रही है। पुरखों की विरासत को संजोने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने कई परियोजनाएं चलाई है। दरअसल, विरासत को संजोने का जो संकल्प मोदी जी ने लिया है वो न केवल धार्मिक स्थानों के संयोजन और सृजन को लेकर है बल्कि हर क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। चाहे वो शिक्षा का क्षेत्र हो या खेल का। पुरखों की विरासत को संजोने के साथ ही नवसृजन पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोर दिया है। अभी हाल ही में दिल्ली के ऐतिहासिक कोरोनेशन पार्क में प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा मेट्रो स्टेशन के उद्‌घाटन से क्षेत्र की विरासत का संयोजन और मेट्रो परिचालन से नवसृजन भी हुआ। गौरतलब हो कि ऐतिहासिक कोरोनेशन पार्क वही स्थल है जहां किंग जॉर्ज पंचम और उनकी रानी विक्टोरिया का स्वागत समारोह हुआ था। यहीं से दिल्ली को राजधानी बनाने का संकल्प भी लिया गया था। आज जब विश्व एक बार फिर से तृतीय विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ा है और बात दिल्ली के कोरोनेशन पार्क में नवसृजन की हो रही है तो एक नाम पर चर्चा करना महत्वपूर्ण हो जाता है। वो नाम किसी और का नहीं बल्कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के हॉकी गुरु सूबेदार मेजर बाले तिवारी जी का है। जिन्होंने न केवल देश हित में प्रथम विश्व युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी बल्कि ब्रिटिशकॉल में अपनी हॉकी के करतब से हिंदुस्तान का परचम लहराया। उन्होंने अपने खेल कौशल से ब्रिटिश अधिकारियों के सामने ही हिन्दुस्तानी खिलाड़ियों का ऐसा समूह खड़ा किया जिसकी बानगी दिल्ली दरबार 1911 में कोरोनेशन पार्क में देखने को मिली थी। हिन्दुस्तानी खिलाड़ियों की उस आग को ध्यानचंद के रूप में संवारा तो उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के दौरान ही विश्व में भारत की जीत का पताका फहराया जिसके सामने सारी कायनात झुक गई। आज जब हम टी20 विश्व कप 2026 जीते हैं तो कमोवेश वही अहसास हो रहा है। ये उन्होंने पुरखों की विरासत के संयोजन का नवसृजन है जो वीरों की धरती गाजीपुर के सूर्यकमार और उनकी टीम ने करके दिखाया है। इसके लिए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की भी जितनी सराहना की जाए कम है। क्योंकि उन्होंने खेल को जिस तरह प्रोत्साहित किया और खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया है ये सब उसी का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में नए प्रधानमंत्री कार्यालय बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स का उद्‌घाटन किया, जिसे आधिकारिक तौर पर 'सेवा तीर्थ' नाम दिया गया है। ये भी उनकी दूरदृष्टी ही है। ऐसे ही नहीं कहा जाता है कि मोदी नाम नहीं ब्रांड है जहां तक दूसरे नेता सोचने की जहमत नहीं उठते हैं मोदी जी उससे कई गुना आगे की सोचते हैं। सेवा तीर्थ जिसमें भारतीय संस्कृति की झलक नजर आती है इसी संदर्भ को आगे ले जाते हुए समाजसेवी शैलेंद्र कुमार ने 28 नवंबर 2023 को प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र एवं कोरोना काल 14 अप्रैल 2020में भेजे गए पत्रों का जिक्र करते हुए बताया कि आयुर्वेद विज्ञान रत्नाकर का ज्ञान कोरोना काल में अद्भुत औषधि के रूप में कारगर साबित हुआ और स्वस्थ जगत में नयी क्रांति लाने एवं पूर्ण निर्माण में तेजी लाने के लिए मोदी जी को पत्र लिखा था। गौरतलब हो कि युग पुरुष नरेंद्र मोदी नवीन सृजन के साथ पुरातन को भी विरासत के जरिए संवार रहे हैं उनसे यही सीख अब विश्व के कई देश भी ले रहे हैं। वैसे भारत हमेशा से विश्व को सीख देता आया है और आज भी गुरु की भूमिका में ही है। आदि से वर्तमान तक का इतिहास भी यही दर्शाता है कि विश्व जब संकट में होता है तो भारत की तरफ टक टकी लगाकर देखता है आज जब विश्व युद्ध जैसी आहट विश्व में सुनाई दे रही है तो शांति के लिए सभी भारत से ही आस लगाए हैं। क्योंकि भारत बुद्ध का देश है यहां शांति है। लोगों में सद्भावना और प्रेम है। तभी तो आज जब विश्व के कई देश इसराइल और ईरान युद्ध के चलते परेशान हैं तो भारत ने प्रेम और सद्भावना का परिचय दिया। टी20 विश्व कप 2026 की जीत इसी का प्रतिसाद है। मोदी जी ने खेल को महत्व दिया है। मेजर ध्यानचंद का नाम विश्व में बड़े ही सम्मान के साथ आज भी हॉकी खेल जगत में लिया जाता है क्योंकि आज तक उनके जैसा खिलाड़ी कोई दूसरा नहीं हो सका। यह विडंबना ही है कि आज तलक उन्हें भारत रत्न नहीं मिला। समाजसेवी शैलेंद्र कुमार ने प्रधानमंत्री कार्यालय को मेजर ध्यानचंद और उनके हॉकी गुरु बाले तिवारी जी के सम्मान में उनके गृह जनपद सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश में एक स्टेडियम उनके नाम से बनाने को लेकर पत्र लिख चुके हैं। साथ ही प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देते हुए कहा की दिल्ली विश्वविद्यालय के 100 वे स्थापना वर्ष पर विश्वविद्यालय की संस्थाओं के लिए विशेष पैकेज देकर छात्र- छात्रों का दिल जीता था, जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी सोशल सेंटर स्कूल मौरिस नगर जो सर मॉरिस और राजाराम द्वारा शिक्षा जगत में किए गए प्रयास को आगे बढ़ा कर 12वीं तक विस्तार करने पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भारत सरकार से मेजर ध्यानचंद और उनके गुरु बाले तिवारी को संयुक्त रूप से भारत रत्न से सुशोभित करने की मांग की है।

■ शैलेंद्र कुमार

पटना में गैस एजेंसी के डिलीवरी बॉय पर FIR

महानगर नेटवर्क

पटना

ईरान युद्ध और पश्चिमी एशिया में आए संकट के बीच भारत में एलपीजी संकट के दावे हो रहे हैं। बिहार में भी एलपीजी सिलेंडर को लेकर त्राहिमाम मचा हुआ है। इस बीच जिलाधिकारी, पटना के निर्देश पर घरेलू LPG गैस की सुचारू आपूर्ति एवं वितरण सुनिश्चित करने तथा इसके अनुश्रवण के लिए जिला स्तर पर हेल्पलाइन स्थापित किया गया है। कोई भी उपभोक्ता या आम जनता इस संबंध में सूचना, शिकायत या जानकारी 9 बजे पूर्वाह्न से 6 बजे अपराह्न तक दूरभाष संख्या 0612-2219810 पर दे सकते हैं। पटना में ग्राहक की शिकायत पर एक गैस एजेंसी के डिलीवरी बॉय पर एफआईआर भी हो गई है। साथ ही जिला प्रशासन ने पटना जिला के सभी प्रखंडों में आपूर्ति पदाधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं।

इधर मुजफ्फरपुर जिले में रसोई गैस संकट हो गया है। उपभोक्ता रसोई गैस सिलेंडर की रिफिलिंग कराने के लिए गैस एजेंसी कार्यालय, गोदाम से लेकर वेंडर तक का चक्कर काट रहें है। गुरुवार की सुबह सिकंदरपुर इलाके के लोगों को रसोई गैस नहीं मिल। वे लोग तीन चार दिनों से गैस के लिए भटक रहे थे। गैस नहीं मिलने के बाद नाराज उपभोक्ता सिलेंडर लेकर कंपनी बाग रोड स्थित डीएम आवास पहुंचे गए। गैस आपूर्ति करने के दावे पर खड़ा उतरने की मांग करने लगे। डीएम आवास की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों से भी लोगों की नोंकझोंक हुई। इसके बाद नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को डीएम कार्यालय और एसडीओ कार्यालय भेज दिए। इसके बाद जाकर डीएम आवास के बाहर से भीड़ हटी।

अफसरों की छुट्टियां रद्द

किशनगंज में गैस एजेंसी के बाहर कतार होटल-ढाबों से सिलेंडर गायब

किशनगंज में घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत दिखाई पड़ रही है। सिलेंडरों की किल्लत का आलम यह है कि होटल व ढाबा संचालकों ने अब भट्ठी बनाकर कोयला और बिजली चूल्हा का प्रयोग करने लगे हैं। वहीं केवाईसी को लेकर उपभोक्ताओं खासे परेशान नजर आ रहे हैं। पिछले सप्ताह भर से सिलेंडर के लिए घंटों लाइन में खड़े रहने को लोग विवश हो रहे हैं। घरेलु गैस उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस के लिए दो दिन से वापस जाना पड़ रहा है। शहर के जगदंबा गैस एवं ताज गैस गोदाम में घरेलू एलपीजी सिलेंडर लेने के लिए लंबी लाइन है। भीड़ का नजारा देख लोग गैस की किल्लत होने से घबराए हुए हैं। गैस एजेंसी के संचालक का कहना है कि गैस की आपूर्ति में कोई कमी नहीं है। प्रतिदिन उपभोक्ताओं को गैस का वितरण किया जा रहा है। लोग अफवाह के कारण भीड़ लगा रहे हैं। ओटीपी के माध्यम से गैस का वितरण किया जा रहा है।

पटना में पुलिस-अपराधियों में मुठभेड़ अपराधी को दौड़ाकर मारी गोली

यूपी से 1200 जिंदा कारतूस लेकर आए थे बदमाश

पटना। पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान पुलिस ने एक अपराधी को दौड़ाकर पैर में गोली मारी है। साथ ही उसके दो अन्य साथियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से 1200 से अधिक जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

गोलियों का ये जखीरा कानपुर से मंगवाई गईं थी। फतुहा में डिलीवरी के बाद पटना और नालंदा में गोलियों को सप्लाइ करने की प्लानिंग थी।घटना फतुहा थाना क्षेत्र के सिरपतपुर गांव की है। फतुहा पुलिस और एसटीएफ को यह सूचना मिली कि फतुहा के नयका रोड से सिरपतपुर जाने वाले ग्रामीण पथ पर गोलियों की डील करने चार तस्कर पहुंचे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही तस्करों ने 3-4 राउंड फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तस्कर भोला उर्फ सुंदरम के पैर में गोली लगी। उसे पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने भोला के अलावा उसके 2 साथियों सुमित कुमार उर्फ गबरु और सत्य रोहण यादव को गिरफ्तार कर लिया। एक तस्कर पिंटू कुमार फरार हो गया। इन तस्करों की स्कॉर्पियो और हैरियर गाड़ी से श्री फिफ्टी की 1200 गोलियां और दो देसी कट्टा बरामद किए गए हैं। घायल भोला और सुमित कुमार सारण के तेलपा गांव के रहने वाले हैं। सत्य रोहण बाढ़ का है जबकि पिंटू फतुहा के सोनारू का रहने वाले है।

5000 से अधिक के बकाया पर कटेगा बिजली कनेक्शन

घर-घर पहुंच रही टीम, बिहार में राजस्व वसूली अभियान तेज

डेहरी आन-सोन। विद्युत आपूर्ति विभाग द्वारा बकाया बिजली बिल की वसूली को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विभागीय अधिकारी व कर्मचारी घर-घर जाकर राजस्व संग्रहण के साथ-साथ बकाएदार उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई भी तेजी से कर रहे हैं।

कनीय अभियंता सुजीत कुमार ने बताया कि राजस्व वसूली को लेकर उपभोक्ताओं से बिल संग्रहण करने तथा नहीं देने पर बिजली कनेक्शन काटने की जिम्मेदारी दी गई है। विभाग द्वारा लाइन काटने का कार्य तेजी से चल रहा है। गुरुवार को कई बकाएदारों का बिजली कनेक्शन

विच्छेद किया गया, जबकि कुछ उपभोक्ताओं ने बकाया राशि का भुगतान किया। शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में क्रमशः पांच हजार से 20 हजार रुपए व उससे अधिक बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल जमा नहीं करने पर उनका कनेक्शन काटा जा रहा है। कनेक्शन कटने के बाद पुनः आपूर्ति बहाल कराने के लिए उपभोक्ताओं को निर्धारित रीकनेक्शन शुल्क देना होगा, जिसमें सिंगल फेज उपभोक्ता के लिए सौ रुपए तथा तीन फेज छोटे उद्योगों के लिए नौ सौ रुपए निर्धारित है।

विभाग द्वारा समय पर बिजली बिल भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष छूट का प्रविधान भी किया गया है। बिल जारी होने के 15 दिनों के भीतर भुगतान करने पर 1.5 प्रतिशत की छूट तथा आनलाइन भुगतान करने पर एक प्रतिशत अतिरिक्त छूट दी जा रही है। साथ ही स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं की निगरानी भी बढ़ाई जा रही है। जिन क्षेत्रों में मीटर बाईपास कर बिजली चोरी की आशंका है, वहां डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर पर विशेष मीटर लगाकर ऑनलाइन मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जा रही है।

पश्चिम चंपारण में 39 हजार महिलाओं के खाते में पहुंचे 10-10 हजार रुपए

रामनगर (पश्चिम चंपारण)। मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए 10 हजार रुपए की सहायता राशि उनके खातों में भेजी गई है, ताकि वे अपना छोटा व्यवसाय शुरू कर सकें। इस योजना के तहत प्रखंड के विभिन्न पंचायतों और गांवों से करीब 38,787 महिलाओं ने आवेदन किया था, जबकि नगर क्षेत्र से 3,331 आवेदन प्राप्त हुए। इस तरह नगर और प्रखंड को मिलाकर कुल 42,118 आवेदन आए थे।

इनमें से करीब 39 हजार लाभार्थियों के खातों में 10-10 हजार रुपए की राशि भेज दी गई है। लाभार्थियों में जीविका से जुड़ी दीदियों के अलावा नए आवेदक भी शामिल हैं। जीविका कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, नगर और प्रखंड मिलाकर 1,231 ऐसे लाभार्थी हैं, जिनके आधार कार्ड में नाम या अन्य तकनीकी त्रुटि होने के कारण उनके खाते में राशि नहीं पहुंच पाई। वहीं 1,825 लाभार्थियों का डीबीटी फेल हो गया, जिसके कारण पैसे भेजे जाने के बावजूद उनके खाते में राशि जमा नहीं हो सकी। इस संबंध में जीविका की प्रखंड परियोजना प्रबंधक रतना प्रिया ने बताया कि डीबीटी में हुई गड़बड़ियों को ठीक करने के बाद कुछ लाभार्थियों के खातों में पैसे पहुंच चुके हैं। अन्य लाभार्थियों के खातों में भी समस्या दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लाभार्थियों को आधार कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेजों में सुधार कराने के लिए समझाया जा रहा है, ताकि उनकी राशि जल्द से जल्द उनके खाते तक पहुंच सके। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन लोगों ने आवेदन किया है, लगभग सभी के खातों में यह राशि पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

इंसाफ...इंसाफ कहते बेहोश हुई NEET छात्रा की मां

बोलीं- CBI-पुलिस लीपापोती कर रही

पटना। NEET छात्रा रेप-मौत मामले में बेउर जेल में बंद शंभू गर्ल्स हॉस्टल बिल्डिंग के मालिक मनीष रंजन की जमानत याचिका पर आज यानी गुरुवार को दूसरे दिन सुनवाई हुई। मनीष रंजन को सुनवाई के लिए जेल से कोर्ट में लाया गया था। जमानत याचिका पर करीब 4 घंटे सुनवाई चली। इसमें करीब दो घंटे की सुनवाई जज के चेंबर में हुई। सुनवाई के दौरान पीड़ित पक्ष के वकील ने पटना हाईकोर्ट के फूल बेंच जजमेंट हवाला देते हुए जमानत का विरोध किया। इस पर मनीष रंजन के वकील ने आपत्ति जताई। हालांकि, कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मनीष रंजन की जमानत पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। वहीं, NEET छात्रा की मां ने आरोप लगाया कि CBI और SIT सभी मिलकर लीपापोती कर रहे हैं। मनीष रंजन का कोई नाम तक नहीं ले रहा है। सिर्फ हमें झूठा बनाया जा रहा है।

कोर्ट ने तत्कालीन थानेदार रौशनी कुमारी से पूछे कई सवाल

कोर्ट ने सबसे पहले केस की पहली IO रही चित्रगुप्त नगर की तत्कालीन थानेदार रौशनी कुमारी कई सवाल पूछे। कोर्ट ने पूछा, मुख्य गवाह और मेड के साथ नीट छात्रा के कमरे में जाने वाली उसकी सहपाठी से आपने पूछताछ की तो कैमरे पर उसका रिकॉर्डिंग क्यों नहीं किया? मनीष रंजन आपके पास कब आया? रौशनी ने बताया कि 10 जनवरी को थाने पर आया था। कोर्ट ने पूछा वो क्यों आया था? आपने उससे पूछताछ की? रौशनी ने जवाब दिया, 'नहीं।' कोर्ट ने पूछा- आपने किस अपराध में मनीष को गिरफ्तार किया? उस टाइम पर क्या रिकॉर्ड किया? पूछताछ में उसने क्या बताया? पूछताछ के दौरान आप वहां थीं? आपने गिरफ्तार किया, लेकिन केस में इसका क्या रोल है, आपने जांच नहीं किया।

लापरवाही की हद : एडमिट कार्ड पर अभ्यर्थी की जगह लगा दी कुत्ते की फोटो, 15 मार्च को है परीक्षा

महानगर नेटवर्क

रोहतास

जिले से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक अभ्यर्थी के एडमिट कार्ड में उसकी तस्वीर की जगह कुत्ते की तस्वीर लगा दी गई। इस अजीबोगरीब गलती के सामने आने के बाद अभ्यर्थी हैरान और परेशान है। वहीं, इस घटना ने भर्ती प्रक्रिया और ऑनलाइन आवेदन प्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल, यह मामला रोहतास जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के धवा गांव निवासी अभ्यर्थी रितेश

कुमार से जुड़ा हुआ है। रितेश कुमार ने वर्ष 2022 में सिविल कोर्ट में चपरासी पद के लिए आवेदन किया था। लंबे इंतजार के बाद वर्ष 2026 में इस भर्ती परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी किया गया। लेकिन जब रितेश कुमार ने अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड किया तो उसमें एक बेहद अजीब गलती सामने आई।

फोटो की जगह कुत्ते की तस्वीर

रितेश कुमार ने बताया कि एडमिट कार्ड में उनका नाम और अन्य सभी विवरण सही थे, लेकिन फोटो की जगह पर उनकी तस्वीर के बजाय कुत्ते की तस्वीर लगी हुई थी। उन्होंने जब पहली बार एडमिट कार्ड देखा तो वह दंग रह गए। उन्हें लगा कि शायद डाउनलोड करने में कोई गलती हुई है, लेकिन दोबारा जांच करने पर भी वही तस्वीर दिखाई दी। इस घटना के बाद रितेश कुमार काफी परेशान हो गए। उन्होंने तुरंत संबंधित भर्ती बोर्ड और विभाग को इस संबंध में शिकायत भेज दी है। रितेश कुमार ने बताया, "चार साल पहले मैंने सिविल कोर्ट में चपरासी पद के लिए आवेदन किया था। अब जब एडमिट कार्ड जारी हुआ और मैंने उसे डाउनलोड किया तो उसमें मेरी तस्वीर की जगह कुत्ते की तस्वीर लगी हुई थी। इसे देखकर मैं पूरी तरह हैरान रह गया।" उन्होंने विभाग से जल्द से जल्द इस गलती को सुधारने की मांग की है, ताकि उन्हें परीक्षा देने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

शादी के चार दिन बाद ही उजड़ गया दुल्हन का सुहाग, सड़क हादसे में दूल्हे की मौत

सुपौल। सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र में एक ऐसा दर्दनाक सड़क हादसा हुआ,जिसने एक परिवार की खुशियों को पलभर में मातम में बदल दिया। महज चार दिन पहले जिस घर में शहनाइयों की गूंज थी,वहीं अब चीख-पुकार और आंसुओं का सैलाब है। जानकारी के अनुसार जिले के जदिया थाना क्षेत्र के पिलुवाहा पंचायत के वार्ड 2 निवासी दुखो यादव के 19 वर्षीय पुत्र उमेश कुमार की शादी त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के गुड़िया नवडीह निवासी अंशु कुमारी से 6 मार्च को धूमधाम से हुई थी। शादी के बाद घर में अभी भी जश्न का माहौल था। रिश्तेदारों का आना-जाना जारी था और नई दुल्हन के स्वागत की खुशियां अभी पूरी तरह खत्म भी नहीं हुई थीं। लेकिन किसी को क्या पता था कि किस्मत इतनी जल्दी ऐसा क्रूर खेल खेलेगी।

बाइक के परखच्चे उड़ गए

मंगलवार 10 मार्च की शाम नवविवाहित उमेश कुमार किसी काम से त्रिवेणीगंज बाजार गया था और काम खत्म करने के बाद अपनी बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के श्रीपुर विशनपुर गांव के पास जदिया त्रिवेणीगंज सड़क मार्ग एनएच-327E पर सामने से आ रही एक अन्य बाइक और उमेश की बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखचे उड़ गए और उमेश गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया।

'लास्ट गोटी है दोस्त, मत काटना'...

लूडो खेल रहे साथी ने कर दिया अनसुना, गोली मारकर की हत्या

महानगर नेटवर्क

भागलपुर

भागलपुर जिले के पीरपैंती में पूर्व फौजी के बेटे और प्रॉपर्टी कारोबारी ऋषभ झा की हत्या के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह हत्या लूडो खेल के दौरान हुए विवाद से शुरू हुई और बाद में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर इसे अंजाम दिया।

पुलिस के मुताबिक घटना वाले दिन ऋषभ झा अपने दोस्तों के साथ बैठकर लूडो खेल रहा था। खेल के दौरान मुख्य आरोपी सौरभ साह उर्फ मयंक गुप्ता की आखिरी गोटी बची हुई थी। हार के करीब पहुंच चुके सौरभ ने मजाकिया अंदाज

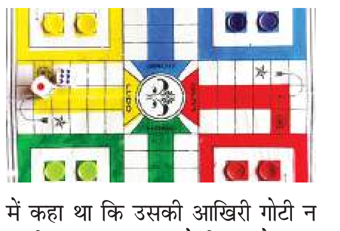

में कहा था कि उसकी आखिरी गोटी न काटी जाए, वरना वह गोली मार देगा।

हार के बाद मार दी गोली

खेल जारी रहा और चाल चलते हुए ऋषभ ने सौरभ की वही आखिरी गोटी काट दी। इससे सौरभ गुस्से में बेकाबू हो गया और उसने पिस्टल निकालकर ऋषभ पर गोली चला दी। गोली लगने से ऋषभ गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। मृतक 30 वर्षीय ऋषभ झा शेरमारी निवासी पूर्व फौजी दिलीप कुमार झा का बेटा था।

24 घंटे में 5 आरोपी गिरफ्तार

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर मुख्य आरोपी सौरभ साह उर्फ मयंक गुप्ता समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सुंदरपुर पीरपैंती निवासी भानु कुमार उर्फ संजीव कुमार शाह, प्रीतम कुमार, राहुल रंजन उर्फ मोनू कुमार और दीपक कुमार शामिल हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी सौरभ को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर से और उसकी निशानदेही पर चार अन्य आरोपियों को पीरपैंती रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से हत्या में इस्तेमाल की गई पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, एक खोखा और मोबाइल फोन बरामद किया है।

हत्या के पीछे साजिश का शक

पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि घटना के बाद आरोपी और उसके दोस्तों ने इसे छिपाने की कोशिश की। घायल ऋषभ को पहले पीरपैंती के एक निजी अस्पताल ले जाया गया और बाद में देर रात जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां अगली सुबह उसकी मौत हो गई।

रेड पड़ते ही खिड़की से फेंके नोटों के बंडल

अधिकारियों ने कचरे से निकाले 5 लाख

पटना। पटना में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी पंकज कुमार के 3 ठिकानों पर विशेष निगरानी इकाई (SVU) की रेड चल रही है। टीम जैसे ही पंकज कुमार के घर में दाखिल हुई वो खिड़की से नोटों के बंडल फेंकने लगे। टीम ने कचरे के ढेर से 5 लाख रुपए जब्त किए हैं। अब तक की कार्रवाई में 15 लाख कैश जब्त किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि रेड जारी है ये आंकड़ा बढ़ भी सकता है। पंकज कुमार मूल रूप से मुजफ्फरपुर के कांटी इलाके के रहने वाले हैं। वो बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BMSICL) के DGM (प्रोजेक्ट) हैं। आय से अधिक संपत्ति मामले में गुरुवार को उनके 2 घरों और ऑफिस पर छापेमारी की गई है। SVU टीम ने अहले सुबह लगभग 8 बजे पटना के कदमकुंआ इलाके स्थित कनिका मैहर अपार्टमेंट में छापेमारी की।

व्यापार

औंधे मुंह गिरा शेयर बाजार, निवेशकों के 10 लाख करोड़ स्वाहा!

मुंबई। गुरुवार, 12 मार्च को बाजार खुलते ही ऐसा दबाव बना कि सेंसेक्स और निफ्टी दोनों औंधे मुंह गिर पड़े। आम निवेशक जो अपनी गाढ़ी कमाई बाजार में लगाकर मुनाफे की उम्मीद कर रहे थे, उनके पोर्टफोलियो को तगड़ा झटका लगा है। दिनभर के भारी उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 829 अंक टूटकर 76,034 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 227 अंक फिसलकर 23,639 पर आ गया। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी लगभग 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

इस तेज बिकवाली के कारण निवेशकों की संपत्ति में करीब 10 लाख करोड़ रुपए की गिरावट

दर्ज की गई। गुरुवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 450 लाख करोड़ रुपए से घटकर करीब 440 लाख करोड़ रुपए रह गया। इस उठापटक के पीछे केवल एक वजह नहीं है, बल्कि दुनिया भर से आ रही कई नकारात्मक खबरों ने मिलकर भारतीय बाजार का मूड बुरी तरह बिगाड़ दिया है। आइए समझते हैं कि आखिर बाजार में इतनी घबराहट क्यों है और कौन से वो कारण हैं जिन्होंने बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है।

विदेशी निवेशकों की भारी निकासी

दूसरी तरफ, विदेशी संस्थागत निवेशक (FII) भी बाजार से अपना हाथ खींच रहे हैं। मार्च के महीने में ही वे अब तक 39,100 करोड़ रुपए से ज्यादा की निकासी कर चुके हैं। लगातार नौवें दिन बिकवाली करते हुए उन्होंने 6,267 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। हालांकि घरेलू निवेशक (DII) बाजार को थामने की कोशिश जरूर कर रहे हैं, लेकिन विदेशी फंड्स की निकासी का दबाव बहुत ज्यादा है।

LPG के बाद CNG ने बढ़ाई चिंता

ऑटो रिक्शा का किराया बढ़ा, Ola-Uber पर भी असर

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में युद्ध का असर अब भारत की सड़कों पर भी दिखने लगा है। कई शहरों में ऑटोमोटिव LPG और CNG की भारी कमी हो गई है, जिससे CNG ऑटो रिक्शा का किराया बढ़ गया है। चेन्नई में ऑटो रिक्शा यूनियन के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में गैस से चलने वाले लगभग एक-चौथाई ऑटो-रिक्शा को ईंधन नहीं मिल पाया। इससे हजारों ड्राइवरों को महंगे पेट्रोल पर वापस जाना पड़ रहा है या फिर ऑटो बंद करके बैठना पड़ रहा है। इतना ही नहीं, ब्लैक मार्केट में ईंधन की कीमत सरकारी दर से करीब 30% ज्यादा हो गई है, जिसके कारण औसत किराया लगभग 50 तक बढ़ गया है। ईंधन की कमी के कारण चेन्नई की सड़कों पर चलने वाले वाहनों की संख्या तेजी से कम हो रही है। तमिलनाडु ऑटो थोझिलालार्गल सम्मेलनम के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष एस बालासुब्रमण्यम ने बताया कि गैस से चलने वाले करीब 25% ऑटो को कल गैस नहीं मिल पाई। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह कमी जारी रही तो और ज्यादा ऑटो बंद हो सकते हैं और हजारों ड्राइवरों की रोजी-रोटी पर खतरा आ सकता है।

अब छोटे बच्चे भी चला सकेंगे वॉट्सएप

नई दिल्ली। वॉट्सएप को ऑपरेट करने वाली कंपनी मेटा ने 'पेरेंट-मैनेज्ड' अकाउंट मॉडल पेश किया है। इससे अब 13 साल से कम उम्र के बच्चे भी वॉट्सएप का इस्तेमाल कर सकेंगे। अब तक वॉट्सएप इस्तेमाल करने की न्यूनतम उम्र 13 साल थी। इस नए फीचर में माता-पिता या अभिभावक अपने बच्चों के अकाउंट को पूरी तरह कंट्रोल कर पाएंगे। कंपनी का कहना है कि यह फीचर एक्सपर्ट्स और परिवारों के सुझावों के बाद तैयार किया गया है ताकि बच्चे सुरक्षित तरीके से मैसेजिंग और कॉलिंग कर सकें।

बीएसई और एनएसई के मेनबोर्ड पर सूचीबद्ध हुआ INA Solar का शेयर

जयपुर। सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड (INA Solar) ने सोमवार, 9 मार्च को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने 1 रुपए अंकित मूल्य के 22,03,94,625 इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) के मेनबोर्ड पर सफलतापूर्वक सूचीबद्ध कर लिया। कंपनी इससे पहले बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध थी और अब उसे बीएसई मेनबोर्ड पर माइग्रेशन तथा एनएसई के कैपिटल मार्केट सेगमेंट (मेनबोर्ड) पर सीधी

लिस्टिंग की अंतिम मंजूरी प्राप्त हुई थी। सोमवार से कंपनी के शेयर दोनों प्रमुख एक्सचेंजों पर कारोबार के लिए उपलब्ध हो गए हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर जयपुर में आयोजित समारोह में राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल नागर मुख्य अतिथि, जयपुर के पूर्व सांसद श्री रामचरण बोहरा विशिष्ट अतिथि तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के चीफ मैनेजर श्री जसवंत जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

एम.पी. अहमद 'बिजनेस भूषण' पुरस्कार से सम्मानित

ठाणे। मालाबार ग्रुप के चेयरमैन, श्री एम.पी. अहमद को लोकमत महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर अवाड्र्स 2026 में प्रतिष्ठित बिजनेस भूषण अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान उनके दूरदर्शी नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी रिटेल क्षेत्र के साथ-साथ समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया है। मुंबई के ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित इस भव्य समारोह में राजनीति, उद्योग और मनोरंजन जगत की दिग्गज हस्तियां शामिल

हुईं। पुरस्कार वितरण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया। इस अवसर पर लोकमत के चेयरमैन विजय दरड़ा, कई मंत्री, अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं।

केनस्टार लाया भारत के पहले 5-स्टार बीईई रेटेड एयर कूलर

मुंबई/गुरुग्राम। केनस्टार, जो पिछले 30 सालों से भारत के भरोसेमंद होम अप्लायंस ब्रांड्स में से एक है, ने बिजली की बचत और कूलिंग के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने भारत के पहले 5-स्टार बीईई रेटेड एयर कूलर लॉन्च किए हैं, जिन पर 5 साल की पक्की वारंटी दी जा रही है। इस नई शुरुआत के साथ केनस्टार ऐसा पहला ब्रांड बन गया है जो सर्टिफाइड बिजली बचत को लंबी वारंटी के भरोसे के साथ जोड़ रहा है। इससे ग्राहकों को कम बिजली बिल, दमदार परफॉरमेंस और लंबे समय तक चलने वाली कूलिंग का फायदा मिलेगा।

लॉन्च के साथ ही केनस्टार ने एक खास कैंपेन भी शुरू किया है, जिसमें बॉलीवुड स्टार राजकुमार राव और पत्रलेखा नज़र आ रहे हैं। इस कैंपेन के जरिए 'भारत का पहला 5-स्टार और 5 साल की वारंटी' का मैसेज बहुत ही आसान और दिलचस्प तरीके से लोगों तक पहुँचाया जा रहा है।

अब मिलेगी कम बिजली में दमदार कूलिंग

केनस्टार के 50 से ज्यादा एयर कूलर मॉडल्स घरों से लेकर दुकानों और ऑफिसों तक, हर जगह के लिए फिट हैं। कंपनी का वादा साफ है—हर जगह के लिए सही कूलिंग, वो भी बिजली की बचत और परफॉरमेंस से समझौता किए बिना। इन कूलरों में BLDC Maxx तकनीक है जो कम बिजली में ज्यादा हवा देती है। क्वाड्रा फ्लो तकनीक हवा को चारों तरफ फैलाती है, जबकि हाइड्रो डेंस मेश हनीकॉम्ब कूलिंग पैड्स ठंडी और ताजी हवा देते हैं। साथ ही, इसकी मजबूत डबल बॉल बेयरिंग मोटर लंबे समय तक बिना रुके काम करती है।

लॉन्च के मौके पर केनस्टार के सीईओ सुनील जैन ने कहा, "हमारे लिए इनोवेशन का मतलब सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि लोगों की जिंदगी को आसान बनाना है। हमारी नई रेंज में बेहतरीन परफॉरमेंस, बिजली की सबसे ज्यादा बचत और लंबे समय का भरोसा—सब एक साथ मिलता है। यह लॉन्च दिखाता है कि हम भारतीय घरों को सही मायनों में उच्च गुणवत्ता और वैल्यू देना चाहते हैं।"

जॉन डियर पावर एंड टेक्नोलॉजी ने ट्रैक्टर पेश किया

मुंबई। डियर एंड कंपनी कृषि, निर्माण और फॉरेस्ट्री क्षेत्रों में एक वैश्विक टेक्नोलॉजी लीडर है, जो अपने ग्राहकों, चैनल भागीदारों, आपूर्तिकर्ताओं और कर्मचारियों की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। जॉन डियर लगातार एक टेक्नोलॉजी कंपनी के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत कर रहा है और दुनिया के कई हिस्सों में इन क्षेत्रों में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। भारत में पिछले 27 वर्षों से अधिक समय से जॉन डियर खेती-किसानी के लिए तकनीकी रूप से उन्नत समाधान प्रदान करता आ रहा है। इन समाधानों का उद्देश्य खेती की उत्पादकता बढ़ाना है, साथ ही मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा, जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन जैसे टिकाऊ खेती के महत्वपूर्ण पहलुओं को भी मजबूत करना है।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं डांगट मीडिया प्रा.लि., 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबर: 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

प्रदेश में जमीन के मुकदमों में आएगी भारी कमी!

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार संपत्ति पंजीकरण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिनियम में संशोधन की तैयारी कर रही है। प्रस्ताव के अनुसार अब किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री से पहले खतौनी और स्वामित्व से जुड़े अन्य अभिलेखों का अवलोकन और परीक्षण किया जाएगा। वर्तमान समय में कई मामलों में संपत्ति का विक्रय ऐसे लोगों द्वारा किया जा रहा है जिनका उस संपत्ति पर अधिकार नहीं होता। इसके अलावा निषेधित या प्रतिबंधित संपत्तियों का विक्रय, किसी व्यक्ति द्वारा अपने अधिकार से अधिक भूमि का विक्रय, कुर्क की गई संपत्तियों की बिक्री और केंद्र या राज्य सरकार की संपत्तियों के विक्रय विलेख का पंजीकरण भी कर लिया जाता है। इससे कई तरह के विवाद सामने आते हैं और आम लोगों को मुकदमेबाजी और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

सरकार का कहना है कि रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 और उससे संबंधित नियमावली के तहत उपनिबंधक को किसी दस्तावेज के पंजीकरण से इनकार करने के

सीमित अधिकार प्राप्त हैं। अधिनियम की धारा 35 के तहत ही पंजीकरण से इनकार किया जा सकता है, जिसके कारण कई विवादित संपत्तियों की रजिस्ट्री भी हो जाती है। इन समस्याओं को देखते हुए अन्य राज्यों में समय-समय पर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम और नियमावली में संशोधन कर नियंत्रण के प्रयास किए गए हैं। इसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव लाया गया है।

विधेयक को विधानमंडल में पेश करेगी सरकार

प्रस्ताव के अनुसार वर्तमान रजिस्ट्रीकरण अधिनियम में धारा 22 और 35 के बाद नई धाराएं 22-ए, 22-बी और 35-ए जोड़ी जाएंगी। प्रस्तावित धारा 22-ए के तहत कुछ विनिर्दिष्ट श्रेणियों के दस्तावेजों को पंजीकरण के लिए प्रतिबंधित किया जा सकेगा। धारा 22-बी में पंजीकरण से पहले अचल संपत्ति की पहचान से संबंधित प्रावधान किए गए हैं। वहीं धारा 35-ए के तहत यह व्यवस्था होगी कि धारा 17(1) के अंतर्गत आने वाली अचल संपत्ति के पंजीकरण के लिए प्रस्तुत दस्तावेजों के साथ स्वामित्व, अधिकार, पहचान, वैध कब्जे या अंतरण से जुड़े वे सभी दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा जिन्हें राज्य सरकार अधिसूचना के माध्यम से निर्धारित करेगी। यदि ऐसे दस्तावेज संलग्न नहीं होंगे तो पंजीकरण अधिकारी को पंजीकरण से इनकार करने का अधिकार होगा।

सरकार का कहना है कि इस व्यवस्था के लागू होने से विवादित या अवैध संपत्तियों की रजिस्ट्री पर रोक लग सकेगी और आम लोगों को अनावश्यक मुकदमों और परेशानियों से राहत मिलेगी। प्रस्तावित संशोधन भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची की समवर्ती सूची की प्रविष्टि 6 के अंतर्गत लाया जा रहा है। मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिलने के बाद संबंधित विधेयक को विधानमंडल में पेश कर उसकी स्वीकृति प्राप्त की जाएगी।

राम मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने अयोध्या पहुंचे सीएम योगी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। इस दौरान राम कथा पार्क हेलीपैड स्थल पर जनप्रतिनिधियों ने सीएम का स्वागत किया। इसके बाद सबसे पहले हनुमान गढ़ी पर दर्शन पूजन किया और फिर राम मंदिर, राम जन्मभूमि परिसर पहुंचे, रामलला का दर्शन किया। । इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के साथ अयोध्या प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, एडीजी जोन प्रवीण कुमार समेत शासन के भी कई अधिकारी अयोध्या मौजूद रहे। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 19 मार्च को अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे श्रीराम यंत्र की स्थापना वैदिक आचार्यों के वेद मंत्रोच्चारण से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया जायेगा। इस दौरान राष्ट्रपति के राम मंदिर में पहुंचने पर मात्र आधे घंटे पहले यानी 11.30 से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का प्रवेश रोका जाएगा और दोबारा 1 बजे से श्रद्धालुओं को रामलला का दर्शन होगा। अयोध्या में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर सीएम योगी इस कार्यक्रम कुशल संपन्न होने के लिए गुरुवार को समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, विधायक राजमन चंद्र यादव, विधायक अभय सिंह, विधायक अमित सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, मेयर गिरीश पति त्रिपाठी, एडीजी जोन प्रवीण कुमार, मंडलायुक्त राजेश कुमार, डीआईजी सोमेन वर्मा, जिलाधिकारी टीकाराम फुंडे समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

मसूरी से छह लोग देश विरोधी गतिविधियों में गिरफ्तार

यूट्यूबर सलीम पर हमला करने वालों के संपर्क में थे सभी

गाजियाबाद। पुलिस, एटीएस और आईबी की टीम ने गुरुवार को गाजियाबाद के मसूरी स्थित नाहल गांव से छह लोगों को गिरफ्तार किया। इन पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। गिरफ्तार किए गए लोगों में शावेज (20), जुनैद (23), फरदीन (22), इकराम (36), फजलू (48) और जावेद (45) शामिल हैं।

लोनी में यूट्यूबर सलीम स्वास्तिक पर हुए हमले के बाद पुलिस की चौकसी बढ़ाई गई थी। इसी दौरान पता चला कि नाहल के ये छह व्यक्ति देश विरोधी भड़काऊ जानकारी फैला रहे थे। आरोपियों से मसूरी थाने में गहन पूछताछ की जा रही है। गांव में भी भारी पुलिसबल तैनात किया गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। अधिकारियों के स्तर पर इस पूरे मामले की निगरानी की जा रही है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास को भी खंगाल रही है। उनकी कॉल जानकारी पर भी पुलिस की टीम काम कर रही है। आईबी को यह इनपुट मिला है कि ये लोग लोनी के सलीम वास्तिक पर हमला करने वालों के संपर्क में थे। आरोप है कि गिरफ्तार किए गए सभी व्यक्ति देश विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से

शामिल थे। ये लोग इंटरनेट और अन्य माध्यमों से देश विरोधी भड़काऊ जानकारी प्रसारित कर रहे थे। उन्होंने अपना एक अलग समूह भी बनाया हुआ था। इस समूह के माध्यम से वे अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। लोनी में हुए हमले के बाद बढ़ी चौकसी ने इन लोगों का भंडाफोड़ किया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। आरोपियों से मसूरी थाने में पूछताछ जारी है, जिसमें और खुलासे होने की उम्मीद है। गांव में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिसबल तैनात किया गया है। अधिकारियों द्वारा मामले की लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस टीम आरोपियों की कॉल जानकारी और आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है ताकि उनके नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

'ईरान के लिए छाती पीटने वालों का बढ़िया इलाज करूंगा..'

संभल सीओ का नमाजियों को अल्टीमेटम

संभल। जिले में आने वाले अलविदा जुमे और ईद के त्योहार को लेकर कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों पुलिस अधिकारियों और शहर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इस दौरान त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। वहीं पीस कमेटी की बैठक में सीओ कुलदीप ने चेतावनी देते हुए कहा कि कुछ लोग ईरान के लिए कुछ छाती पीट रहे हैं कि ईरान को मार डाला, अगर इतना कुछ है तो चले जाओ ईरान। अगर उस झगड़े का हमारे देश में कानून व्यवस्था पर असर होगा तो हम बढ़िया वाला इलाज करेंगे। इसके साथ ही संभल सीओ ने कहा जो रील बनाने के चक्कर में

होगा उसकी हम रेल बना देंगे। हम सब त्योहार मनाने में आपके साथ हैं लेकिन कोई एक आदमी सभी व्यवस्थाओं को आकर पलीता लगा दे ये हमें बर्दाश्त नहीं है। सीओ असमोली कुलदीप सिंह ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की समस्या न पैदा हो।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में मस्जिद के बाहर या सड़क पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं होगी। नमाज केवल मस्जिद के अंदर ही पढ़ी जाएगी, प्रशासन की ओर से यह भी कहा गया कि यदि किसी मस्जिद में अधिक भीड़ होती है तो एक ही स्थान पर दो बार नमाज पढ़ी जा सकती है लेकिन सार्वजनिक स्थानों या सड़कों पर नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन ने यह भी साफ किया कि किसी भी व्यक्ति द्वारा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों जैसे ईरान या इजरायल के समर्थन में नारेबाजी या गुणगान करने की अनुमति नहीं होगी। ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी वहीं शहर के लोगों ने भी प्रशासन को भरोसा दिलाया कि वे सभी नियमों का पालन करेंगे और त्योहारों को आपसी भाईचारे के साथ मनाएंगे ताकि शहर में अमन-चैन का माहौल बना रहे।

यूपी के कई जिलों में सिलेंडर की किल्लत!

वाराणसी। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़े युद्ध के बीच उत्तर प्रदेश के कई जिलों में एलपीजी की किल्लत सामने आ रही है। गौतमबुद्धनगर से गोरखपुर तक कई हिस्सों में दावा है कि समय पर एलपीजी नहीं मिल रही है। कई जगह से तो शिकायत यह भी है कि बुकिंग हुई और डिलिवरी भी लेकिन उपभोक्ता तक गैस नहीं पहुंचा।

इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को आदेश दिया है कि फील्ड में उतरें और उपभोक्ताओं की शिकायत दूर करें। इस क्रम में कई जिलों में अधिकारियों ने छापे मारे। नोएडा के सेक्टर-18 स्थित जेआरवीपी भारत गैस एजेंसी में घरेलू गैस बुकिंग को लेकर अजीब मामला सामने आया, जिसे लेकर उपभोक्ताओं ने एजेंसी के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिना बुकिंग किए ही उनके नाम पर गैस सिलेंडर बुक

होकर डिलीवर दिखा दिया गया, जिससे उन्हें सिलेंडर नहीं मिल रहा है। उपभोक्ता सुमन कुमार के भाई सुधांशु कुमार जब एजेंसी पहुंचे तो यह मामला सामने आया। ऐसे कई उपभोक्ता सामने आए जिन्हें गैस नहीं मिल रही थी। नाराज़ लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया, हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर लोगों को शांत कराया और गैस उपलब्ध कराने का भरोसा दिया, जिसके बाद लोग वहां से हट गए। वहीं कानपुर के नजीराबाद थाना क्षेत्र में गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

शादी में आए गैंगस्टर के सौतेले पिता की हत्या

महानगर नेटवर्क
बागपत

जिले के दोघट कस्बे में मंगलवार रात शादी में आए शामली के बहावड़ी गांव के पूर्व प्रधान के पति और कुख्यात सागर मलिक के सौतेले पिता की उसके ही गांव के दो युवकों ने गोली बरसाकर हत्या कर दी। मंगलवार रात सतेंद्र की बेटी की बारात शामली जिले के बहावड़ी गांव से आई थी।

धूम सिंह फार्म हाउस में आयोजित समारोह में रात करीब एक बजे पार्किंग में गोलियां चलने की आवाज आने पर बाराती उधर दौड़े, तो वहां बारात में आए बहावड़ी निवासी पूर्व प्रधान बबली के पति विक्की उर्फ विवेक (42 वर्ष) पुत्र वेद सिंह खून से लथपथ पड़ा हुआ था।

मौके से भाग रहा एक आरोपी तारों में उलझकर गिर पड़ा, जिसको भीड़ ने पकड़ लिया। आरोपी प्रिंस का चचेरा भाई भागने में सफल रहा। मृतक की पत्नी ने गांव के एक परिवार के चार लोगों को नामजद कर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि मृतक पर आरोपी प्रिंस के पिता की हत्या का आरोप था। 14 साल जेल में बंद रहने के बाद विक्की उर्फ विवेक जेल से बाहर आया था।

बहावड़ी निवासी हिस्ट्रीशीटर विवेक उर्फ विक्की मलिक भी 30 साल से धधक रही चुनावी रंजिश की आग की भेंट चढ़ गया। वर्ष 1992 से उपजी चुनावी रंजिश खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। तब से इस चुनावी रंजिश में दस से अधिक मौत हो चुकी है। ग्रामीणों के मुताबिक 1992 में मृतक के ताऊ महेंद्र सिंह की हत्या के बाद से हत्या के बदले हत्या सिलिसला चला आ रहा है। मृतक विक्की मलिक कुख्यात सागर मलिक का सौतला पिता था। सागर मलिक कुख्यात विक्की त्यागी की हत्या में जेल में बंद है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम के प्लांट में प्रबंधक और उप प्रबंधक की हत्या

कार से आए हमलावर ने कई गोलियां मारी

बदायूं। जिले के मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव सैजनी स्थित एचपीसीएल प्लांट के मुख्य प्रबंधक परियोजना और उप प्रबंधक की हत्या कर दी गई। कार सवार हमलावर बृहस्पतिवार दोपहर प्लांट में घुसा और वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद कार से ही भाग गया। दोहरे हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने का दावा किया है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट के नोएडा निवासी प्लांट के मुख्य प्रबंधक परियोजना सुधीर गुप्ता (55) और बरेली के रहने वाले उप प्रबंधक हर्षित मिश्रा (40) पर ऑटोमैटिक गन से ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। बताया जा रहा है कि दो से तीन गोलियां दोनों को मारी गईं हैं, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात से प्लांट में दहशत फैल गई। चीख-पुकार मच गई। इस बीच हमलावर मौका पाकर कार लेकर वहां से भाग गया। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस के साथ ही आला अफसर मौके पर पहुंच गए। गोलियां लगने से लहूलुहान प्रबंधक और उप प्रबंधक को सीएचसी दातागंज ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्होंने मृत घोषित कर दिया। गोली मारने वाला आरोपी अजय प्रताप सिंह प्लांट में ऑपरेटर के पद पर रह चुका है। इस पद से हटने के बाद से ही उसका विवाद चल रहा है। बताया जा रहा है कि कर्मचारी को कंपनी से निकालने के बाद करीब

छह महीने से विवाद चल रहा था। इससे पहले भी आरोपी छह फरवरी को प्लांट में घुसकर दोनों अफसरों पर जानलेवा हमला कर चुका था। इस मामले में दोनों ओर से मामले दर्ज कराए गए थे। दोहरे हत्याकांड के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी है। दोहरे हत्याकांड की सूचना मिलते ही प्लांट को छावनी में तब्दील कर दिया गया। कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। डीएम अवनीश राय व एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन कर जानकारी जुटाई।

नोएडा की कंपनी में लगी आग से झुलसे घायलों का डीएम ने बेहतर इलाज का दिया निर्देश

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर चार स्थित बिजली मीटर बनाने वाली कंपनी में लगी भीषण आग की घटना के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। गुरुवार को गौतमबुद्धनगर की जिलाधिकारी नोएडा सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल पहुंची और आग की घटना में घायल हुए कर्मचारियों का हालचाल जाना। उन्होंने अस्पताल में भर्ती घायलों से बातचीत कर उनका मनोबल बढ़ाया और चिकित्सकों से उपचार की विस्तृत जानकारी ली। जिलाधिकारी द्वारा गुरुवार को घायलों के हालचाल लेने के दौरान उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि सभी घायलों का उपचार पूरी संवेदनशीलता और प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी घायल कर्मचारी को इलाज में किसी तरह की लापरवाही या असुविधा

नहीं होनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भी उपचार में लगाई जाए और मरीजों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए। डीएम ने डॉक्टरों से प्रत्येक घायल की स्वास्थ्य स्थिति, उपचार की प्रक्रिया और आवश्यक मेडिकल सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि घायलों के उपचार से जुड़ी सभी रिपोर्ट और जानकारी समय-समय पर जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए, ताकि उपचार की प्रगति पर लगातार नजर रखी जा सके। इस दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल में मौजूद घायलों के परिजनों से भी मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रशासन की ओर से हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि घायलों के समुचित इलाज के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह गंभीर है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। साथ ही उन्होंने अस्पताल प्रशासन से कहा कि मरीजों की स्थिति की जानकारी उनके परिजनों को नियमित रूप से दी जाए, जिससे परिवारजनों को किसी प्रकार की अनिश्चितता या चिंता का सामना न करना पड़े।

देवरिया में मुसहर समुदाय के लिए विशेष अभियान

देवरिया। जिले में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की पहल पर मुसहर समुदाय के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि गुरुवार को जिले के पथरदेवा विकास खण्ड के मलवाबर गांव, आनन्द नगर गांव और सुन्दरपुर गांव में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े मुसहर समुदाय के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए। अभियान के तहत बड़ी संख्या में लोगों को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए गए और विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया। इस दौरान 153 लोगों के जन्म

प्रमाण पत्र जारी किए गए, जबकि 53 लोगों के नए आधार कार्ड बनाए गए। इसके अतिरिक्त 64 लोगों को आवासीय पट्टे स्वीकृत किए गए तथा 21 परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की मंशा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी व्यक्ति सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे।

आईएएस अभिषेक प्रकाश की बहाली का रास्ता साफ

14 मार्च के बाद समाप्त होगा निलंबन

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित किए गए 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश की बहाली का रास्ता साफ होता दिख रहा है। शासन के सूत्रों के अनुसार उनका निलंबन जल्द समाप्त होने जा रहा है और उनकी बहाली 14 मार्च के बाद से प्रभावी मानी जाएगी। दरअसल, अभिषेक प्रकाश के खिलाफ दाखिल चार्जशीट को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने साक्ष्यों के अभाव में रद्द कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद विभागीय स्तर पर उनकी बहाली की तैयारी पूरी कर ली गई है। गौरतलब है कि 20 मार्च 2025 को अभिषेक प्रकाश को रिश्वत मांगने के गंभीर आरोप में निलंबित किया गया था। उन पर एक सोलर कंपनी से प्रोजेक्ट मंजूरी के बदले घूस मांगने का आरोप लगा था। कंपनी की शिकायत के आधार पर सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया था। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पाया कि आरोपों की पुरुष के लिए कोई ठोस साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। इसके चलते अदालत ने उनके खिलाफ दाखिल चार्जशीट को पूरी तरह रद्द कर दिया। अदालत के फैसले के बाद अब उनकी बहाली का रास्ता साफ हो गया है। शासन सूत्रों के मुताबिक निलंबन की अवधि एक वर्ष पूरी होने से पहले इस संबंध में रिपोर्ट केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय को भेजी जानी है। इसी प्रक्रिया के तहत उनकी बहाली 14 मार्च के बाद प्रभावी मानी जाएगी।

यूपी पुलिस के सिपाही चालक की कमाई 36 लाख और खर्च किए 68 लाख, केस दर्ज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बीबीडी थाने में तैनात सिपाही चालक राहुल कुमार शुक्ला के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया गया। उस पर आरोप है कि तय अवधि में वैध आय स्त्रोत से 32,53,182.34 रुपये खर्च किए। भ्रष्टाचार निवारण संगठन में तैनात इंस्पेक्टर वकील पांडेय की तहरीर पर बुधवार को सिपाही चालक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(2) और 13(1)(बी) में केस दर्ज किया गया। मूल रूप से प्रतापगढ़ के कुंडा शहाबपुर निवासी राहुल कुमार शुक्ला की 26 अप्रैल 2003 में यूपी पुलिस में आरक्षी चालक के पद पर भर्ती हुई थी। मौजूदा समय में राहुल पीजीआई के पंचमखेड़ा मीरा विहार कॉलोनी में रहता है। उसके खिलाफ आय से अधिक की संपत्ति अर्जित करने की एक गोपनीय शिकायत हुई थी। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए शासन ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन से जांच करने का आदेश दिया था। जांच के आदेश के बाद एक तय अवधि के बीच सिपाही के वेतन, भत्ता, एरियर और बैंक खाते मिलकर 35,73,314 होनी चाहिए।

हिंदू को फर्जी केस में फंसाना चाहता था जिहादी

मथुरा। मथुरा गोवर्धन में एक जिहादी हिंदू पत्रकार को फर्जी केस में फंसाना चाहता था पत्रकार शिवकुमार राजपूत जो कि लगभग 18 साल से पत्रकारिता क्षेत्र में है भारत के बड़े-बड़े शहर में हमेशा फ्रेश कांफ्रेंस के लिए भागते रहते हैं क्योंकि शिवकुमार राजपूत का न्यूज़ एजेंसी और पी आर ओ प्रमोशन का काम है जिन्हें भारत के बड़े-बड़े शहरों में जाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी पड़ती है वह एक चर्चित नामी ईमानदार पत्रकार हैं इतना ही नहीं मुंबई में उन्होंने बहुत सारे सीरियल में भी काम किया है उनकी गिनती दबंग रिपोर्टर में आती है शिवकुमार राजपूत के ऊपर कई सीरियल बन चुके हैं उनकी अच्छी और दमदार पत्रकारिता को देखकर जब फिल्मी मैगजीन का जमाना था तो हर मैगजीन में राजपूत के लिखे हुए आर्टिकल आते थे जिनको पब्लिक बहुत पसंद करती थी बड़े से बड़े एक्टर का न्यूज़ आर्टिकल इंटरव्यू राजपूत कर चुके हैं।

अभी हाल में गोवर्धन में एक गैर सामुदायिक व्यक्ति शिवकुमार राजपूत को धमकियां दे रहा है और फर्जी केस में फसाने की कोशिश कर रहा है वह व्यक्ति लव जिहादी है और उसका बेटा भी कुछ महीने पहले लव जिहाद के सिलसिले में चर्चा में आया था इतना ही नहीं इनका एक संगठन है जो हिंदू लड़कियों को टारगेट करता है जिहादी का शराब तस्करी से जुड़ा हुआ है कुछ साल पहले शराब की तस्करी में भी उसके घर पर छापा पड़ा था।

कबाड़े की दुकान के नाम पर चोरी की गाड़ियां काटने का भी सिलसिला उस व्यक्ति से जुड़ा रहा है यह सब जानते हुए भी पता नहीं पुलिस उसके खिलाफ एक्शन क्यों नहीं लेती अभी कुछ दिन पहले उसने पत्रकार को फर्जी केस में फसाने के लिए बहुत लोगों को बोला जबकि पत्रकार ने ना डरते हुए इसकी शिकायत गोवर्धन थाना अध्यक्ष तथा उच्च अधिकारियों तक पत्र के माध्यम से पहुंचा दी है ताकि भविष्य में वह ऐसे किसी सज्जन आदमी को बदनाम न करे।

कुत्तों के हमले में चार बकरियां मरी, दो गंभीर

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी जिले के एलाऊ थाना क्षेत्र के ग्राम नगला सवी में आवारा कुत्तों के झुंड ने बाड़े में बंधी बकरियों पर हमला कर दिया। इस घटना में तीन बकरियां और एक बकरा की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि दो अन्य बकरियां गंभीर रूप से घायल हैं। पीड़ित मजदूर परिवार हरिओम श्रीवास्तव और उनके परिजनों को इस हमले से लगभग 60 हजार रुपये का नुकसान हुआ। हरिओम परिवार अपनी जीविका के लिए मजदूरी करता है और बकरियां ही उनकी जमा पूंजी थीं। घटना बुधवार की रात हुई। आवारा कुत्तों के झुंड ने बाड़े में घुसकर बकरियों पर हमला किया।बकरियों की आवाज सुनकर हरिओम और अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद कुत्तों को खेतों की ओर खदेड़ा। एलाऊ थाना पुलिस भी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची। घायल बकरियों का प्राथमिक उपचार डॉक्टरों की टीम ने किया, हालांकि उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ चुका है और यह बच्चों तथा पशुओं के लिए खतरा बन गया है।

शंकराचार्य से मुलाकात के बाद बोले अखिलेश

"गाय सेवा के लिए पहले भी फैसले लिए, आगे भी करेंगे"

लखनऊ। जिले में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से उनके धरना स्थल पर मुलाकात की। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि वह शंकराचार्य से आशीर्वाद और ज्ञान लेने के लिए वहां पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि शंकराचार्य जी से मिलकर उन्हें बहुत सकारात्मक ऊर्जा मिली है। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि समाजवादी सरकार के समय गायों की सेवा और संरक्षण को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब समाजवादी सरकार थी तो उस समय गाय की सेवा को लेकर हमने कई निर्णय लिए थे। भविष्य में भी गाय की

सेवा के लिए जो कुछ भी संभव होगा, वह हम जरूर करेंगे। प्रदेश की मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश में सरकार ठीक तरीके से नहीं चल रही है। उन्होंने एक बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि सुनने में आया है कि दोनों डिप्टी सीएम को डांट कर बाहर निकाल दिया गया है। अखिलेश यादव ने यह भी तंज कसा कि हो सकता है जनता के बीच जाने पर मौजूदा सरकार के लोग जीत ही न पाएं। महंगाई और रसोई गैस की उपलब्धता के मुद्दे पर भी उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के गलत फैसलों की वजह से लोगों को दोबारा लकड़ी के चूल्हों पर खाना बनाने की नौबत आ सकती है।

इजरायली हमलों से दहल उठा बेरूत

दक्षिणी इलाकों में इमारतें तबाह, हजारों लोग घर छोड़ने को मजबूर

महानगर नेटवर्क

बेरूत

लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी इलाकों में गुरुवार को इजरायली हवाई हमलों के बाद भारी तबाही का मंजर देखने को मिला। शहर के कई इलाकों में इमारतें पूरी तरह से ढह गईं और सड़कों पर मलबा बिखर गया। हमलों के बाद आसपास के इलाकों में धुएं के गुबार और आग की लपटें दिखाई दीं। स्थानीय लोगों के मुताबिक रात और सुबह के समय कई जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इन धमाकों के बाद कई इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। बचाव दल और स्थानीय लोग मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

हिज्बुल्लाह के ठिकानों को बनाया निशाना

इजरायल की सेना का दावा है कि उसके हमले लेबनान में सक्रिय संगठन हिज्बुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाकर किए जा रहे हैं। सेना के मुताबिक, ये हमले उस बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए हैं, जिसे हिज्बुल्लाह अपने सैन्य अभियानों के लिए इस्तेमाल करता है। इजरायली सैन्य अधिकारियों ने बताया कि लेबनान के कई हिस्सों में हवाई हमलों और छापेमारी की कार्रवाई जारी है। इन हमलों में राजधानी बेरूत भी शामिल है, जहां गुरुवार सुबह शहर के मध्य हिस्से में भी जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। तनाव तब और बढ़ गया जब 2 मार्च को हिज्बुल्लाह ने एक साल से ज्यादा समय बाद पहली बार इजरायल पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यह हमला उस समय हुआ जब इजरायल और अमेरिका ने इरान पर हमले शुरू किए, जिससे मध्य पूर्व में युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई। इसके बाद से दोनों पक्षों के बीच हमले और जवाबी कार्रवाई तेज हो गई। इस टकराव ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति को और ज्यादा संवेदनशील बना दिया है। इजरायली हमलों और चेतावनियों के बाद लेबनान के कई इलाकों से बड़े पैमाने पर लोगों का पलायन शुरू हो गया है। दक्षिणी लेबनान, पूर्वी बेक्का वैली और बेरूत के दक्षिणी उपनगरों के लाखों लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। इस संघर्ष के दौरान अब तक लेबनान में 600 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा करीब 8 लाख लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं। छोटे से देश लेबनान के लिए यह मानवीय संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है।

उपनगरों में फैला मलबा और धुआं

बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में कई सड़कों पर इमारतों के अवशेष और भारी मलबा फैला हुआ है। हमलों के बाद कई जगहों पर बड़ी आग लग गई, जिससे आसमान में काले धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। कई रिहायशी और व्यावसायिक इमारतें पूरी तरह से नष्ट हो गईं, जबकि कई इमारतें आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुई हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को प्रभावित इलाकों से दूर रहने की सलाह दी है। इन हमलों के कारण इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है और कई परिवार सुरक्षित जगहों की तलाश में निकल पड़े हैं।

इराक ऑयल टैंकर अटैक

भारतीय दूतावास ने बचाई 15 भारतीयों की जान

महानगर नेटवर्क

बगदाद

इराक स्थित भारतीय दूतावास ने 11 मार्च को इराक के बसरा तट के पास एक तेल टैंकर पर हुए हमले के बाद 15 भारतीय क्रू मेंबर्स को सफलतापूर्वक बचा लिया है। भारतीय दूतावास अपने नागरिकों व स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में है और बचाए गए भारतीयों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच चल रही जंग के कारण स्थिति नाजुक बनी हुई है। इस बीच मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले और कथित तौर पर अमेरिकी स्वामित्व वाले कच्चे तेल के टैंकर 'सेफसी विष्णु' पर इराक के बसरा के पास हमला हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला ईरान की एक सुसाइड बोट द्वारा किया गया था। हालांकि इस दुर्भाग्यपूर्ण हमले में एक भारतीय क्रू सदस्य की मौत हो गई है। क्षेत्र में चल रहे तनाव के कारण इराक की राजधानी बगदाद स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारी पहले से ही अलर्ट थे और इलाके में चल रही तमाम गतिविधि पर नजर बनाए हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही भारतीय दूतावास ने तुरंत बाकी 15 भारतीय सदस्यों को सुरक्षित स्थान (संभवतः बसरा के पास एक छोटे द्वीप) पर पहुंचा दिया है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''11 मार्च, 2026 को मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले यूएस के क्रूड ऑयल टैंकर सेफसी विष्णु पर इराक के बसरा के पास हमला हुआ, जिसमें बदकिस्मती से एक भारतीय क्रू मेंबर की जान चली गई। बाकी 15 भारतीय क्रू मेंबर्स को सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया गया है। बगदाद में भारतीय दूतावास इराकी अधिकारियों और बचाए गए भारतीय नाविकों के साथ रेगुलर संपर्क में है और हर मुमकिन मदद दे रहा है। दूतावास मृतक क्रू मेंबर के परिवार वालों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता है।''

'ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार'

रूस की अमेरिका-इजरायल को फटकार

मॉस्को। अमेरिका-इजरायल के हमलों के खिलाफ रूस खुलकर ईरान के साथ खड़ा है। वह लगातार ईरान के पक्ष में बयानबाजी कर रहा है। रूस ने मध्य पूर्व के देशों पर ईरान के हमलों को जायज ठहराया है। उसने कहा है कि ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार है। इससे पहले भी रूस ने ईरान को खुले समर्थन का ऐलान किया है।

रूस की ईरान के साथ रक्षा साझेदारी भी है, जिसके तहत दोनों देश हथियारों का आदान-प्रदान भी करते हैं। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि UN चार्टर के आर्टिकल 51 के मुताबिक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के सेल्फ-डिफेंस के अधिकार है। उन्होंने कहा कि मने टारगेट और पड़ोसी अरब देशों या ईरान या कहीं भी सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करना नामंजूर माना है। हम यूनाइटेड स्टेट्स और इजरायल से डिसइंगेजमेंट रोकने और बातचीत की टेबल पर लौटने की अपील करते हैं।

उन्होंने कहा, मौजूदा स्टैंडऑफ में कम से कम हर पार्टिसिपेंट के लिए, जिसमें हमारे अरब पार्टनर भी शामिल हैं, संयम बरतना, डबल स्टैंडर्ड से बचना और अच्छे पड़ोसी के सिद्धांत पर इस टकराव को खत्म करने की कोशिशों पर लौटना जरूरी है। रूस मिडिल ईस्ट में इस टकराव को जल्दी खत्म करने और सभी झगड़ों को शांतिपूर्ण तरीकों से सुलझाने के लिए कदम उठाता रहेगा और हम फारस की खाड़ी में कॉमन और इंडिविजुअल सिक्योरिटी के अपने कॉन्सेप्ट को बढ़ावा देना चाहते हैं, जिससे अब इस इलाके के सभी देशों का ध्यान रखा जा सकेगा।

तो भूल जाएंगे संयम, बहा देंगे खून

ईरानी संसद के स्पीकर US को दे रहे भड़काऊ चेतावनी

तेहरान। मध्य-पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कलीबाफ ने गुरुवार को अमेरिका को दो टूक चेतावनी दी है कि अगर फारस की खाड़ी में स्थित ईरानी द्वीपों पर किसी भी प्रकार का हमला किया गया तो ईरान संयम भूल जाएगा और फारस की खाड़ी को हमलावरों के खून से रंग देगा। क़लिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखे संदेश में कहा कि अगर ईरानी द्वीपों को निशाना बनाया गया तो फारस की खाड़ी हमलावरों के खून से भर जाएगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब क्षेत्र में सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है।

ईरान ने आज भी इराकी तट के पास दो विदेशी तेल टैंकरों पर हमला करके तेल आपूर्ति को बाधित करने की कोशिश की है। ब्रिटेन की मैरीटाइम एजेंसी ने कहा है कि फारस की खाड़ी में एक और जहाज पर हमला हुआ, जो पिछले दो दिनों में छठा हमला है। बता दें कि ईरान के कई द्वीप रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनमें खार्ग द्वीप विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ईरान के प्रमुख तेल निर्यात टर्मिनलों में से एक है। इसके अलावा कुछ द्वीपों पर ईरान के सैन्य अड्डे भी मौजूद हैं।

राहुल पर भड़के केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से देश में लगातार एलपीजी और तेल की किल्लत की खबरें सामने आ रही हैं। संसद में भी विपक्ष इन्हीं मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार सरकार पर हमला बोल रहे हैं, अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर तीखा पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि वह सदन में मुद्दा उठाकर बहस में हिस्सा नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को खुद ही पता नहीं है कि उनका दिमाग और शरीर कहां है।

लोकसभा में राहुल गांधी की कम उपस्थिति का दावा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल लोकतंत्र के दुश्मन हैं। उन्होंने कहा कि किसी को नहीं पता कि राहुल गांधी का मन कहाँ है और उनका शरीर कहाँ है, शायद उन्हें खुद भी नहीं पता। लोगों को उनकी तस्वीर किसी मनोवैज्ञानिक को भेजनी पड़ेगी। शायद कोई मनोवैज्ञानिक ही इसे ढूंढ पाएगा। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल लोकतंत्र के दुश्मन हैं। यह लोग गरीबों का पैसा बर्बाद करते हैं क्योंकि लोकसभा की बहस में ही हिस्सा नहीं लेते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर किसी भी मुद्दे पर विपक्ष के पास कहने के लिए कुछ है तो उन्हें सदन चलने देना चाहिए और वहीं पर अपनी बात रखनी चाहिए।

दि ओरिएण्टल इन्शुरन्स कंपनी लिमिटेड

(भारत सरकार यू/टेकिंग)
मुंबई रीजनल ऑफिस 3
छठी मंज़िल, टाउन सेंटर, टावर-1, अंधेरी (E), मुंबई-400059
फोन नंबर: 022-41042201. IRDA रजिस्ट्रेशन नंबर 556. CIN U66010DL1947GO1007158

सूचना

सभी पॉलिसी होल्डर्स/स्टेकहोल्डर्स और आम जनता को बताया जाता है कि मुंबई रीजनल ऑफिस-3 के तहत आने वाले और महाराष्ट्र राज्य में मौजूद नीचे दिए गए ऑफिस को शिफ्ट/रीऑर्गेनाइज़ किया जा रहा है और ये IRDA रेगुलेशंस (प्लेस ऑफ़ बिज़नेस रेगुलेशंस-2015) के अनुसार 11-मई-2026 से नए ऑफिस से काम करेंगे। पॉलिसी/क्लेम या किसी दूसरी सर्विस से जुड़ी सर्विस नीचे दिए गए टेबल में बताए गए नए ऑफिस देंगे।

जिस कार्यालय को स्थानांतरण किया जाना है उसका नाम	ऑफिस कोड	जिस कार्यालय में स्थानांतरण किया जाना है उसका नाम	संपर्क नंबर और ईमेल-आईडी
पनवेल- बी. ओ. दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड शॉप नंबर 1,2,3,4, नीलकंठ प्रेस्टीज, प्लॉट नंबर 73, पनवेल. जिला: रायगढ़, 410206' महाराष्ट्र.	131600	पनवेल- 131600 (नया पता) दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड विंध्य कमर्शियल कॉम्प्लेक्स चौथी मंज़िल सेक्टर-11, प्लॉट नंबर-1 CBD बेलापुर,नवी मुंबई पिन कोड-400614	श्री मिथलेश चौबे। सीनियर बिज़नेस मैनेजर। फ़ोन नंबर 022- 27454698 / 8850400212 ईमेल- mithlesh.chaubay@orientalinsurance.co.in
कार्यालय का नाम जिसको पुनर्गठित किया जाएगा	**ऑफिस कोड**	**जिस कार्यालय में स्थानांतरण किया जाना है उसका नाम**	**संपर्क नंबर और ईमेल-आईडी**
बेलापुर-बी. ओ. दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड विंध्य कमर्शियल कॉम्प्लेक्स चौथी मंज़िल, सेक्टर-11, प्लॉट नंबर-1 CBD बेलापुर, नवी मुंबई 400614	131601	पनवेल- 131600 दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड विंध्य कमर्शियल कॉम्प्लेक्स चौथी मंज़िल, सेक्टर-11, प्लॉट नंबर-1 CBD बेलापुर,नवी मुंबई पिन कोड-400614	श्री मिथलेश चौबे। सीनियर बिज़नेस मैनेजर। फ़ोन नंबर 022- 27454698 / 8850400212 ईमेल- mithlesh.chaubay@orientalinsurance.co.in
माहिम-बी. ओ. दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड 8, विश्व विनय बिल्डिंग जॉनसन एंड जॉनसन के पीछे भोगोजी कीर मार्ग, माहिम मुंबई – 400016	131102	अंधेरी-131100 दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, दूसरी मंज़िल, डी.जे. हाउस, विल्सनपेन कंपाउंड ओल्डनगरदास,सबवे के पास अंधेरी (E) : पिन कोड: 400069	श्रीमती अस्मिता सोनवणे। चीफ बिज़नेस मैनेजर फ़ोन नंबर: 02228245001,28246128 मोबाइल नंबर: 9892428180 ईमेल आईडी: asmita.s@orientalinsurance.co.in

-हस्ताक्षरित-
मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक

फारूक अब्दुल्ला बोले- ऊपर वाले ने बचाया

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर बुधवार रात एक व्यक्ति ने फायरिंग कर दी। हमलावर ने सिर पर कुछ इंच दूर से गोली चलाई थी। गनीमत रही कि सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर का हाथ ऊपर कर दिया और उन्हें गोली नहीं लगी। अधिकारियों के मुताबिक फारूक जम्मू में एक शादी समारोह में पहुंचे थे। उनके साथ राज्य के डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी भी थे। फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा- मुझे ऊपर वाले ने बचाया है। शादी से निकलते समय मैंने कुछ आवाज सुनी, मुझे लगा कि यह पटाखा है। बाद में मुझे बताया गया कि एक आदमी ने पिस्तौल से दो गोलियां चलाईं। सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव किया, जिससे हथियार ऊपर की ओर हो गया और नुकसान होने से बच गया। वहीं, हमलावर कमल ने पुलिस को बताया कि वह पिछले 20 सालों से फारूक अब्दुल्ला को मारना चाहता था। हमलावर को कोर्ट ने 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू में फायरिंग की घटना के बाद फारूक अब्दुल्ला से फोन पर बात की और उनका हालचाल पूछा। मेरे पास मेरी सिक्योरिटी की तारीफ करने के लिए शब्द नहीं हैं। लोकल पुलिस वाले, मेरे साथ रहने वाले सिक्योरिटी वाले और NSG के सदस्य शामिल थे, जो मेरी सुरक्षा के लिए मेरे सामने खड़े थे। मैं उस आदमी को नहीं जानता, न ही किसी ने मुझे उसके बारे में कभी कुछ बताया।

2030 तक भारतीय एचवीएसी मार्केट 29.4 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

हीटिंग, वेंटिलेशन, एयर कंडीशनिंग (एचव्हीएसी) और इंटेलिजेंट बिल्डिंग एक्सीलेंस के लिए दक्षिण एशिया के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म 'एकरेक्स इंडिया' प्रदर्शनी का आज बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर में शानदार शुभारंभ हुआ। 'इंडियन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एंड एयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स' (ईशरे) द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी 12 से 14 मार्च तक चल रही है, जिसमें 40 से अधिक देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक शामिल हुए हैं। तीव्र शहरीकरण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के कारण, भारतीय एचवीएसी मार्केट के 2030 तक 29.4 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार करने का अनुमान है, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर इस क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बनकर उभरा है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन वोल्टास लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मुकुंदन मेनन, डैनफॉस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष श्री रविचंद्रन पुरुषोथमन, ईशरे के सोसाइटी अध्यक्ष श्री जयंता कुमार दास और उद्योग जगत के अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर श्री मुकुंदन मेनन ने उद्योग की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा, भारतीय एचवीएसी उद्योग 15% की वार्षिक दर से बढ़ रहा है और अगले पांच वर्षों में इसके दोगुना होने की संभावना है। वर्तमान में भारत में हर साल 1.5 करोड़ रेजिडेंशियल एसी यूनिट्स बेची जाती हैं, जो 2030 तक 3 करोड़ तक पहुंच जाएंगी।

अभियुक्त आरोपी व्यक्ति की उपस्थिति हेतु उद्घोषणा

अभियोग पत्र जिसमें आरोपित व्यक्ति की उपस्थिति अनिवार्य की गई है।
(धारा 82 देखें)

जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पीएचसी, एनडी, श्री धीरेंद्र राणा, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, कक्ष संख्या 34 की अदालत में

आदेश की तिथिः - 30.01.2026
जारी करने की तिथिः - 30.01.2025

सी.टी. मामले संख्या 142/2022
ईसीआईआर संख्या ECIR/DZ/01/2020
धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 44, धारा 45 और 70 के साथ पढ़ी जाने वाली धारा के तहत

ईडी बनाम मैसर्स श्री ओम साईनाथ कार ऑन रेंट लिमिटेड और अन्य

दिनांकः 28.04.2026

चूंकि मेरे समक्ष शिकायत की गई है कि **सुमित वर्मा, पुत्र श्री किशोर कुमार वर्मा, निवासी 156, सुनील बंगलो, एच.एस.बी.सी. बैंक के बगल में, एल.टी. रोड, बोरीविली (पश्चिम), मुंबई,** ने धन शोधन अधिनियम की धारा के तहत दंडनीय अपराध किया है (या उस पर अपराध करने का संदेह है), और इसके परिणामस्वरूप जारी गिरफ्तारी वारंट इस आधार पर वापस कर दिया गया है कि **सुमित वर्मा** नहीं मिल पा रहे हैं, और चूंकि मुझे इस बात का संतोषजनक प्रमाण मिला है कि **सुमित वर्मा** फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए छिपे हुए हैं)।

इसके द्वारा यह घोषणा की जाती है कि **सुमित वर्मा, पुत्र श्री किशोर कुमार वर्मा, निवासी 156, सुनील बंगलो, एच.एस.बी.सी. बैंक के बगल में, एल.टी. रोड, बोरीविली (पश्चिम), मुंबई,** को उक्त शिकायत का उत्तर देने के लिए **28.04.2026 को सुबह 10:00 बजे** इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार
(श्री धीरेंद्र राणा),
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश 07
नई दिल्ली जिला, पीएचसी, दिल्ली

दिनांक : 05.02.2026

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 11520252026 | **दिनांकः 09.03.2026**

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **09.04.2026** को **13.30** बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः-

क्र.सं.1. निविदा नं.: 258 **कार्यों का विवरणः** वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/प्रथम/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज के अन्तर्गत ट्रिम्बल गेडो वोसिस ट्राली सिस्टम का उपयोग करते हुए प्री एवं पोस्ट टैम्पिंग ट्रैक मेजरमेंट सर्वेक्षण।

अनुमानित मूल्यः ₹ 1,21,85,255.72	**बयाने की रकमः** ₹ 2,10,900/-
कार्य समापन की अवधिः 12 माह	**निविदा खुलने की तिथिः** 09.04.2026

सिमिलर कार्य के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः रेलवे लाइन/सड़क मार्ग का इंजीनियरिंग सर्वेक्षण।

क्र.सं.2. निविदा नं.: 259 **कार्यों का विवरणः** वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/प्रथम/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज के क्षेत्र में विभिन्न स्टेशनों पर आरपीएफ महिला चेंजिंग रूम का निर्माण एवं दिव्यांगजनों के लिए अल्पकालिक सुविधाओं का कार्य और 02 नम्बर एल सी के इंटर लांकिंग हट/रिले रूम का निर्माण।

अनुमानित मूल्यः ₹ 1,30,61,602.23	**बयाने की रकमः** ₹ 2,15,300/-
कार्य समापन की अवधिः 12 माह	**निविदा खुलने की तिथिः** 09.04.2026

सिमिलर कार्य के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।

नोटः 1. आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि को **13.30** बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। **2.** उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय **13.30** बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। **553/26 FA**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

ईरान से जंग के बीच सऊदी अरब पहुंचे शहबाज शरीफ

रियाद। पाकिस्तान अकसर इस्लामिक एकता की बातें करता है। अब जबकि ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने हमले किए हैं तो इस संघर्ष में सऊदी अरब भी अमेरिकी पाले में है। ऐसे हालात में पाकिस्तान ने इस्लामिक एकता की कोई दुहाई नहीं दी है और सीधे तौर पर सऊदी अरब के साथ दिख रहा है। यहां उसने ना तो सऊदी अरब को इस्लामिक एकता की सीख दी और ना ही ईरान से समझौते की अपील की। उसने सीधे तौर पर सऊदी अरब का साथ दिया है और पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ खुद ही इस्लामिक मुल्क पहुंच गए हैं। इससे पहले पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सुरक्षा चिंता पर बात की थी। उसके इस रुख को लेकर माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने सिर्फ अपने कर्ज के हित को देखते हुए सऊदी अरब का साथ दिया है। इसके अलावा शिया और सुन्नी वाला विवाद भी अहम है। पाकिस्तान नहीं चाहता कि वह शिया मुल्क ईरान के साथ बहुत ज्यादा दिखे, जबकि सुन्नी देश सऊदी अरब के साथ रहना आंतरिक राजनीति में भी फायदा देगा।

अय्यर के लेटर का थरूर ने दिया जवाब

कहा- मेरी देशभक्ति पर सवाल उठाना गलत

नई दिल्ली। कांग्रेस के दो दिग्गज नेताओं शशि थरूर और मणि शंकर अय्यर के बीच तनाव और बढ़ गया है। थरूर ने गुरुवार को अय्यर के ओपन लेटर का जवाब ओपन लेटर से दिया है। थरूर ने कहा है कि विदेश नीति पर मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन इससे किसी की नीयत या देशभक्ति पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। मणि शंकर अय्यर ने 10 मार्च को अपने लेटर में विदेश नीति पर थरूर के रुख की आलोचना की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि थरूर ने अमेरिका-इजराइल और ईरान से जुड़े मुद्दों पर भारत के नैतिक रुख को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि भारत को शक्तिशाली देशों के दबाव में चुप नहीं रहना चाहिए और गांधी-नेहरू की नैतिक राजनीति से प्रेरणा लेनी चाहिए। अय्यर ने लेटर में थरूर से पूछा- क्या आप सचमुच नरेंद्र मोदी की कृपा पाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वे आपको वह लाभ दे सकते हैं जो विपक्ष आपको नहीं दे सकता? थरूर ने जवाब में कहा- मैंने अब तक सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया नहीं दी थी, लेकिन अब जवाब देना जरूरी हो गया था।

अय्यर ने लेटर के जरिए भारत के विदेश नीति पर थरूर के पक्ष की आलोचना की थी। उन्होंने लिखा- ऐसा लगता है कि आपने रूस और चीन जैसे दो बड़े शक्तिशाली देशों के बारे में भी नहीं सुना, जो ईरान के लोगों पर हो रहे हमले की क्रूरता, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उल्लंघन और ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या जैसी बर्बर घटनाओं पर खुलकर बोल रहे हैं—जैसा नेहरू के दौर में भारत करता था और करता।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

स्वास्थ्य विभाग

के. बी. भाभा अस्पताल, आर. के. पाटकर मार्ग, बांद्रा (प.), मुंबई-400050.
क्र. एचओ/ 13621 /केबीबी दिनांकः 12.03.2026.

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (एमसीजीएम) के आयुक्त इस कार्य से संबंधित पात्र ठेकेदारों/विक्रेताओं से बोलियां आमंत्रित करते हैं. ई-निविदा का विवरण निम्नानुसार है.

क्र. सं.	मापदंड	विवरण	
1.	ई-निविदा बोली क्रमांक	2026_एमसीजीएम_1286273	
		2026_एमसीजीएम_1286276	
		2026_एमसीजीएम_1286279	
2.	विभाग	परिधीय अस्पताल	
3.	ई-निविदा का विषय	पं. एम. एम. एम. शताब्दी अस्पताल में आवश्यक सहायक उपकरणों की एसआईटीसी.	
		पं. एम. एम. एम. शताब्दी अस्पताल में दैनिक रखरखाव हेतु आवश्यक सामग्री की एसआईटीसी.	
		के. बी. बी. एच. बांद्रा (प.) स्थित चिकित्सा भंडार के लिए मल्टी कम्पार्टमेंट शिफोनियर विद स्लाइडेबल एल्युमिनियम हैचवे का निर्माण, आपूर्ति एवं स्थापना का कार्य.	
4.	संपर्क विवरण	उप चिकित्सा अधीक्षक दूरभाषः 022 26422775 विस्ता. 4712/4600 ईमेलः bhabha.bandra@yahoo.com	
5.	महत्वपूर्ण तिथियां	विवरण	दिनांक/समय से
		ऑनलाइन ई-निविदा डाउनलोड करने की प्रारंभ तिथि	13.03.2026 @11.00 बजे
		ऑनलाइन ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	19.03.2026 16.00 बजे तक

ई-कोटेशन एमसीजीएम पोर्टल mcgm.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है अथवा 022 26422775 विस्ता. 4600/4712 पर संपर्क करें.

दिनांकः 12.03.2026
स्थानः मुंबई.

हस्ता./-
उप चिकित्सा अधीक्षक
के. बी. भाभा अस्पताल, बांद्रा (प.)

पीआरओ/ 3279 /विज्ञा./2025-26

सप्ताह में एक दिन का सूखा दिन के तौर पर पालन करें.

उत्तर मध्य रेलवे

No. DYCE-II-GSU-PRYJ-06-2026 | **दिनांक: 11.03.2026**

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य अभियंता-II/जी.एस.यू./प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे** के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं (द्वारा खुली निविदा-दो पैकेट प्रणाली)। बोली लगाने वाले अपने मूल/संशोधित बिड्स समाप्ति तिथि एवं समय तक मात्र जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नंजर अंदाज कर दिया जाएगा।

निविदा संख्याः DYCE-II-GSU-PRYJ-06-2026

कार्य का विवरणः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीजन के कानपुर-रुरा खंड में एलसी संख्या 85-Spl के स्थान पर किलोमीटर 1038/13-15 पर 2 लेन आरओबी (एंड टू एंड) के निर्माण का कार्य।

अनुमानित लागतः 54.83 करोड़	**धरोहर धनराशिः** 28,91,600/-
निविदा फार्म का मूल्यः 0.00/-	**खुलने की तिथिः** 07.04.2026, **15.00** Hrs.

कार्य समापन अवधिः 15 महीने। **नोटः 1.** उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) https://www.ireps.gov.in पर निर्धारित तिथि तक **15.00** बजे तक उपलब्ध रहेगा। **2.** उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T.Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नही किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। **5.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन नं. से सम्पर्क किया जा सकता है। **561/26 FA**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

वैवाहिक जीवन के रहस्य उजागर करती है हस्त रेखाएं

आपकी शादी किस उम्र में होने वाली है, क्या पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा या फिर आपस में झगड़े होते रहेंगे? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कई लोग ज्योतिषियों से राय लेते रहते हैं और कभी-कभी इंटरनेट पर छानबीन कर परेशान रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी हथेली आपको बता सकती है कि आपका जीवनसाथी कैसा रहने वाला है और कब शादी होगी? समुद्र विज्ञान के अनुसार, हमारी हथेली की छोटी उंगली के ठीक नीचे एक 'विवाह रेखा' होती है. हालांकि, आम लोगों के मन में इस रेखा को लेकर कई गलत धारणाएं हैं. बहुत से लोग मानते हैं कि हथेली पर तीन रेखाएं होने का मतलब है कि आपकी तीन बार शादी होगी.

छोटी उंगली के मूल और हृदय रेखा के बीच क्षैतिज रूप से दिखाई देने वाली पतली रेखा को ज्योतिष में विवाह रेखा कहा जाता है। समुद्र विज्ञान के अनुसार, यदि यह रेखा गहरी, स्पष्ट और लाल रंग की हो, तो व्यक्ति का वैवाहिक जीवन बहुत सुखमय होगा, लेकिन यदि यह रेखा अस्पष्ट या जंजीर की तरह उलझी हुई हो, तो यह समझना चाहिए कि रिश्ते में जटिलताओं की प्रबल संभावना है।

समुद्र विज्ञान के अनुसार, कई लोगों के हाथों में दो या तीन रेखाएं होती हैं। शास्त्रीय शोध के अनुसार, इसका यह मतलब नहीं है कि आपकी बार-बार शादी होगी। वास्तव में, बुध क्षेत्र में ये छोटी रेखाएं आपके जीवन में गहरे प्रेम संबंध या भावनात्मक लगाव का संकेत देती हैं। हालांकि, यदि दोनों रेखाएं समान रूप से गहरी, चौड़ी और समानांतर हों, तो हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, एक से अधिक विवाह होने की संभावना होती है। अन्यथा, हल्की रेखाएं केवल क्षणिक संबंधों का संकेत देती हैं। क्या आपकी शादी जल्दी होगी या देर से? इसे समझने का एक सरल सूत्र है। हृदय रेखा से कनिष्ठा रेखा के मूल तक की दूरी 50 वर्ष मानी जाती है। यदि आपकी विवाह रेखा मध्य में है, तो माना जाता है कि आपकी शादी 25 से 27 वर्ष की आयु के बीच होगी। हृदय रेखा के जितनी करीब यह रेखा होगी, शादी उतनी ही जल्दी होने की संभावना है। यदि यह कनिष्ठा रेखा की ओर अधिक झुकी हुई है, तो इसका अर्थ है कि आपकी शादी अधिक उम्र में होगी। वहीं, ज्योतिषशास्त्र में कुछ विशेष संकेतों को चेतावनी के संकेत के रूप में देखा जाता है।

द्वीप : यदि रेखा के मध्य में एक गोलाकार द्वीप जैसा चिह्न है, तो इसका अर्थ है कि वैवाहिक जीवन में कोई बड़ी बाधा या अलगाव हो सकता है।

नीचे की ओर ढलान वाली रेखा : यदि विवाह रेखा अचानक नीचे गिरकर हृदय रेखा को छूती है, तो इससे जीवनसाथी को शारीरिक बीमारी या गहरा दु:ख हो सकता है।

क्रॉस : यदि रेखा पर क्रॉस या तिल का निशान हो, तो यह वैवाहिक जीवन में अचानक झटका या परेशानी का संकेत देता है। हाथ की रेखाएं सिर्फ एक मार्गदर्शक होती हैं। हालांकि, व्यक्ति के कर्म और सोच ही उसके भाग्य को बदलते हैं इसलिए सावधान रहना और हाथ की रेखाओं से निराश न होना ही बुद्धिमानी है।

वर्ष में 2 बार क्यों आता है मलमास या खरमास

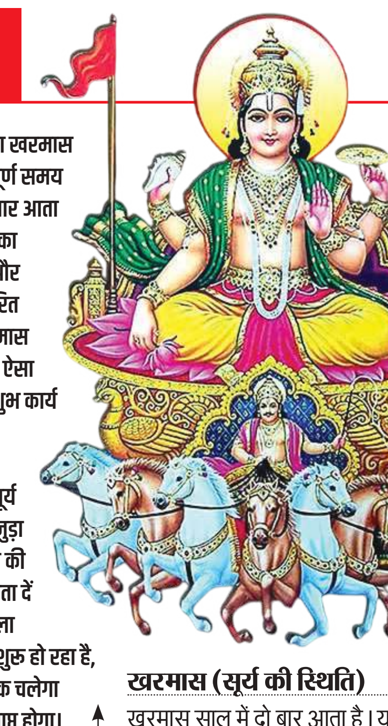

मलमास (अधिक मास) या खरमास हिंदू पंचांग में एक महत्वपूर्ण समय होता है, जो हर साल दो बार आता है। यह एक खास खगोलीय स्थिति का परिणाम है, जो भारतीय कैलेंडर और ज्योतिषशास्त्र के अनुसार निर्धारित होता है। मलमास को अधिक मास भी कहा जाता है और यह एक ऐसा महीना होता है जिसमें कोई शुभ कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश या नए व्यापार की शुरुआत नहीं की जाती। इसी तरह खरमास सूर्य के विशेष राशि परिवर्तन से जुड़ा हुआ होता है, जो पवित्र समय की शुरुआत करता है। आपको बता दें कि इस साल 2026 का अगला खरमास 15 मार्च 2026 से शुरू हो रहा है, जो कि लगभग एक महीने तक चलेगा यानी 14 अप्रैल 2026 को समाप्त होगा।

मुख्य अंतर: एक नजर में

विशेषता: खरमास

कारण: सूर्य का धनु या मीन राशि में जाना।

आवृत्ति: साल में 2 बार।

अवधि: हमेशा 1 महीना (लगभग 30 दिन)।

मान्यता: सूर्य का तेज कम होना।

विशेषता: मलमास / अधिक मास (Malmas)

कारण: चंद्र और सूर्य वर्ष के दिनों का अंतर।

आवृत्ति: लगभग हर 3 साल में 1 बार।

अवधि: पूरा एक अतिरिक्त महीना।

मान्यता: समय का संतुलन बनाना।

विशेष टिप : खरमास में मांगलिक कार्य भले ही वर्जित हों, लेकिन यह समय सूर्य देव की उपासना और दान-पुण्य के लिए बहुत श्रेष्ठ माना जाता है।

खरमास (सूर्य की स्थिति)

खरमास साल में दो बार आता है। यह तब होता है जब सूर्य बृहस्पति की राशियों- धनु और मीन में प्रवेश करता है।

क्यों आता है?

ज्योतिष के अनुसार, जब सूर्य अपने गुरु (बृहस्पति) की सेवा में उनकी राशियों में जाता है, तो सूर्य का तेज कम हो जाता है। बृहस्पति की राशि में सूर्य को 'मद्धम' माना जाता है।

कब-कब आता है?

1. मध्य दिसंबर से मध्य जनवरी (जब सूर्य धनु राशि में हो)।
2. मध्य मार्च से मध्य अप्रैल (जब सूर्य मीन राशि में हो)।

इसमें क्या होता है?

खरमास का संबंध सूर्य के धनु राशि या मीन राशि में प्रवेश से होता है। जब सूर्य इन राशियों में प्रवेश करता है, तब यह समय खरमास कहलाता है। इस समय विशेष रूप से मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश आदि नहीं किए जाते। इसे 'सौर मास' की अशुद्धि माना जाता है।

मलमास / अधिक मास (चंद्रमा की चाल)

मलमास (जिसे पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं) हर साल नहीं आता, बल्कि यह हर तीसरे साल (लगभग 32 महीने बाद) आता है।

क्यों आता है?

चंद्रमा का वर्ष 354 दिनों का होता है, जबकि सौर वर्ष (सूर्य का साल) 365 दिनों का। इन दोनों के बीच हर साल 11 दिनों का अंतर आ जाता है। तीन सालों में यह अंतर लगभग 1 महीना (33 दिन) हो जाता है। इसी अंतर को पाटने के लिए पंचांग में एक अतिरिक्त महीना जोड़ दिया जाता है।

क्या होता है?

चूंकि इस महीने का कोई स्वामी ग्रह नहीं था, इसलिए भगवान विष्णु ने इसे अपना नाम दिया-पुरुषोत्तम मास। इसमें पूजा-पाठ और दान का फल अनंत गुना मिलता है, लेकिन सांसारिक शुभ कार्य नहीं किए जाते।

किसी भी उद्घाटन, कार्यक्रम या शुभ अवसर पर क्यों जलाया जाता है दीपक?

किसी भी कार्यक्रम, उद्घाटन या फिर कोई भी शुभ कार्य दीप प्रज्ज्वलित कर की जाती है। इस शुभ कार्य के पीछे धार्मिक महत्व को लेकर प्रख्यात ज्योतिषी डॉ। बसवराज गुरुजी ने बताया है। गुरुजी ने श्लोक "दीपज्योति: परब्रह्म दीपज्योतिर्जनार्दन:, दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते।" पढ़ा और दीपक का अर्थ समझाया कि इसका अर्थ यह है कि दीपक की ज्योति ही सर्वोच्च ब्रह्म और भगवान विष्णु (जनार्दन) हैं, जो हमारे पापों और अज्ञान को दूर करती है, ऐसी ज्योति को मैं नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि भगवान को जो भी भोजन अर्पित किया जाता है, वह अग्नि के माध्यम से अर्पित किया जाता है। उसी प्रकार दीपक के माध्यम से भगवान की प्रार्थना की जाती है। दीपक को भगवान का स्वरूप माना जाता है। दीपक की लौ हमेशा ऊपर की ओर जलती है। यह ऊपर की ओर गति विकास, प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है।

दीपक नकारात्मक ऊर्जा करता है खत्म

गुरुजी ने कहा कि अनादि काल से हमारे सभी कार्यक्रम दीपक प्रज्ज्वलित करने से शुरू होते आए हैं। घर में सुबह की पूजा शुरू करने से पहले दीपक जलाना और उसके बाद ही पूजा करना एक परंपरा है। दिवाली के त्योहार के दौरान पूरा घर दीयों से जगमगाता है, जो शुभता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दीपक हमें शक्ति प्रदान करता है और हमारे आसपास की नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर करता है। दीपक गुरु का प्रतीक भी है। दीपक से निकलने वाला प्रकाश हमारे अज्ञान को दूर करता है और हमें ज्ञान का प्रकाश प्रदान करता है। सभाओं और समारोहों में दीपक जलाकर अग्निदेव से प्रार्थना की जाती है, "मैं इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा हूं, मुझे आपकी कृपा चाहिए।" अग्निदेव पांच तत्वों (आकाश, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु) में से एक हैं। अग्नि सूर्य का प्रतीक है और इन पांच तत्वों को बनाए रखने की शक्ति रखती है।

किसान भी जलाएं दीपक

गुरुजी का कहना है कि चाहे छोटा व्यवसाय हो, बड़ा व्यवसाय हो या गली-मोहल्ले का विक्रेता, दुकान में हर दिन दीपक जलाकर व्यापार करना आवश्यक नहीं है। हालांकि, जब पहली बार दीपक जलाया जाता है, तो उस स्थान के चारों ओर आठों दिशाओं में व्याप्त नकारात्मक ऊर्जाएं दूर हो जाती हैं और सकारात्मक ऊर्जाएं आकर्षित होती हैं। गुरुजी ने किसानों को भी बीज बोने से पहले जमीन में दो दीपक जलाकर प्रार्थना करने की सलाह दी है, ताकि उन्हें अच्छी फसल मिले।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रहेगा। पारिवारिक मामलों में थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। बुद्धि और कौशल से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। निवेश के लिए दिन ठीक है, लेकिन यात्रा से जुड़े खर्च बढ़ सकते हैं। जीवनसाथी और परिवार का सहयोग मिलेगा, विवाद से बचें। मानसिक तनाव से बचने की कोशिश करें।

वृषभ राशि - आज का दिन आर्थिक मामलों में सफलता दिलाने वाला रहेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयास सफल होंगे। सहकर्मियों और अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। भाई-बहनों और जीवनसाथी से प्रेम और सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन राशि - आज का दिन प्रगति और नए अवसर लेकर आ सकता है। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यवसाय से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी और नए संपर्क बन सकते हैं। Finance: आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और लाभ के योग बनेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क राशि - आज भावनाओं पर नियंत्रण रखना आपके लिए जरूरी होगा। छोटी-छोटी बातों को विवाद का कारण न बनने दें। कार्यक्षेत्र में धैर्य से काम लेने पर सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में उम्मीद से अधिक लाभ हो सकता है। परिवार के साथ तालमेल बनाकर रखें।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए प्रगति लेकर आएगा। मेहनत का पूरा फल मिलने के संकेत हैं। नौकरी और व्यवसाय में उन्नति के योग बन रहे हैं। शासन-सत्ता से सहयोग मिल सकता है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या राशि - आज आप पुरानी मान्यताओं को छोड़कर नए विचारों को अपनाएंगे, जिससे परिवार में उत्साह रहेगा। करियर की नई शुरुआत के लिए दिन शुभ है। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है। सामान्य से बेहतर स्थिति रहेगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बन सकता है। मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला राशि-आज का दिन रिश्तों और कार्यों में संतुलन बनाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में प्रगति के अवसर मिलेंगे। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृश्चिक राशि - आज का दिन भाग्य का साथ देने वाला रहेगा। कोई सुखद समाचार मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में नए अवसर और संपर्क बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। परिवार और गुरुजनों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु राशि- आज स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में सावधानी से काम करें ताकि प्रतिष्ठा प्रभावित न हो। आर्थिक मामलों में धीरे-धीरे प्रगति होगी। परिवार के साथ समय बिताएं। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मकर राशि - आज का दिन आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आएगा। परिवार और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता और सम्मान मिल सकता है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा और धन लाभ के योग बनेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कुंभ राशि- आज सामाजिक कार्यों में आपकी व्यस्तता बढ़ सकती है ।रिश्तों में संतुलन बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में नए लोगों से संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, लेकिन रिश्तेदारों से तनाव हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मीन राशि- आज का दिन शिक्षा और करियर के क्षेत्र में सफलता दिलाने वाला रहेगा। प्रतियोगिता और पढ़ाई से जुड़े प्रयास सफल होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

घर में ना लगाएं ऐसी 7 तस्वीरें और पोस्टर

वास्तु शास्त्र एक ऐसा विज्ञान है जिसमें हमारे आसपास की एनर्जी को बदलने की पूरी ताकत है। वास्तु में सिर्फ और सिर्फ घर की दिशाओं के बारे में नहीं बताया गया है। घर में रखी हुई चीजों का भी हमारी जिंदगी पर गहरा असर पड़ता है। मान लीजिए आपने कोई चीज सही दिशा या सही जगह पर नहीं रखी है तो देर-सवेर उसका गलत प्रभाव आप अपनी जिंदगी पर देख ही लेंगे। वास्तु के नियम के हिसाब से घर में जहां कुछ चीजें रहनी जरूरी हैं। वहीं कुछ ऐसी चीजें भी हैं, जिनके घर में रहने से तबाही आ सकती है। नियम के अनुसार घर के अंदर ऐसी तस्वीरें नहीं लगानी चाहिए जिससे वास्तु खराब हो और जिंदगी में नेगेटिविटी आए। तो नीचे विस्तार से जानें कि घर में भूलकर भी किन-किन तस्वीरों को नहीं लगाना चाहिए? घर में ना लगाएं ऐसी 7 तस्वीरें और पोस्टर

1. हिंसक जानवर की तस्वीर

वास्तु के नियम के हिसाब से घर में कभी भी हिंसक जानवर की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। भेड़िया, शेर और सांप की तस्वीरें घर में लगाने से बचना चाहिए।

2. नेगेटिव वाइब वाली तस्वीरें

नीरस और दुखी चेहरे वाली तस्वीरें घर में लगाने के बारे में सोचना भी चाहिए। ऐसी तस्वीरें घर में नेगेटिविटी लेकर आती हैं। इससे धीरे-धीरे घर का वास्तु खराब होता है।

3. लड़ाई झगड़े वाली तस्वीर

कोशिश करें कि महाभारत से जुड़ी तस्वीरों को घर में ना लगाया जाए। इस तस्वीरों को लगाने से घर के सदस्यों के बीच मनमुटाव की स्थिति पैदा होती है। इसके अलावा ऐसी भी कोई तस्वीर या पोस्टर ना लगाएं जिसमें लोग लड़ते हुए या बहसबाजी करते हुए नजर आएं।

4. ना लगाएं ऐसे पौधे की तस्वीर

वास्तु के नियम के हिसाब से घर में पौधों की तस्वीर लगाई जा सकती है लेकिन इस दौरान कुछ चीजों का ध्यान देना जरूरी है। नियम के हिसाब से कांटेदार पौधों की तस्वीर घर के वास्तु के लिए सही नहीं होती है। इन तस्वीरों से घर की वाइब्रेशन पर असर पड़ता है और बाद में ये हमारे दिमाग पर गहरा असर छोड़ती हैं।

5. ये तस्वीर तो बिल्कुल भी नहीं

वास्तुशास्त्र में तो कुछ तस्वीरों को लगाने की विशेष रूप से मनाही है। कई बार लोग आर्ट के नाम पर घर में कुछ भी लगा देते हैं। कभी किसी की कब्र या फिर समाधि की तस्वीर को घर में लगाना ही नहीं चाहिए। ऐसा करने से बचना चाहिए।

6. सूर्य की ऐसी तस्वीर ना लाएं घर

अगर कोई सीनरी ऐसी है जिसमें सूर्य का अस्त होता दिख रहा है तो ये घर के लिए शुभ नहीं है। सूर्यास्त को देखना अच्छा लग सकता है लेकिन इसकी तस्वीर को घर में लगाने से एनर्जी खराब होती है।

7. घर पर ना लगाएं ये तस्वीर

वास्तु के हिसाब से घर पर नटराज की तस्वीर या फिर मूर्ति नहीं लगानी चाहिए। नियम के अनुसार इसे घर पर रखना सही नहीं होता है। ऐसे में जब भी आप घर पर तस्वीर लगाने की सोचें तो एक बार वास्तु के नियमों को जरूर ध्यान में रखकर ही सही तस्वीर या पोस्टर का चुनाव करें।

दुर्लभ मस्तिष्क संबंधी बीमारी का उपचार

भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक मणिपाल हॉस्पिटल्स ग्रुप की इकाई मणिपाल हॉस्पिटल धाकुरिया के डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल के आरामबाग क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी 29 वर्षीय अतनु पंडित में पाई गई एक दुर्लभ जन्मजात मस्तिष्क संबंधी बीमारी मेनिंगोएन्सेफालोसील के साथ CSF राइनोरिया का सफलतापूर्वक उपचार किया। यह स्थिति तब होती है जब खोपड़ी में मौजूद एक दोष के कारण मस्तिष्क का एक हिस्सा और उसकी सुरक्षात्मक परत नाक की गुहा में पहुंच जाती है, जिससे नाक से सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड (CSF) का रिसाव होने लगता है।

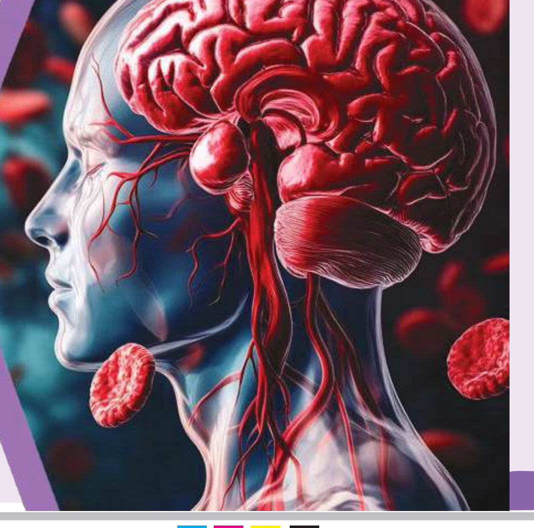

मरीज का उपचार डॉ. कौशिक सिल, कंसल्टेंट – न्यूरोसर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल धाकुरिया की देखरेख में किया गया। उन्हें ईएनटी विभाग की टीम का सहयोग मिला, जिसका नेतृत्व प्रोफेसर डॉ. अमिताभा रायचौधुरी, कंसल्टेंट – ईएनटी, मणिपाल हॉस्पिटल धाकुरिया ने किया। अतनु पंडित कई वर्षों से नाक से लगातार साफ पानी जैसा तरल निकलने की समस्या से परेशान थे। शुरुआत में इसे मामूली नाक की समस्या समझकर नजरअंदाज कर दिया गया। बाद में जांच में पता चला कि यह तरल वास्तव में सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड (CSF) है, जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को सुरक्षा प्रदान करता है तथा खोपड़ी के अंदर दबाव को संतुलित बनाए रखता है। नाक से CSF के रिसाव को चिकित्सकीय भाषा में CSF राइनोरिया कहा जाता है।

जब अतनु लगभग चार वर्ष के थे, तब उनकी नाक के अंदर इसी तरह की एक सूजन दिखाई दी थी। उस समय स्थानीय डॉक्टरों ने इसे नैसल पॉलिप समझा, जो ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर देखा जाता है। जांच के दौरान एक बार तरल निकलने की घटना हुई, लेकिन बाद में सूजन अपने आप कम हो गई। इसके बाद लंबे समय तक कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखे, इसलिए आगे इलाज नहीं कराया गया।

हालांकि जन्मजात दोष के कारण समय के साथ मस्तिष्क का एक हिस्सा धीरे-धीरे नाक की गुहा में पहुंच गया और वहां एक नरम पॉलिप जैसी संरचना बन गई।

आगे की जांच में पता चला कि मरीज के एंटीरियर स्कल बेस यानी खोपड़ी के उस हिस्से में बड़ा दोष है जो मस्तिष्क और चेहरे की गुहा को अलग करता है। एमआरआई स्कैन से पुष्टि हुई कि मरीज को मेनिंगोएन्सेफालोसील है, जो एक दुर्लभ जन्मजात विकार है। इसमें मस्तिष्क के ऊतक और उसकी परतें खोपड़ी के आधार में मौजूद एक छिद्र के माध्यम से बाहर निकल आती हैं। यह स्थिति अत्यंत दुर्लभ है और लगभग 35,000 से 40,000 लोगों में एक में पाई जाती है। यदि समय पर इलाज न किया जाए तो इससे बार-बार संक्रमण, न्यूरोलॉजिकल जटिलताएं या जानलेवा मेनिनजाइटिस हो सकता है।

आज के समय में आंखों में थकान की समस्या काफी आम हो गई है. जो लोग घंटों कंप्यूटर पर काम करते हैं, पढ़ाई में ज्यादा समय स्क्रीन पर बिताते हैं या लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें यह समस्या अधिक हो सकती है. बच्चों और युवाओं में भी यह समस्या तेजी से बढ़ रही है. इसलिए आंखों की थकान को हल्के में नहीं लेना चाहिए. आइए जानते हैं कि आंखों में थकान होने से क्या समस्याएं हो सकती हैं और इससे बचाव के लिए क्या किया जा सकता है.

आंखों की थकान दूर करने के लिए क्या करें?

आंखों में थकान होने से क्या समस्याएं हो सकती हैं?

जब आंखों को लंबे समय तक आराम नहीं मिलता, तो कई तरह की परेशानियां सामने आ सकती हैं। आंखों में लगातार जलन, लालिमा और सूखापन महसूस हो सकता है। कुछ लोगों को धुंधला दिखाई देना या फोकस करने में दिक्कत भी हो सकती है। आंखों की थकान सिरदर्द और आंखों के आसपास दर्द का कारण भी बन सकती है। कई बार लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों में पानी आना या रोशनी के प्रति सेंसिटिविटी बढ़ना भी देखा जाता है। अगर यह समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो काम करने या पढ़ाई करने में भी परेशानी हो सकती है। इसलिए आंखों की थकान को नजरअंदाज करना सही नहीं माना जाता और समय पर ध्यान देना जरूरी होता है।

आंखों की थकान दूर कैसे करें?

आंखों की थकान कम करने के लिए कुछ आसान आदतें अपनाई जा सकती हैं। लंबे समय तक स्क्रीन देखने के दौरान बीच-बीच में आंखों को आराम देना जरूरी है। हर 20 से 30 मिनट में कुछ सेकंड के लिए स्क्रीन से नजर हटाकर दूर देखना फायदेमंद हो सकता है। पर्याप्त नींद लेना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी माना जाता है। इसके अलावा ठंडे पानी से आंखें धोना या कुछ देर के लिए आंखें बंद करके आराम करना भी मदद कर सकता है। काम करते समय सही रोशनी का होना भी जरूरी है। अगर आंखों में थकान बार-बार महसूस हो रही हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर माना जाता है।

टी-20 वर्ल्ड कपः सूर्याकुमार यादव ने मानी गलती

SA के खिलाफ अक्षर पटेल को ड्रॉप करना बड़ी गलती थी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत के टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता कप्तान सूर्याकुमार यादव ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में अक्षर पटेल को टीम से बाहर करने के फैसले के बाद उन्होंने उनसे माफी मांगी थी। सूर्याकुमार ने कहा कि अक्षर पटेल इस फैसले से नाराज थे, और उनका नाराज होना बिल्कुल जायज था। यह मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था, जो अक्षर पटेल का होम ग्राउंड भी है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस मुकाबले में अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था।टीम मैनेजमेंट का मानना था कि सुंदर की गेंदबाजी लेफ्ट हैंड बल्लेबाजों के खिलाफ ज्यादा प्रभावी होगी। हालांकि यह फैसला भारत के लिए उल्टा साबित हुआ और टीम को 76 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस हार से भारत के नेट रन रेट (NRR) पर भी असर पड़ा था। सूर्याकुमार यादव ने एक इंटरव्यू में बताया कि अक्षर पटेल इस फैसले से काफी नाराज थे और उन्होंने खुद अपनी गलती स्वीकार की। उन्होंने कहाः 'वह (अक्षर पटेल) बहुत गुस्से में थे और उन्हें गुस्सा होना भी चाहिए था। वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और फ्रेंचाइजी टीम की कप्तानी भी करते हैं।' सूर्या ने आगे कहाः 'मैंने उनसे माफी मांगी। मैंने कहा कि मुझसे गलती हो गई और मुझे इसका अफसोस है। लेकिन यह फैसला टीम के लिए लिया गया था। यह बातचीत आसान नहीं थी, लेकिन अगले दिन हमने इसे अच्छे से सुलझा लिया।' साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबले में अक्षर पटेल की टीम में वापसी हुई। जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 4 ओवर में 35 रन देकर एक विकेट लिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में उन्होंने 4 ओवर में 35 रन दिए, हालांकि बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला क्योंकि संजू सैमसन की नाबाद 97 रन की पारी से भारत जीत गया। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में अक्षर ने टॉम बैंटन का विकेट लिया और दो शानदार कैच भी पकड़े। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अक्षर पटेल का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 3 ओवर में 27 रन देकर फिन एलन, ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल जैसे बड़े बल्लेबाजों को आउट किया। अक्षर की इस शानदार गेंदबाजी ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

क्या सुरेश रैना CSK में कोच के तौर पर शामिल होंगे?

CEO ने दिया जवाब

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से पहले चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़ी एक बड़ी चर्चा क्रिकेट फैंस के बीच तेजी से फैल गई थी। सवाल यह था कि क्या टीम के पूर्व स्टार बल्लेबाज Suresh Raina को फ्रेंचाइजी फील्डिंग कोच के तौर पर वापस लाने वाली है। सोशल मीडिया पर इन खबरों ने काफी सुर्खियां बटोरीं और कई समर्थक रैना की वापसी को लेकर उत्साहित नजर आए। हालांकि अब फ्रेंचाइजी के CEO Kasi Viswanathan ने इन अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए स्थिति पूरी तरह साफ कर दी है। IPL के आगामी सीजन की तैयारियों के बीच CSK के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना को लेकर एक नई चर्चा शुरू हो गई थी। रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया जा रहा था कि रैना को टीम के फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी दी जा सकती है। फैंस के बीच यह खबर तेजी से वायरल हो गई, क्योंकि रैना लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स के प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं और टीम की कई सफलताओं में उनका अहम योगदान रहा है। हाल ही में एक तमिल न्यूज चैनल से बातचीत के दौरान CSK के CEO कासी विश्वनाथन ने इन सभी खबरों को गलत बताया।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सुरेश रैना को फील्डिंग कोच बनाए जाने की खबर पूरी तरह से निराधार है और इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना पसंद है : बुमराह

महानगर नेटवर्क

अहमदाबाद

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 विश्व कप में खिताब का बचाव करना अपने करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक करार देते हुए कहा कि उन्हें दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना अच्छा लगता है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में चार विकेट लेकर भारत की 96 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे भारत टी20 विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और तीन बार यह ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें बुमराह ने कहा, 'मैं पर्दे के पीछे नहीं रहना चाहता हूं। मैं हमेशा सक्रिय रूप से भाग लेना चाहता हूं। मुझे शुरू से ही चुनौतियां पसंद हैं।' बुमराह को फाइनल में शानदार प्रदर्शन करने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने कहा, 'मैंने क्रिकेट इसी मकसद से खेला है। मैंने क्रिकेट खेलना इसी मकसद से शुरू

किया था। जब मैं कुछ बदलाव लाता हूं तो मुझे बहुत खुशी मिलती है। इससे बेहतर कोई अहसास नहीं है।' गुजरात में जन्में इस तेज गेंदबाज के लिए यह जीत भावनात्मक रूप से और भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह जीत उसी स्थान पर मिली जहां से उनके क्रिकेट करियर की शुरुआत हुई थी। बुमराह ने कहा, 'मैंने यहीं से क्रिकेट खेलना शुरू किया। मैंने अपना अधिकतर क्रिकेट यहीं खेला है। मैं यहीं गुजरात के लिए खेलते हुए आगे बढ़ा। यहीं विश्व कप जीता और मैन ऑफ द मैच बना। पिछली बार (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल) हम बस थोड़ा सा चूक गए थे, लेकिन इस बार जीत हासिल करने में सफल रहे। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं।' बुमराह ने खिताबी जीत के दौरान अपने परिवार की मौजूदगी के बारे में भी बात की और उस पल को बेहद निजी बताया। उन्होंने कहा, 'मेरा बेटा आया था। वह पिछली बार भी आया था। मेरी मां भी आई थीं, यह वाकई खास था।' बुमराह ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि यह पूरा चक्र है या नहीं, लेकिन मैं सचमुच बहुत खुश हूं। आप लगातार दो विश्व कप कभी-कभार ही जीत पाते हैं। मैं इसके लिए ईश्वर का बहुत आभारी हूं। मैं इससे अधिक की कल्पना नहीं कर सकता।'

वॉटसन और रसेल जैसे कोच मिलना हमारे लिए सौभाग्य : रमनदीप सिंह

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

IPL 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने टीम के कोचिंग स्टाफ को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दिग्गज ऑलराउंडर शेन वॉटसन और आंद्रे रसेल जैसे खिलाड़ियों के साथ काम करना उनके लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है। रमनदीप का मानना है कि इन दिग्गजों से सीखकर वह अपने खेल को और बेहतर बनाना चाहते हैं। आईपीएल 2026 में शेन वॉटसन केकेआर के सहायक कोच के रूप में जुड़े हैं, जबकि आंद्रे रसेल टीम में पावर कोच की भूमिका निभा रहे हैं। इस पर रमनदीप सिंह ने कहा कि इन दोनों दिग्गजों का डगआउट में होना टीम के लिए बड़ी बात है। रमनदीप ने कहा कि डगआउट में वॉटसन और रसेल जैसे खिलाड़ी होना हमारे लिए आशीर्वाद है। मैं उनसे जितना हो सके उतना सीखना चाहता हूं और उम्मीद है कि मैं भी टीम के लिए मैच जिताने वाले पल में वैसा ही प्रदर्शन कर सकूं। 28 वर्षीय रमनदीप सिंह

साल 2024 में केकेआर से जुड़े थे और उसी साल टीम ने अपना तीसरा आईपीएल खिताब जीता था। इसके बाद से रमनदीप ने टीम के लिए उपयोगी प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक आईपीएल में 172 रन बनाए हैं, 167.9 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है और 6 विकेट भी अपने नाम किए हैं। रमनदीप सिंह ने घरेलू क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन किया। 2025 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने पंजाब के लिए खेलते हुए बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 209 रन बनाए, 195 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 10 मैचों में 9 विकेट हासिल किए। रमनदीप ने कहा कि इस सीजन में उनका पूरा ध्यान मैच की स्थिति को समझकर खेलने पर है। उन्होंने कहा कि मैं हर बार बल्लेबाजी करने जाते समय संभावित परिस्थितियों को समझने की कोशिश करता हूं। साथ ही पिच कैसे बदल रही है, उसे देखकर सही शॉट खेलने पर काम कर रहा हूं। रमनदीप सिंह ने कहा कि अगर मौका मिला तो वह गेंदबाजी से भी टीम के लिए योगदान देना चाहेंगे।

विश्व कप में जगह बनाने के बाद

महिला हॉकी टीम की नजरें क्वालीफायर पर

हैदराबाद। विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें अब FIH विश्व कप क्वालीफायर जीतने पर लगी है और इसके लिये शुक्रवार को इटली के खिलाफ सेमीफाइनल जीतना पहला कदम होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम पूल बी में तीन मैचों में सात अंक लेकर शीर्ष पर रही। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे लेकिन गोल औसत में पिछड़ने के कारण वह दूसरे स्थान पर है। भारत ने पूल चरण में दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। इटली पूल ए में दूसरे स्थान पर रही जिसने एक मैच जीता, एक ड्रॉ खेला और एक गंवाया। भारत के लिए फॉरवर्ड नवनीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है जो अब तक चार गोल कर चुकी हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक लगाई थी। इटली की उम्मीदें फेडरिका कार्टा पर टिकी होंगी जो अब तक तीन गोल कर चुकी है।

कागजों पर भारत का पलड़ा भारी लग रहा है। आमने सामने के मुकाबलों में दोनों टीमें 2012 से अब तक एक दूसरे के खिलाफ सात बार खेली हैं जिनमें से पांच भारत ने जीते, एक इटली ने और एक मैच ड्रॉ रहा। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना इस टीम के लिये बड़ी उपलब्धि है। खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह काबिले तारीफ है।' उन्होंने कहा, 'हम यहां सिर्फ क्वालीफाई करने नहीं आए हैं। हम मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार करके टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। सेमीफाइनल एक और बड़ी चुनौती है और हम पूरे फोकस के साथ खेलेंगे।' मारिन ने कहा, 'इटली काफी प्रतिस्पर्धी टीम है और मजबूत टीमों को चुनौती देने में सक्षम है। हमारा फोकस रणनीति पर अमल पर रहेगा और इसी ऊर्जा तथा आत्मविश्वास के साथ खेलना चाहेंगे।' एफआईएच महिला और पुरूष विश्व कप नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा।

हर साल IPL की शुरुआत देखना हमेशा रोमांचक होता है : हरभजन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि IPL की शुरुआत हर बार क्रिकेट फैंस के लिए बेहद रोमांचक होती है और इस बार भी टूर्नामेंट में जबरदस्त मुकाबले देखने को मिलेंगे। हरभजन सिंह ने कहा कि IPL में हर साल नए रोमांच और कड़ी टक्कर देखने को मिलती है, जो इसे दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग बनाती है। बातचीत करते हुए हरभजन सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस बार भी टूर्नामेंट में वही जुनून और उत्साह देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'IPL की शुरुआत देखना हमेशा रोमांचक होता है। उम्मीद है कि इस साल भी हमें वही जोश, जुनून और मजा देखने को मिलेगा जो IPL लेकर आता है। हम हर बार चाहते हैं कि कोई नई टीम ट्रॉफी जीते, लेकिन कुछ पुरानी टीमें काफी मजबूत हैं, इसलिए शानदार मुकाबले देखने को मिलेंगे।' IPL 2025 के फाइनल में रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर पहली बार खिताब अपने नाम किया था। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था, जहां RCB ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी जीती थी। BCCI ने 11 मार्च को IPL 2026 के पहले चरण का शेड्यूल जारी किया है। टूर्नामेंट का पहला चरण 28 मार्च से 12 अप्रैल 2026 तक खेला जाएगा। हालांकि पूरे सीजन का शेड्यूल बाद में घोषित किया जाएगा, क्योंकि इसी दौरान तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। IPL 2026 का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन RCB और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के बीच खेला जाएगा। यह मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा। 10 शहरों में खेले जाएंगे 20 मैच, IPL 2026 के पहले चरण में कुल 20 मैच खेले जाएंगे, जो 10 अलग-अलग शहरों में आयोजित होंगे। टूर्नामेंट के पहले चरण में चार डबल-हेडर मुकाबले भी खेले जाएंगे।

महिला दिवस पर मुंबई में साड़ी वॉकथॉन

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुंबई के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की ओर से साड़ी वॉकथॉन 2026 का आयोजन किया गया। 'तिच्या पाऊलात शक्ती'(उसके कदमों में शक्ति) की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं ने पारंपरिक पैठणी और नौवारी साड़ियों में भाग लेकर स्त्रीशक्ति और मराठी संस्कृति का शानदार प्रदर्शन किया। सुबह आरे चेक नाका और वाघदेवी मंदिर परिसर से शुरू हुई इस वॉकथॉन में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा, नथ और कपाळी चंद्रकोर के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में संदेश लिखे फलक लेकर महिलाओं ने समाज में महिला सशक्तिकरण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में भाजपा मुंबई अध्यक्ष एवं विधायक अमित साटम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए उनके सशक्तिकरण और विकास में सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया। इस अवसर पर नगरसेविका ममता यादव, नगरसेविका अंजली सामंत सहित भाजपा महिला मोर्चा और पार्टी के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। वहीं नगरसेविका व भाजपा महिला मोर्चा उत्तर-पश्चिम मुंबई की जिलाध्यक्ष प्रिती मनोज सातम के नेतृत्व में आयोजित इस वॉकथॉन में ढोल-ताशों और लेझिम की धुन पर महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया।

टी-20 वर्ल्ड कप : सिराज के बयान ने जीता दिल, टीम स्पिरिट की दी मिसाल

'बैट उठाया, पानी पिलाया'

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरा देश जश्न में डूबा हुआ है। इस ऐतिहासिक जीत के बीच टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने मजाकिया अंदाज और शानदार टीम भावना से फैंस का दिल जीत लिया। प्लेइंग इलेवन का नियमित हिस्सा न होने के बावजूद सिराज ने टीम की सफलता को सबसे ऊपर रखा और अपने बयान से बता दिया कि असली टीम मैन किसे कहते हैं। टीम इंडिया की जीत के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बातचीत के दौरान सिराज से पूछा गया कि प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना निराशाजनक होता है, ऐसे में टीम की जीत में उनकी क्या भूमिका रही?इस पर सिराज ने हंसते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, 'हम दोनों का बहुत बड़ा रोल था बाहर बैठकर बैक टू बैक पानी पिलाना और बैट उठाना।'

सिराज की यह बात सुनकर उनके साथ खड़े कुलदीप यादव भी जोर-जोर से हंसने लगे। सिराज का यह सेल्फ-रोस्ट वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी सादगी और टीम भावना की खूब तारीफ कर रहे हैं। मजाक के बाद सिराज ने टीम स्पिरिट पर बेहद अहम बात भी कही। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी मैदान पर खेलना चाहता है, लेकिन अगर टीम कॉम्बिनेशन के कारण बाहर बैठना पड़े तो उसे भी सकारात्मक तरीके से लेना चाहिए। सिराज ने कहा, 'नेट में गेंदबाजी करना और ड्रेसिंग रूम का माहौल पॉजिटिव रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। कोई खिलाड़ी बड़ा नहीं होता, टीम सबसे बड़ी होती है।' उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ल्ड कप जीत को वह

भगवान की स्क्रिप्ट मानते हैं, क्योंकि शुरुआत में उन्हें टीम में मौका नहीं मिला था और बाद में अचानक कॉल आया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मोहम्मद सिराज को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला। USA के खिलाफ खेले गए उस मुकाबले में सिराज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 29 रन देकर 3 विकेट झटके थे। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच खेला, जो चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ था। उस मुकाबले में उन्होंने 1 विकेट हासिल किया था। भले ही ये दोनों खिलाड़ी नियमित रूप से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे, लेकिन टीम के लिए उनकी मौजूदगी और सपोर्ट ने ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई।

इरफान पठान की भविष्यवाणी

मुंबई इंडियंस-RCB के बीच होगा सबसे बड़ा मैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 2026 सीजन की शुरुआत से पहले ही एक मुकाबला क्रिकेट फैंस के बीच जबरदस्त चर्चा में है। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि Mumbai Indians और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होने वाला मुकाबला टूर्नामेंट के शुरुआती चरण का सबसे बड़ा मैच साबित हो सकता है। पठान के अनुसार, दोनों टीमों में मौजूद सुपरस्टार खिलाड़ियों और उच्च स्तर के क्रिकेट के कारण यह मुकाबला पूरी तरह हाउसफुल होने वाला है और फैंस को शानदार खेल देखने को मिलेगा। BCCI ने बुधवार को IPL 2026 के पहले चरण का शेड्यूल जारी किया। यह चरण 28 मार्च से 12 अप्रैल तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और RCB के बीच खेला जाएगा। यह मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा। इरफान पठान ने कहा कि मुंबई इंडियंस और RCB के बीच होने वाला मैच शुरुआती 20 मुकाबलों में सबसे ज्यादा रोमांचक होगा। उनके अनुसार, इस मुकाबले में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और बड़े छक्कों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिलेगा। पठान ने कहा कि इतने बड़े खिलाड़ियों के साथ होने वाला यह मैच स्टेडियम में पूरी तरह हाउसफुल रहने की पूरी संभावना है और फैंस को क्वालिटी क्रिकेट देखने का मौका मिलेगा। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारों पर सभी की नजरें होंगी। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा पिछले दो वर्षों से शानदार फॉर्म में हैं और उनसे एक बार फिर बड़ी पारी की उम्मीद की जा रही है। वहीं दूसरी ओर RCB के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली लगातार 19वें सीजन में अपनी फ्रेंचाइजी के लिए खेलते नजर आएंगे। पठान ने कहा कि वह कोहली की बल्लेबाजी शैली और उनके अप्रोच को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। पठान ने RCB के कुछ अन्य खिलाड़ियों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि रजत पाटीदार भले ही घरेलू क्रिकेट में हाल के समय में संघर्ष करते नजर आए हों, लेकिन IPL जीतने वाले कप्तान के रूप में वह मजबूत वापसी कर सकते हैं।

युवराज को टीम से बाहर करने में धोनी का हाथ था?

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता संदीप पाटिल ने एक लंबे समय से चल रहे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एमएस धोनी का युवराज सिंह को भारतीय टीम से बाहर करने के फैसले में कभी कोई हाथ नहीं था। पाटिल ने बताया कि अपने चयनकर्ता कार्यकाल के दौरान उन्होंने कभी भी धोनी को युवराज को ड्रॉप करने की मांग करते नहीं सुना। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब युवराज के पिता लगातार धोनी पर आरोप लगाते रहे हैं। संदीप पाटिल ने एक इंटरव्यू में कहा कि चयन समिति की बैठकों, विदेशी दौरों या मैचों के दौरान कभी भी धोनी ने युवराज सिंह को टीम से बाहर करने की बात नहीं कही। उन्होंने कहा कि वह इस बात को पूरी जिम्मेदारी के साथ रिकॉर्ड पर कह सकते हैं कि धोनी ने ऐसा कोई सुझाव या दबाव नहीं बनाया। पाटिल के अनुसार, धोनी का चयन प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का स्वभाव भी नहीं था और वह चयन समिति के फैसलों का सम्मान करते थे। पाटिल ने आगे कहा कि धोनी हमेशा चयनकर्ताओं के निर्णयों का सम्मान करते थे। उन्होंने बताया कि टीम के कप्तान के तौर पर धोनी को चयन समिति की कार्यप्रणाली पर पूरा भरोसा था और

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संदीप पाटिल ने बता दिया सच

वह आमतौर पर टीम चयन के मामलों में ज्यादा दखल नहीं देते थे। इस बयान से यह साफ संकेत मिलता है कि युवराज सिंह को टीम से बाहर करने का फैसला चयनकर्ताओं की रणनीति और उस समय के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया होगा। दूसरी ओर युवराज सिंह के पिता Yograj Singh कई बार सार्वजनिक रूप से धोनी को अपने बेटे के करियर में गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। योगराज ने कई इंटरव्यू में यह कहा कि धोनी के कारण ही युवराज को टीम से बाहर किया गया। उन्होंने यह भी कहा था कि वह इस मामले में धोनी को कभी माफ नहीं करेंगे। एक इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा था कि धोनी ने उनके बेटे के साथ गलत किया और इससे युवराज का करियर प्रभावित हुआ। उन्होंने यहां तक कहा कि युवराज सिंह जैसा खिलाड़ी फिर से देखने को शायद ही मिले और वह चार-पांच साल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल सकते थे। उनके इस बयान ने क्रिकेट जगत में काफी चर्चा पैदा की थी। संदीप पाटिल ने योगराज सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक पिता का अपने बेटे के लिए भावुक होना बिल्कुल स्वाभाविक है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में आरोप गलत व्यक्ति पर लगाए जा रहे हैं।

सलमान खान के साथ जमेगी अब नयनतारा की जोड़ी

साउथ डायरेक्टर वामशी पैदिपल्ली बॉलीवुड सुपर स्टार सलमान खान के साथ एक बड़ी एंटरटेनर फिल्म बना रहे हैं, जिसकी हीरोइन नयनतारा हो सकती हैं। सलमान और नयनतारा की जोड़ी फैंस को पसंद आने वाली है। साल 2003 में आई फिल्म जवान में नयनतारा को शाहरुख खान के साथ रोमांस करते हुए देखा था। अब नयनतारा की जोड़ी सलमान के साथ भी जमने वाली है। वामशी के इस प्रोजेक्ट को दिल राजू प्रोड्यूस कर रहे हैं। बताया जा रहा है ये एक पैन इंडिया हिंदी फिल्म होगी,जिसमें जबरदस्त एंटरटेनमेंट होने वाला है। हालांकि,अभी इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नयनतारा को शाहरुख खान के साथ जवान में देखा गया था। एक्ट्रेस की नॉर्थ इंडिया बेल्ट में कोई खास पॉपुलैरिटी नहीं है। लेकिन उनके काम को पसंद किया गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। हालांकि कुछ के मुताबिक एक्ट्रेस का काम दीपिका के कैमियो के आगे फीका था। वामशी पैदिपल्ली की बात स्क्रिप्ट राइटिंग के साथ इन्होंने कई साउथ की सफल फिल्में बनाई हैं। वामशी ने साल 2007 में आई फिल्म मुन्ना से डायरेक्शन में कदम रखा था। इसके बाद साल 2010 में आई फिल्म वृंदावन, 2014 में येवाडू , 2016 उपिरी, 2019 महर्षि बनाई। फिल्म महर्षि ने नेशनल अवॉर्ड तक जीता था। बता दें, सलमान खान का फिल्मी करियर पिछले कुछ सालों से खास नहीं चल रहा है। उनकी पिछली फिल्में किसी का भाई किसी की जान, सिकंदर, टाइगर 3 ऑडियंस को खास पसंद नहीं आई थी। ऐसे में सलमान पर बेस्ट फिल्म देने का फैंस का प्रेशर है। फिल्म सिकंदर के बाद एक्टर ने अपने कुछ फैंस से मिले सुझाव पर विचार किया था। ऐसे में आने वाले दिनों में एक्टर को कई बड़े प्रोजेक्ट्स में देखा जा सकता है। सलमान फिलहाल बैटल ऑफ गलवान में बिजी हैं। इसके आलावा उनके पास वामशी के साथ फिल्म है जिसकी शूटिंग इस अप्रैल से शुरू होने की खबर है। फिल्म अगले साल तक ही थिएटर में रिलीज हो पाएगी। इसके अलावा किक का सीक्वल किक 2 और बब्बर शेर जैसी फिल्में आने की खबर है। सलमान आने वाले दिनों में अपनी नई फिल्म की जानकारी दे सकते हैं। बता दें कि बॉलीवुड एक्टर सलमान खान सिकंदर जैसी फिल्म के बाद एक बड़ी हिट की तलाश में हैं। बैटल ऑफ गलवान के अलावा कई अन्य प्रोजेक्ट पर भी काम कर रहे हैं।

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज का टाइटल ट्रैक 'आरी आरी' रिलीज़

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म धुरंधर: द रिवेंज का टाइटल ट्रैक 'आरी आरी' रिलीज़ हो गया है। हाल ही में रिलीज़ हुआ धुरंधर: द रिवेंज का ट्रेलर लगातार ऊँचाइयाँ छू रहा है और 45 से अधिक देशों में यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है। जब से ट्रेलर रिलीज़ हुआ है, तब से फैंस 'आरी आरी' गाने को, जो बैकग्राउंड म्यूज़िक के रूप में इस्तेमाल हुआ था, गुनगुना रहे हैं और गाने के रिलीज़ होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे।यह हाई-एनर्जी गाना अब टी-सीरीज़ के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है। जोशीले बीट्स, दमदार वोकल्स और धमाकेदार रैप सेक्शन्स से भरपूर यह गाना फिल्म की तीव्र दुनिया का माहौल तय करता है, साथ ही एक ऐसा म्यूज़िकल अनुभव देता है जो पहले से ही अगले बड़े वायरल एंथम के रूप में उभरता दिख रहा है।

शाश्वत सचदेव के संगीत से सजा यह ट्रैक, जिसे शाश्वत सचदेव ने ही कंपोज़, अरेंज और प्रोग्राम किया है, समकालीन प्रोडक्शन को पंजाबी प्रभावों के साथ मिलाकर एक ऐसा साउंड तैयार करता है जो श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर देता है। इस गाने में नवतेज सिंह रेहल (बॉम्बे रॉकर्स), खान साब, जैस्मिन सैंडलास और सुधीर यादववंशी की आवाज़ें हैं, जबकि रैप के हिस्से रेबल और टोकन ने लिखे और परफॉर्म किए हैं। गीत के बोल प्रसिद्ध इरशाद कामिल और बॉम्बे रॉकर्स ने लिखे हैं, और स्कोर का प्रोडक्शन एडम लुकास ने किया है।

गाने का शानदार और विज़ुअली स्टनिंग म्यूज़िक वीडियो इस ट्रैक को नई ऊँचाइयों तक ले जाता है, जिसमें रणवीर सिंह एक दमदार और प्रभावशाली किरदार में नज़र आते हैं। स्टाइलाइज़्ड एक्शन और रोमांचक सीक्वेंसेज़ से भरपूर यह वीडियो तीव्रता और भव्यता से भरा हुआ है, साथ ही रणवीर सिंह की शक्तिशाली स्क्रीन प्रेज़ेंस को भी दिखाता है।बिजली सी ऊर्जा से भरे ऑडियो और डायनेमिक विज़ुअल्स को मिलाकर, "आरी आरी" फिल्म की म्यूज़िक जर्नी की शुरुआत एक रोमांचक और हाई-ऑक्टेन प्रभाव के साथ करता है।

मोनालिसा ने मुस्लिम बॉयफ्रेंड फरमान खान से शादी की

महाकुंभ में अपनी खूबसूरत आंखों और मासूम मुस्कान के कारण सोशल मीडिया पर वायरल हुईं मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनकी पर्सनल लाइफ है। खबरों के मुताबिक मोनालिसा ने अपने मुस्लिम बॉयफ्रेंड फरमान खान के साथ शादी कर ली है। हालांकि इस रिश्ते को लेकर उनके परिवार ने विरोध जताया है,जिसके चलते दोनों को पुलिस से सुरक्षा मांगनी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मोनालिसा और फरमान करीब डेढ़ साल से एक-दूसरे को जानते हैं। दोनों की मुलाकात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर हुई थी और वहीं से उनकी दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। जब दोनों ने शादी करने का फैसला किया तो परिवार ने इसका विरोध किया, जिसके बाद मामला और बढ़ गया। बताया जा रहा है कि परिवार के विरोध और संभावित खतरे को देखते हुए मोनालिसा अपने बॉयफ्रेंड के साथ केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित थंपानूर पुलिस स्टेशन पहुंचीं और पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई। दोनों ने पुलिस को बताया कि वे अपनी मर्जी से साथ रहना चाहते हैं और उन्हें किसी तरह की धमकी या दबाव से बचाया जाए। सोशल मीडिया पर इस मामले से जुड़ा एक वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें मोनालिसा और फरमान पुलिस स्टेशन में दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद यह मामला और चर्चा में आ गया है।

'भूत बंगला' का टीजर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' का टीज़र रिलीज हो गया है। फिल्म 'भूत बंगला' के साथ बॉलीवुड की सुपरहिट डायरेक्टर-एक्टर जोड़ी, प्रियदर्शन और अक्षय कुमार, पूरे 14 साल के लंबे गैप के बाद वापस आ रही है। सालों से इस जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को ऐसी यादगार और बेहतरीन कॉमेडी फिल्में दी हैं, जिन्हें लोग आज भी बड़े चाव से देखते हैं। इसी विरासत की वजह से, यह फिल्म 2026 की सबसे ज्यादा इंतज़ार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा पेश की गई 'भूत बंगला' ने उन फैंस के बीच पहले ही यादों का सैलाब ला दिया है, जो इस जोड़ी की कल्ट फिल्में देखकर बड़े हुए हैं। यह फिल्म बॉलीवुड के उस सुनहरे कॉमेडी दौर के जादू को फिर से जगाने का वादा करती है, जिसमें आज के दर्शकों के लिए एक नया और मॉडर्न ट्विस्ट भी होगा।

फिल्म के डरावने पोस्टर ने फैंस को पहले ही एक्साइटेड कर दिया था, और अब मेकर्स ने 'भूत बंगला' का बहुप्रतीक्षित टीज़र भी रिलीज़ कर दिया है। इसके साथ ही एक कास्ट पोस्टर भी सामने आया है जो इसकी डरावनी पर मज़ेदार दुनिया की पहली झलक दिखाता है। कॉमेडी, हंसी और जबरदस्त पंचलाइन्स से भरपूर यह टीज़र फिल्म की अनोखी हॉरर-कॉमेडी दुनिया का माहौल सेट कर देता है। हालाँकि टीज़र ने फिलहाल हॉरर एलिमेंट्स को थोड़ा छुपा कर रखा है, लेकिन इसने आने वाले डरावने ड्रामे को लेकर उत्सुकता ज़रूर बढ़ा दी है, जो हंसी-मजाक के साथ एक "स्पोक्टैकुलर" एंटरटेनर होने का वादा करता है।

एक और खास बात जो ध्यान खींचती है, वो है परेश रावल, असरानी और राजपाल यादव जैसे दिग्गज एक्टर्स की मौजूदगी। ये कलाकार तुरंत उस पुरानी यादों वाली चमक को वापस ले आते हैं, जो दर्शक अक्सर क्लासिक कॉमेडी फिल्मों से जोड़कर देखते हैं। टीज़र में उनकी छोटी सी झलक ही उन यादगार किरदारों की याद दिला देती है जो उन्होंने पहले निभाए हैं, और इससे फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है।

'लव एंड वॉर' ने बढ़ाई विकी कौशल की टेंशन

बॉलीवुड एक्टर विकी कौशल ने हर बार अपनी एक्टिंग से सबको खूब इम्प्रेस किया है। साल 2025 उनके लिए बहुत ही शानदार रहा, जब 'छावा' रिलीज हुई और दुनियाभर से करोड़ों का कारोबार कर लिया। उस पिक्चर के बाद से ही विकी कौशल 'लव एंड वॉर' पर काम कर रहे हैं। जिसे संजय लीला भंसाली बना रहे हैं और रणबीर कपूर के अलावा आलिया भट्ट भी फिल्म का हिस्सा हैं। हालांकि, इसके बाद विकी कौशल को 'महावतार' पर काम करना है, जिसे इसी साल के एंड में रिलीज करने का प्लान था।

लेकिन भंसाली का काम देरी से होने के चलते विकी कौशल शूटिंग के लिए फ्री नहीं हो पाए। पर अब सिर्फ 4 महीने का वक्त उनके पास है, क्योंकि 'महावतार' का बड़ा प्लान तैयार हो गया है। जानिए क्या होने वाला है? हाल ही में जानकारी मिली कि अमर कौशिक अपनी अगली बड़ी छलांग लगाने की तैयारी कर रहे हैं। जी हां,वो पूरी तरह से माइथोलॉजिकल एरिया में कदम रख रहे हैं। इस वक्त डायरेक्टर पूरी तरह से 'महावतार' पर काम कर रहे हैं, जो एक इफेक्ट्स-हैवी एपिक फिल्म है और पिक्चर में विकी कौशल, भगवान परशुराम का रोल करेंगे। लेकिन फिल्म का काम कब शुरू किया जाएगा? हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर जानकारी मिली कि, विकी कौशल के लिए अभी सबसे बड़ी दिक्कत शेड्यूलिंग की है। क्योंकि एक्टर फिलहाल संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' के लिए काम कर रहे हैं, इसलिए एक्टर के कैलेंडर में बदलाव किया जा रहा है। ताकि वो अमर कौशिक के डिमांडिंग शूट प्लान के लिए जगह बनाए। बताते चलें कि यह एक बड़ा विजुअल कैनवस है,जिसमें बहुत ज्यादा VFX की जरूरतें होंगी। वहीं, रिपोर्ट से यह भी पता लगा कि 'महावतार' का प्री-प्रोडक्शन जून तक पूरा करने का प्लान है। जिसके बाद प्रिंसिपल फोटोग्राफी जुलाई में शुरू हो सकती है। हालांकि इस रोल के लिए विकी कौशल को काफी ट्रांसफॉर्मेशन करना होगा।

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अल्फा' की रिलीज डेट फिर बदली

बॉलीवुड बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अल्फा' की रिलीज डेट फिर बदल दी गई है। अभिनेत्री आलिया भट्ट और शर्वरी वाघ अभिनित इस फिल्म के बारे में काफी समय से चर्चा चल रही थी कि बेटल ऑफ गलवान के साथ संभावित क्लैश के कारण फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाई जा सकती है या फिर इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा सकता है। हालांकि अब फिल्म के मेकर्स ने साफ कर दिया है कि यह फिल्म सीधे सिनेमाघरों में ही रिलीज होगी, लेकिन इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। नई घोषणा के मुताबिक 'अल्फा' अब 10 जुलाई 2026 को थिएटर्स में रिलीज होगी।

मेकर्स ने फिल्म का नया टीजर पोस्टर जारी करते हुए इसकी नई रिलीज डेट का ऐलान किया। पोस्टर में अल्फा के प्रतीक चिन्ह के साथ आलिया भट्ट की झलक दिखाई गई है, जिससे फिल्म के एक्शन और स्पाई थीम का अंदाजा मिलता है। यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें दर्शकों को दमदार स्टंट और हाई-वोल्टेज एक्शन देखने को मिलेगा। फिल्म में अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। खास बात यह है कि फिल्म में आलिया भट्ट और शर्वरी वाघ दोनों ही कई एक्शन सीक्वेंस करती दिखाई देंगी। दरअसल 'अल्फा' की रिलीज डेट इससे पहले भी दो बार बदली जा चुकी है।

शुरुआत में इस फिल्म को क्रिसमस 2025 के मौके पर रिलीज करने की योजना थी, लेकिन बाद में इसे आगे बढ़ाकर 17 अप्रैल 2026 कर दिया गया। इसी तारीख पर सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' रिलीज होने वाली थी। माना जा रहा है कि बड़े क्लैश से बचने के लिए मेकर्स ने 'अल्फा' की रिलीज डेट फिर से आगे बढ़ा दी और अब इसे जुलाई 2026 में लाने का फैसला किया गया है। नई रिलीज डेट की जानकारी खुद आलिया भट्ट ने भी सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, "अल्फा 10 .07 .2026, सिनेमाज में मिलते हैं।" इस पोस्ट के बाद फैन्स के कई कमेंट्स सामने आए, जिनमें लोगों ने फिल्म के लिए उत्साह जाहिर किया।

रामायण के सेट से सामने आई रणबीर की फोटो

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायण इसी साल दीपावली पर सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार हो रही है। रणबीर इसकी शूटिंग कर रहे हैं और फैन्स भी फिल्म को लेकर खूब उत्साहित हैं। फिल्म के सेट की कुछ तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं जिसमें रणबीर कपूर और साई पल्लवि राम-सीता की तरह नजर आ रहे थे। अब रामायण की डिजाइनर ने भी फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में डिजाइनर रिंपल नरूला फिल्म के लीड हीरो रणबी कपूर संग पोज देते दिख रही हैं। रामायण के सेट की फोटो आई सामने रिंपल ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, 'किसी फिल्म के सेट पर काम करना एक दिलचस्प अनुभव होता है, खासकर तब जब फिल्म रामायण जितनी बड़ी हो। रणबीर कपूर के साथ फोटो खिंचाना भी एक यादगार पल होने वाला है।' इन तस्वीरों में रणबीर ने रिंपल के साथ पोज दिए हैं और दोनों बात करते दिख रहे हैं। बता दें कि इन दिनों रणबीर कपूर अपनी फिल्म रामायण की शूटिंग में व्यस्त हैं और जल्द ही स्क्रीन पर भगवान राम के किरदार में जान फूंकते नजर आने वाले हैं। फिल्म को नितीश तिवारी ने डायरेक्ट किया है और इसी साल की दीपावली पर फिल्म रामायण रिलीज होने वाली है।

उम्र बढ़ने के साथ प्यार कम नहीं बल्कि गहरा होता है : सौरभ शुक्ला

उम्र के साथ प्यार कम नहीं होता, बल्कि वह और भी गहरा, खूबसूरत हो जाता है। यह कहना है बॉलीवुड अभिनेता और फिल्ममेकर सौरभ शुक्ला का। सौरभ की नई फिल्म जब खुली किताब इसी विचार को केंद्र में रखकर बनी है, जिसमें एक बुजुर्ग दंपति की खुशहाल शादी की कहानी दिखाई गई है। बीते दिनों जी5 पर रिलीज फिल्म में गोपाल और अनुसूया नामक एक बुजुर्ग जोड़े की जिंदगी की कहानी दिखाई गई है, जो सालों से साथ निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी में दिखाया गया है कि सब कुछ सेटल लगता है, लेकिन अचानक एक पुराना राज खुलने से उनके रिश्ते में उथल-पुथल मच जाती है। इस दौरान प्यार, लंबे समय का साथ, माफी और एक-दूसरे को फिर से समझने की कोशिश की भावनाएं दिल को छू लेती हैं। कहानी में कॉमेडी के साथ-साथ भावुक पल भी हैं। अभिनेता सौरभ शुक्ला ने बताया कि फिल्म बढ़ती उम्र में रोमांस और साथ रहने के विषय को खूबसूरती से दिखाती है, जो हिंदी सिनेमा में अभी भी बहुत कम देखने को मिलता है। स्क्रिप्ट लिखते समय कई लोगों ने उनसे पूछा था कि क्या युवा दर्शक बुजुर्ग कपल की कहानी पसंद करेंगे? लेकिन सौरभ को इस पर कभी शक नहीं हुआ।

उन्होंने बताया, "फिल्म में उम्रदराज कपल बाहर से भले ही बड़े लगें, लेकिन मन से वे जवान हैं। जब कोई भावनात्मक बदलाव आता है, तो उनकी युवा दिनों की भावनाएं फिर जाग उठती हैं। वे बच्चों की तरह लड़ते हैं, एक्सप्रेस करते हैं और इमोशंस बाहर निकालते हैं। ऐसे में यंगस्टर्स भी इस कहानी के साथ आसानी से जुड़ सकते हैं, क्योंकि यह दो बूढ़े दिखने वाले युवा दिलों की कहानी है।" सौरभ ने आगे कहा, सिनेमा में प्यार को ज्यादातर जवानी से जोड़ा जाता है। युवावस्था में प्यार ज्यादा फिजिकल और हार्मोनल होता है, जिसमें एक्साइटमेंट, जल्दबाजी और शारीरिक आकर्षण ज्यादा रहता है। लेकिन प्यार कभी खत्म नहीं होता। हम प्यार करना कभी बंद नहीं करते।

सैयारा के बाद चमकी अहान पांडे की किस्मत

बॉलीवुड एक्टर अहान पांडे ने बीते साल रिलीज हुई 'सैयारा' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। अपनी डेब्यू फिल्म से अहान पांडे को काफी उम्मीदें थीं और ये मूवी उनके साथ-साथ मेकर्स की उम्मीदों पर भी खरी उतरी।

अपनी पहली ही फिल्म 'सैयारा' से अहान पांडे ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया था। फिल्म ने थिएटरों में ताबड़तोड़ कमाई की और वर्ल्डवाइड 570 करोड़ रुपये का कारोबार किया। पहली फिल्म ब्लॉकबस्टर देने के बाद मेकर्स के बीच अहान पांडे की डिमांड काफी ज्यादा बढ़ गई है और उन्हें धड़ाधड़ फिल्मों के ऑफिर मिल रहे हैं। इस वक्त अहान पांडे के पास पहले से कई फिल्में लाइनअप में शामिल हैं। इसी बीच अब एक्टर को दो और फिल्मों का ऑफर मिल गया है। 'सैयारा' की जबरदस्त सक्सेस के बाद अहान पांडे बॉलीवुड में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले यंग एक्टर्स में से एक बन गए हैं। उन्हें हर तरफ से फिल्ममेकर्स से ऑफर्स की बाढ़ आ गई है। जो भी ऑफर अहान पांडे को मिले हैं, उनमें से उन्होंने' सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' के डायरेक्टर अली अब्बास जफर की अगली गैंगस्टर बेस्ड लव स्टोरी के लिए हामी भरी है। फिलहाल इस फिल्म पर काम चल रहा है और अब अहान के पास दो फिल्मों के ऑफर भी आ गए हैं। बॉ लीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, अहान पांडे को दो और एक्साइटिंग फीचर फिल्में ऑफर हुई हैं।